CMYK

ख़बरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम :40°C
न्यूनतम: 22°C

बरेली, बुधवार 22 अप्रैल 2026 बरेली संस्करण: वर्ष 23 अंक 141 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com बैसाख शुक्ल पक्ष 5 विक्रमी सम्वत् 2083 3 जिलकदा 1447 हिजरी नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

उप्र में अगले पांच दिन आसमान से बरसेगी आग पेज 2

चोटिल आयुष म्हात्रे आईपीएल से बाहर खेल टाइम्स

धधकती धरती: विकास की अंधी दौड़ या विनाश का काउंटडाउन सम्पादकीय

भारत ने इजरायल की मदद कर कानून तोड़ा: यूएन दूत पेज 12

संक्षिप्त समाचार

ट्रम्प व वेंस पर टिप्पणी करने वाला CDS का वीडियो फर्जी

नई दिल्ली। पाकिस्तान के दुष्प्रचार नेटवर्क ने इंटरनेट पर भ्रामक सामग्री प्रसारित करते हुए छेड़छाड़ किया गया डाक्टर्ड वीडियो साझा किया गया है, जिसमें झूठा दावा किया गया है कि भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बारे में अपमानजनक टिप्पणी की है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर व्यापक रूप से साझा किए गए इस क्लिप में संदर्भ को बिगाड़कर पेश किया गया है। यह राजनयिक संबंधों में तनाव पैदा करने और जनता को गुमराह करने के समन्वित प्रयासों का हिस्सा लग रहा है। जनरल अनिल चौहान के एक पुराने साक्षात्कार से निकाले गए इस जोड़-तोड़ वाले क्लिप में उन्हें कथित तौर पर ईरान के साथ युद्धविराम वार्ता के सिलसिले में जेडी वेंस की पाकिस्तान यात्रा पर टिप्पणी करते हुए दिखाया गया है।

पाक ने नई 'तैमूर' क्रूज मिसाइल का किया सफल परीक्षण

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने समुद्री मारक क्षमताओं को और धार देते हुए स्वदेश विकसित 'तैमूर' एयर-लॉन्च क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। देश की सैन्य-मीडिया विंग, इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस के जारी एक बयान के अनुसार, पाकिस्तानी नौसेना ने तैमूर मिसाइल का परीक्षण किया। यह एक ऐसी जहाज-रोधी हथियार प्रणाली है, जो लंबी दूरी तक सटीक हमला करने में सक्षम है। बयान में कहा गया है कि मिसाइल ने अपने मिशन को असाधारण सटीकता के साथ पूरा किया है। यह समुद्री खतरों का पता लगाने, उन पर नजर रखने और उन्हें बेअसर करने की क्षमता रखती है।

पाकिस्तानी अपराधी मॉड्यूल के दो सदस्य गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक बड़ी खुफिया कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान स्थित गैंगस्टर और आईएसआई के कथित गुर्गे शहजाद भट्टी से जुड़े एक अपराधी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने दो युवा गुर्गों को गिरफ्तार किया है, जो कथित तौर पर दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में लक्षित हत्याओं (टारगेट किलिंग) और हमलों की योजना बना रहे थे। पुलिस उपायुक्त (स्पेशल सेल) प्रवीण कुमार त्रिपाठी ने बताया कि आरोपी शहजाद भट्टी के निर्देश पर काम कर रहे थे और गोलीबारी तथा ग्रेनेड हमले करने की एक बड़ी साजिश का हिस्सा थे।

रक्षा मंत्रालय ने किए 975 करोड़ के अनुबंध पर हस्ताक्षर

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने टी-72, टी-90 टैंकों के लिए ट्रॉल असेंबली की खरीद के लिए भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (बीईएमएल) और इलेक्ट्रो न्यूमेटिक्स एंड हाइड्रोलिक्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के साथ लगभग 975 करोड़ रुपये के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में इन अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए गए।

शांतिवार्ता पर सस्पेंस खत्म

ईरान का प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान जाने के लिए राजी

इस्लामाबाद, वार्ता

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच दो क्षेत्रीय अधिकारियों ने मंगलवार को जानकारी दी है कि अमेरिका और ईरान ने इस्लामाबाद में युद्धविराम वार्ता के नए दौर के लिए संकेत दिए हैं। हालांकि, अभी तक अमेरिका या ईरान ने सार्वजनिक रूप से बातचीत के समय की पुष्टि नहीं की है।

अधिकारियों की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब, ईरान के सरकारी टेलीविजन ने भी इस बात से इन्कार किया है कि उनका कोई अधिकारी अभी पाकिस्तान की राजधानी में मौजूद है। पाकिस्तान की अगुवाई कर रहे मध्यस्थों को इस संबंध में पुष्टि मिल गई है। अधिकारियों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि मुख्य वार्ताकार बुधवार सुबह इस्लामाबाद पहुंचेंगे। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकिर गालिबाफ अपनी-अपनी टीमों का नेतृत्व करेंगे। यह बातचीत ऐसे समय में हो रही है जब दो हफ्ते का युद्धविराम खत्म होने वाला है। इस कूटनीतिक हलचल के बीच वाशिंगटन से काफी कड़े बयान आ रहे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर समझौता नहीं हुआ, तो वह ईरान के बिजली संयंत्रों को निशाना बनाएंगे। ट्रम्प ने ऑपरेशन मिडनाइट हैमर का जिक्र करते हुए इसे परमाणु ठिकानों को पूरी तरह खत्म करने वाली कार्रवाई बताया। वहीं ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद गालिबाफ ने इन धमकियों का कड़ा विरोध किया है। उन्होंने अमेरिका पर आरोप लगाया कि वह बातचीत की मेज को आत्मसमर्पण की मेज में बदलना चाहता है। गालिबाफ ने साफ किया कि ईरान धमकियों के साये में बातचीत स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि पिछले दो हफ्तों में ईरान ने युद्ध के मैदान में नए पत्ते खोलने की पूरी तैयारी कर ली है।

- मुख्य वार्ताकार आज सुबह इस्लामाबाद पहुंचेंगे
- अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकिर गालिबाफ अपनी-अपनी टीमों का नेतृत्व करेंगे

शानदार समझौते के साथ होगा अंत, शांति वार्ता पर बोले ट्रम्प, युद्धविराम बढ़ाने से किया इन्कार

वाशिंगटन। दुनिया भर की निगाहें इस समय अमेरिका और ईरान के बीच मंडरा रहे युद्ध के बादलों पर टिकी हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इस तनावपूर्ण माहौल में अपनी स्थिति साफ कर दी है कि शांति की समय सीमा अब समाप्त हो चुकी है। ट्रम्प ने स्पष्ट कर दिया है कि 22 अप्रैल की आधी रात के बाद वह किसी भी कीमत पर युद्धविराम को आगे नहीं बढ़ाएंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सीएनबीसी को दिए एक साक्षात्कार में बहुत स्पष्ट शब्दों में कहा है कि कूटनीति के लिए अब और समय देना मुमकिन नहीं है। ट्रम्प ने कहा कि हमारे पास इतना समय नहीं है। समय सीमा 22 अप्रैल है और मैं युद्धविराम को बढ़ाना नहीं चाहता। जब उनसे पूछा गया कि क्या समझौता न होने पर वह फिर से सैन्य कार्रवाई करेंगे, तो ट्रम्प ने बिना झिझक कहा कि वह बमबारी की उम्मीद कर रहे हैं, क्योंकि उनका मानना है कि इसी रवैये के साथ आगे बढ़ना बेहतर है।

पाक ने भारतीय विमानों के लिए अपना एयरस्पेस 24 मई तक किया बंद

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने मंगलवार को भारतीय विमानों के लिए अपना एयरस्पेस 24 मई तक बंद रखने का फैसला किया है। अब ये पाबंदियां एक साल से भी ज्यादा समय तक लागू रहेंगी। पिछले साल 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान ने एक-दूसरे के विमानों के लिए अपना-अपना एयरस्पेस बंद कर दिया था। हमले में 26 लोग मारे गए थे। 24 अप्रैल, 2025 से भारतीय विमानों के लिए पाकिस्तान का एयरस्पेस पेस बंद है, वहीं दूसरी तरफ पिछले साल 30 अप्रैल से पाकिस्तानी विमानों को भारतीय एयरस्पेस इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं है।

छूने से देवता अपवित्र कैसे होते हैं: सुप्रीम कोर्ट

शाह टाइम्स ब्यूरो

- सबरीमाला मंदिर की सुनवाई के दौरान उठा सवाल, छठे दिन परंपरा व प्रथा पर हुए तर्क
- सबरीमाला के वकील बोले: भगवान अयप्पा ब्रह्मचारी, इसलिए पूजा की प्रथा भी वैसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में केरल के सबरीमाला मंदिर समेत विभिन्न धर्मों और धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ कथित भेदभाव से जुड़े मामलों पर सुनवाई जारी है। इसके लिए अदालत ने 9 न्यायाधीशों की संविधान पीठ का गठन किया है, जो 2018 के फैसले के खिलाफ दायर समीक्षा याचिकाओं पर विचार कर रही है।

सुनवाई के दौरान अदालत ने पूछा कि यदि किसी आस्थावान भक्त को देवता को छूने से रोका जाता है, तो क्या ऐसे में संविधान उसकी रक्षा के लिए आगे नहीं आएगा? यह टिप्पणी जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह ने उस समय की, जब यह चर्चा चल रही थी कि जन्म या परंपरा के आधार पर किसी को पूजा-अधिकार से वंचित किया जा सकता है या नहीं। कोर्ट ने पूछा, 'मूर्ति छूना ईश्वर का अपमान कैसे हो सकता है और वे अपवित्र कैसे हो जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि क्या संविधान उस भक्त की मदद के लिए आगे नहीं आएगा, जिसे केवल उसके वंश और जन्म के कारण देवता को छूने से रोक दिया जाता है। इस पर सबरीमाला के वकील एडवोकेट वी. गिरी ने कहा किसी भी मंदिर में होने वाले रीति-रिवाज उस धर्म का अभिन्न हिस्सा होते हैं। पूजा देवता की विशेषताओं के उलट नहीं हो सकती। भगवान अयप्पा 'नैष्ठिक ब्रह्मचारी' हैं, इसलिए वहां की परंपराएं उसी के अनुरूप तय की गई हैं। मामले में मंदिर के प्रमुख पुजारी की ओर से कहा गया कि पूजा की परंपराएं और अनुष्ठान धर्म का अभिन्न हिस्सा हैं और इन्हें धार्मिक अधिकार माना जाना चाहिए। उनके अनुसार, भक्त जब मंदिर आता है तो उसे देवता के स्वरूप और उसकी परंपराओं को स्वीकार करना होता है। सबरीमाला मामले के साथ-साथ अदालत अनुच्छेद 25 के तहत धार्मिक स्वतंत्रता से जुड़े कई अहम मुद्दों की भी जांच कर रही है। इनमें मस्जिदों और दरगाहों में मुस्लिम महिलाओं के प्रवेश, अंतरधार्मिक विवाह के बाद पारसी महिलाओं के अग्नि मंदिर में प्रवेश का अधिकार, बहिष्कार की प्रथाओं की वैधता और दाऊदी बोहरा समुदाय में महिला जननांग विकृति से जुड़े कानूनी सवाल शामिल हैं। सुनवाई के पहले दिन संविधान पीठ ने स्पष्ट किया कि सभी पक्षकारों को तय समयसीमा के भीतर ही अपनी दलीलें प्रस्तुत करनी होंगी। अदालत ने कहा कि अन्य महत्वपूर्ण मामले भी लंबित हैं, इसलिए अतिरिक्त समय नहीं दिया जाएगा। सभी वकीलों को अपने तर्क और दस्तावेज समय पर पेश करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुनवाई का पूरा कार्यक्रम पहले ही तय कर दिया था। इसमें समीक्षा याचिकाओं के समर्थन में दलीलें 7 से 9 अप्रैल तक सुनी गईं। विरोधी पक्ष की दलीलें 14 से 16 अप्रैल तक रखी गईं। जवाबी दलीलें 21 अप्रैल को और अंतिम बहस एमिकस क्यूरी की ओर से 22 अप्रैल तक पूरी होने की संभावना है।

तमिलनाडु व पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार थमा गुरुवार को होगा मतदान

नई दिल्ली। तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में गुरुवार को होने जा रहे विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान मंगलवार शाम पांच बजे थम गया। तमिलनाडु की सभी 234 सीटों और पश्चिम बंगाल के पहले चरण के लिए 152 सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान होगा। चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार मतदान समाप्त होने से 48 घंटे पहले जनसभाएं रोक दी जाती है। प्रचार थमने के बाद उम्मीदवार और उनके कार्यकर्ता मतदाताओं से घर-घर जाकर संपर्क साधते हैं। दोनों राज्यों में 23 अप्रैल को मतदान सुबह सात बजे शुरू होगा। पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण का चुनाव 29 अप्रैल को होगा, जिसमें 142 सीटों पर मतदान कराया जाएगा। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार तमिलनाडु में कुल 4,023 उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतरे हैं। वहां मुख्य मुकाबला वर्तमान सत्तारूढ़ द्रविड़ मनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेतृत्व वाले गठबंधन और उसके मुख्य प्रतिद्वंदी अन्नाद्रमुक, गैर-भारतीय जनता पार्टी बीच है।

केरल में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, 13 की मौत

त्रिशूर। केरल के त्रिशूर जिले के मुंडथिक्कोडु इलाके में मंगलवार को एक पटाखा निर्माण यूनिट में भीषण विस्फोट हो गया। इस विस्फोट में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब शहर में आयोजित होने वाले वार्षिक हिंदू मंदिर उत्सव त्रिशूर पूरम की तैयारियां चल रही थीं। इस घटना पर पीएम मोदी ने दुख जताया है।

घटनास्थल पर पहुंचे राज्य सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि विस्फोट के समय यूनिट में करीब 40 लोग काम कर रहे थे, क्योंकि आयोजकों द्वारा कर्मचारियों के लिए दोपहर का भोजन लाया गया था। अधिकारी ने कहा कि हमें सूचना मिली है कि सात लोग वहां से भागने में सफल रहे। बताया जा रहा है कि यह विस्फोट उस पटाखा इकाई में हुआ, जहां त्रिशूर पूरम के थिरुवंबाडी गुट के लिए आतिशबाजी के सैंपल तैयार किए जा रहे थे। इस घटना में अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है और 5 लोगों की हालत बेहद ही गंभीर बताई जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, घटनास्थल पर बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री रखी हुई थी, जिसमें आग लगने के बाद जोरदार धमाका हुआ। प्रारंभिक जानकारी में लगभग 40 लोगों के घायल होने की बात सामने आई थी, जिनमें से कम से कम पांच की हालत गंभीर बताई गई थी। घटना के तुरंत बाद एंबुलेंस मौके पर पहुंचीं और प्रशासन ने त्रिशूर मेडिकल कॉलेज सहित आसपास के अस्पतालों को अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए, ताकि आपात स्थिति से निपटा जा सके। विस्फोट के बाद इलाके में घना धुआं और आग फैल गई, जिससे बचाव कार्यों में भी कठिनाई आई। घटनास्थल पर मौजूद अधजले और बिना फटे विस्फोटकों के कारण राहत एवं बचाव कार्य प्रभावित हुआ।पुलिस और आपातकालीन सेवाओं की टीमें मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित करने में जुट गईं। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि इसकी आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनी गई, जिससे धमाके की तीव्रता और वहां मौजूद विस्फोटक सामग्री के पैमाने का अंदाजा लगाया जा सकता है। राज्य संचालित केआईएलए के कर्मचारियों ने बताया कि उन्होंने तेज धमाके की आवाज सुनी और पहले उन्हें लगा कि यह भूकंप है।

- कई अन्य लोग घायल, पीएम ने जताया दुख

मध्य प्रदेश में रात में लू का अलर्ट, महाराष्ट्र व छत्तीसगढ़ में ट्रैफिक पुलिस की ड्यूटी का समय बदला

नई दिल्ली। देश के मैदानी इलाकों में तेज गर्मी जारी है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, यूपी, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, ओडिशा और दिल्ली में कई जगह पारा 44 डिग्री के पार पहुंच गया है। कई जगह लू का भी अलर्ट है। मध्य प्रदेश के भोपाल में पहली बार रात में लू चलने की चेतावनी दी गई है। भोपाल, छिंदवाड़ा, मंडला, नर्मदापुरम, ग्वालियर, रतलाम और छतरपुर समेत 16 जिलों में लू चलने के आसार हैं। उत्तर प्रदेश में प्रयागराज में 44.4 डिग्री के साथ देश में सबसे गर्म रहा। गर्मी को देखते हुए 8वीं तक के स्कूलों का टाइम बदल दिया गया है। झारखंड में भी आज से स्कूलों के समय में बदलाव किया है। महाराष्ट्र के गोंदिया और छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में पारा 43 डिग्री दर्ज हुआ। दोनों जिलों में दोपहर 12:30 बजे से 4 बजे तक ट्रैफिक सिग्नल बंद कर दिए गए हैं, ताकि लोगों को चौराहों पर धूप में खड़ा न रहना पड़े। दोनों ही राज्यों में दोपहर 12 से 4 बजे तक धूप में काम करने पर रोक लगा दी गई है।

पहलगाम हमले के एक साल बाद भी बैसारन मैदान बंद

पहलगाम, वार्ता

कश्मीर के प्रमुख पर्यटन स्थल पहलगाम में पर्यटकों की वापसी शुरू तो हुई है, लेकिन संख्या अब भी कम बनी हुई है। इसका बड़ा कारण बैसारन घास का मैदान अब भी बंद होना है, जहां पिछले वर्ष आतंकवादियों ने 25 पर्यटकों और एक स्थानीय व्यक्ति की हत्या कर दी थी।

बैसारन में 22 अप्रैल को हुए हमले में कुल 26 लोगों की जानें गईं थी, जिससे भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया था। हालात अब सामान्य हुए हैं, लेकिन 'मिनी स्विट्जरलैंड' के नाम से मशहूर बैसारन अब तक बंद है, जिससे पर्यटकों का भरोसा पूरी तरह बहाल नहीं हो पाया है। हमले के बाद बंद किए गए कई पर्यटन स्थलों को फिर से खोल दिया गया है, लेकिन बैसारन बंद ही रहा है। प्रवेश द्वार पर सरकार ने एक स्मारक बनाया है, जहां हमले में मारे गए 26 लोगों के नाम दर्ज हैं। पर्यटक वहां तस्वीरें लेते हैं, नाम पढ़ते हैं और फिर लिद्दर नदी के किनारे घूमकर लौट जाते हैं। पहलगाम टैक्सी ड्राइवर संघ के अध्यक्ष गुलाम नबी लोन ने कहा कि पर्यटक आ तो रहे हैं, लेकिन रात नहीं रुक रहे। इससे टैक्सी, घुड़सवारी और होटल व्यवसाय पर असर पड़ रहा है। अधिकारियों के अनुसार, पिछले साल पहलगाम में करीब चार लाख पर्यटक आए, जो सामान्य 12.15 लाख की तुलना में काफी कम है। स्थानीय कारोबारी इस गिरावट के लिए बैसारन और आसपास के स्थलों के बंद रहने को जिम्मेदार मानते हैं। स्थानीय पर्यटन से जुड़े लोगों का कहना है कि बैसारन पहले कभी बंद नहीं रहा और इसे जल्द खोलने की मांग लंबे समय से की जा रही है। उन्होंने चंदनवाड़ी के बंद होने पर भी चिंता जताई और कहा कि प्रमुख स्थल बंद होने से पर्यटक ठहरने के बजाय जल्दी लौट जाते हैं। फिलहाल मुख्य पहलगाम के बाहर केवल बेटाब वैली ही पर्यटकों के लिए खुली है। यहां करीब 5000 पोनीवाले और होटल व्यवसाई इस स्थिति से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। सुरक्षा के मद्देनजर प्रशासन ने टैक्सी चालकों, पोनीवालों और होटल कर्मचारियों को क्यूआर कोड जारी करना शुरू किया है। अब तक करीब 7000 लोगों को सत्यापन के बाद यह कोड दिया जा चुका है, और लक्ष्य 25,000 लोगों को शामिल करने का है। यह देश का पहला ऐसा स्थान है, जहां पहचान के लिए क्यूआर आधारित प्रणाली लागू की जा रही है। पोनीवाला एसोसिएशन के अध्यक्ष अब्दुल वहीद वानी ने कहा कि सुरक्षा इंतजाम बेहतर हुए हैं, लेकिन बैसारन के बंद रहने से पर्यटन को भारी नुकसान हो रहा है। पर्यटक भी बैसारन को खोलने की मांग कर रहे हैं। मुंबई से आए एक पर्यटक ने कहा कि मैं यहां घूमने आया हूं, डर नहीं है, लेकिन बैसारन बंद देखना निराशाजनक है। बैसारन जाने वाले रास्ते पर सुरक्षा बलों ने नाके लगाए हैं और एक सीमा से आगे किसी को जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है।

- 'मिनी स्विट्जरलैंड' के नाम से मशहूर है बैसारन, पर्यटकों का भरोसा पूरी तरह बहाल नहीं हो पाया

कांग्रेस ने पीएम के खिलाफ दिया विशेषाधिकार हनन का नोटिस

- लोकसभा स्पीकर को लेटर लिखा
- कहा: सांसदों के वोट पर टिप्पणी नियमों के खिलाफ

नई दिल्ली। कांग्रेस ने पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ लोकसभा में विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया है। पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को लेटर लिखकर कहा कि पीएम ने 'राष्ट्र के नाम संबोधन' में विपक्षी सांसदों के वोट और उनके इरादों पर सवाल उठाए थे। यह नियमों के खिलाफ है।

वेणुगोपाल ने लिखा कि पीएम ने करीब 29 मिनट के संबोधन में विपक्षी दलों पर महिला आरक्षण बिल रोकने का आरोप लगाया। सांसदों के वोटिंग पैटर्न पर सवाल उठाए। उनके फैसलों के पीछे की मंशा पर भी टिप्पणी की। कांग्रेस सांसद ने मांग की है कि इस मामले को लोकसभा की विशेषाधिकार समिति को भेजा जाए और पीएम के खिलाफ कार्रवाई शुरू की जाए। स्पीकर को लिखे लेटर में कहा कि इस तरह के बयान चुने हुए सांसदों की स्वतंत्रता और उनकी ईमानदारी पर सवाल खड़े करते हैं। इससे संसद की गरिमा और अधिकार कमजोर होते हैं। संविधान सांसदों को स्वतंत्र रूप से काम करने का अधिकार देता है। कोई भी व्यक्ति यहां तक कि प्रधानमंत्री भी, उनके वोट या आचरण पर सवाल नहीं उठा सकता।

संक्षिप्त समाचार

आप है ड्रामा पार्टी व केजरीवाल उसके निर्देशक: भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने आबकारी नीति से संबंधित मामले को लेकर दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले को लेकर आम आदमी पार्टी पर निशाना साधा है और उसे ड्रामा पार्टी करार देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को उसका निर्देशक बताया है। भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बताया कि केजरीवाल ने गत 13 मार्च को न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा के समक्ष अर्जी लगाई और कहा कि हमें आप पसंद नहीं हैं, आप स्वयं ही इस मामले को त्याग दीजिए। इसके बाद इस देश की न्यायपालिका के खिलाफ सोचा समझा षड्यंत्र शुरू हुआ।

पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर गरजेंगे वायुसेना के लड़ाकू जहाज

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर जिले में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर 22 और 23 अप्रैल को एक बार फिर वायुसेना का युद्धाभ्यास होने जा रहा हैं, जहां लड़ाकू जहाज हवाई पट्टी को छूते हुए उड़ान भरेंगे। भारतीय वायुसेना सुलतानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर स्थित अरवल कीरी-करवत हवाई पट्टी पर कल 22 और 23 अप्रैल को युद्धाभ्यास आयोजित करेगी। इस अभ्यास में अत्याधुनिक लड़ाकू विमान अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करेंगे। वायुसेना के अधिकारियों ने आपातकालीन हवाई पट्टी पर पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया है। यूपीडा के प्रोजेक्ट मैनेजर इमरान खान ने बताया कि लड़ाकू विमानों के उतरने, उड़ान भरने और विशेष युद्धाभ्यास के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। वायुसेना ने हवाई पट्टी के परीक्षण के लिए 22 अप्रैल का कार्यक्रम तय किया है।

25 अप्रैल तक दिन के समय लू चलने की चेतावनी जारी

उप्र में अगले पांच दिन आसमान से बरसेगी 'आग'

शाह टाइम्स ब्यूरो

- कई जिलों में पारा 44 डिग्री के पार
- वेस्ट यूपी में 27 को कहीं-कहीं गरज चमक के साथ बौछारें पड़ेंगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अगले कई दिनों तक भीषण गर्मी और लू का प्रकोप जारी रहने के आसार हैं। मौसम विभाग ने पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश के अनेक हिस्सों में 25 अप्रैल तक दिन के समय लू चलने की चेता. वनी जारी की है।

राज्य के अधिकांश भागों में फिलहाल मौसम शुष्क रहने की संभावना है, जबकि 27 अप्रैल को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ हल्की बारिश अथवा बौछार पड़ सकती है। मौसम विभाग के लखनऊ केंद्र द्वारा जारी दैनिक बुलेटिन के अनुसार 21 से 26 अप्रैल तक पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश में सामान्यत: मौसम शुष्क रहेगा। इस दौरान तेज धूप, गर्म हवाएं और तापमान में वृद्धि के कारण जनजीवन प्रभावित हो सकता है।

27 अप्रैल को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं वर्षा अथवा गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना व्यक्त की गई है, जबकि पूर्वी उत्तर प्रदेश में मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। राजधानी लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी, झांसी, आगरा, मेरठ, गोरखपुर, बरेली, मुरादाबाद और अयोध्या समेत अनेक जिलों में अधिकतम तापमान 40 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। बुंदेलखंड और दक्षिणी हिस्सों में गर्मी का प्रभाव अधिक रह सकता है, जहां झांसी, बांदा, हमीरपुर और आसपास के क्षेत्रों में तापमान 44 डिग्री सेल्सियस या उससे ऊपर पहुंचने के आसार हैं। वहीं प्रयागराज, कानपुर और वाराणसी मंडल में भी गर्म हवाओं के कारण तीखी गर्मी महसूस की जाएगी। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के आगरा, अलीगढ़, नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ, सहारनपुर और मुरादाबाद मंडल में दिन के समय तेज धूप और गर्म हवाओं का असर बना रहेगा। मौसम विभाग ने 22 से 25 अप्रैल के बीच पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं लू चलने की संभावना जताई है। पूर्वी उत्तर प्रदेश के गोरखपुर, बस्ती, आजमगढ़, देवरिया, बलिया, गाजीपुर, जौनपुर और वाराणसी मंडल में 21 अप्रैल से 25 अप्रैल के बीच कई स्थानों पर लू की स्थिति बन सकती है। विभाग ने 23 और 24 अप्रैल को पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ स्थानों पर लू चलने की विशेष चेतावनी दी है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार दोपहर 12 बजे से शाम चार बजे के बीच बाहर निकलने से बचना चाहिए। पर्याप्त पानी पीना, हल्के सूती वस्त्र पहनना, बच्चों और बुजुर्गों को धूप से बचाना तथा आवश्यक होने पर ही यात्रा करना उचित रहेगा।

किसानों व श्रमिकों को धूप से बचने की सलाह

खेतों में कार्य करने वाले किसान और श्रमिकों को भी धूप से बचाव के उपाय अपनाने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग ने कहा है कि 26 और 27 अप्रैल को अधिकांश क्षेत्रों में लू से राहत मिल सकती है, हालांकि तापमान ऊंचा बना रह सकता है। राज्य सरकार और जिला प्रशासन को भीषण गर्मी को देखते हुए स्वास्थ्य सेवाओं और पेयजल आपूर्ति पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होगी।

सीएम की अगुवाई में लखनऊ में महिला जनाक्रोश रैली

शाह टाइम्स ब्यूरो

- संसद में महिला बिल पास न होने पर सड़क पर उतरीं महिलाएं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी में मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी की ओर से महिला आरक्षण बिल के समर्थन में 'महिला जन आक्रोश रैली' आयोजित की गई। योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में यह पदयात्रा मुख्यमंत्री आवास (कालीदास मार्ग) से शुरू होकर विधान भवन तक निकाली गई।

पदयात्रा में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक के साथ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी और संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह भी शामिल रहे। इसके अलावा महिला आयोग की अध्यक्ष व आयोग की टीम और सरकार के कई मंत्री भी पदयात्रा में मौजूद रहे। भाजपा महिला मोर्चा की सैकड़ों कार्यकर्ताओं समेत बड़ी संख्या में महिलाओं ने इस मार्च में भागीदारी की। शहर के लगभग सभी वार्डों से महिलाओं की उपस्थिति देखने को मिली, जिससे यह रैली एक बड़े शक्ति प्रदर्शन के रूप में सामने आई। पार्टी नेताओं के अनुसार यह पदयात्रा 'आधी आबादी' के अधिकारों की लड़ाई को लेकर निकाली गई है और इसका उद्देश्य महिला आरक्षण बिल के समर्थन में जनसमर्थन जुटाना है।

संसद में नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक के पारित न होने के बाद भाजपा ने विपक्ष के खिलाफ देशभर में अभियान चलाने का ऐलान किया था, जिसके तहत यह रैली आयोजित की गई। पदयात्रा सीएम आवास से निकलकर सिविल अस्पताल मार्ग होते हुए विधानसभा पहुंची, जहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यकर्ताओं और आमजन को संबोधित किया। भाजपा ने संकेत दिए हैं कि इस मुद्दे पर ब्लॉक स्तर से लेकर जिला मुख्यालयों तक इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित कर राजनीतिक माहौल को तेज किया जाएगा।

महिला आरक्षण क्रियान्वयन की इच्छुक नहीं है मोदी सरकार: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि पार्टी का शीर्ष नेतृत्व हमेशा महिला आरक्षण के पक्ष में रहा है और इसके लिए वह समय-समय पर वह सरकार पर दबाव भी बनाती रही है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार रणनीति के तहत इसको लागू नहीं कर रही है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने मंगलवार को सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा कि उनकी पार्टी करीब 10 साल से सरकार पर महिलाओं को आरक्षण देने का दबाव बना रही है और इस विधेयक को संसद में पारित कराने में भी अपना समर्थन दिया, लेकिन मोदी सरकार ने जानबूझकर और रणनीतिक तरीके से इसे परिसीमन विधेयक से जोड़ दिया, जिससे इसे लागू करने में अड़चन आई। उन्होंने कहा कि 2017 में तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने भी महिला आरक्षण विधेयक पारित होने के संबंध में श्री मोदी को पत्र लिखा था। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने भी 16 जुलाई, 2018 को प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर महिला आरक्षण को तुरंत लागू करने की मांग की थी। रमेश ने कहा कि कांग्रेस का रुख महिला आरक्षण को लेकर अड़िग और अपरिवर्तित रहा है। गांधी के लिखे पत्र के आठ साल बाद भी, प्रधानमंत्री-परिस. ीमन से जोड़कर आरक्षण के कार्यान्वयन में देरी करने के इच्छुक हैं और इसलिए वह इस मांग पर कोई कार्रवाई नहीं की है।

पीएम मोदी 29 को करेंगे गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन

लखनऊ, वार्ता

- 120 किमी होगी स्पीड, मेरठ-प्रयागराज सफर सिमटेगा 6-7 घंटे में

उत्तर प्रदेश की महत्वाकांक्षी परियोजना गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन 29 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। 594 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेसवे शुरू होने के बाद मेरठ से प्रयागराज के बीच यात्रा समय घटकर महज 6 से 7 घंटे रह जाएगा, जो अभी 10 से 12 घंटे लगता है।

अधिकारियों के अनुसार एक्सप्रेसवे को 120 किमी प्रति घंटा की अधिकतम गति के अनुरूप डिजाइन किया गया है। यह छह लेन का एक्सप्रेसवे है, जिसे भविष्य में आठ लेन तक विस्तारित करने की व्यवस्था की गई है। परियोजना का निर्माण उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा कराया गया है। एक्सप्रेसवे को 120 मीटर राइट-ऑफ-वे के साथ चार पैकेज में विकसित किया गया है, जिससे निर्माण कार्य समयबद्ध तरीके से और उच्च गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पूरा किया जा सके। प्रवेश बिंदुओं पर मेरठ और प्रयागराज में मुख्य टोल प्लाजा बनाए गए हैं, जबकि मार्ग पर 19 रैंप टोल प्लाजा स्थापित किए गए हैं, जिससे यात्रियों को सुविधाजनक आवागमन मिल सके। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मार्ग पर नौ पब्लिक यूटिलिटी कॉम्प्लेक्स विकसित किए गए हैं। इनमें ईंधन स्टेशन, फूड कोर्ट, विश्राम स्थल और स्वच्छता सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जिससे लंबी दूरी की यात्रा अधिक आरामदायक बनेगी।

महिला सशक्तिकरण को प्रतिबद्ध सरकार

शाह टाइम्स ब्यूरो

- हर पात्र महिला तक योजना पहुंचाने का लक्ष्य

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार महिला सशक्तिकरण को लेकर लगातार सक्रिय है। महिलाओं को आर्थिक, सामा. जिक और सुरक्षा के स्तर पर मजबूत बनाने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

इसी कड़ी में विधवा पेंशन योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इस योजना के तहत प्रदेश में 40.32 लाख से अधिक निराश्रित महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। महिला कल्याण विभाग की इस पहल के माध्यम से उन महिलाओं तक सीधे मदद पहुंचाई जा रही है, जिन्हें पति के निधन के बाद आजीविका संबंधी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। विभागीय आंकड़ों के अनुसार अब तक कुल 40,32,629 महिलाएं इस योजना से लाभान्वित हो चुकी हैं। योजना के अंतर्गत पेंशन राशि वर्ष में चार किस्तों में जारी की जाती है, जिसमें अप्रैल-जून, जुलाई-सितम्बर, अक्टूबर-दिसम्बर और जनवरी-मार्च की तिमाहियां शामिल हैं। वर्ष 2021 में सरकार ने एक अहम निर्णय लेते हुए पेंशन राशि को 500 से बढ़ाकर 1,000 कर दिया था। यह धनराशि लाभार्थियों के आधार से जुड़े बैंक खातों में पीएफएमएस के माध्यम से सीधे हस्तांतरित की जाती है, जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित होती है। आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2016-17 से पहले इस योजना का लाभ करीब 17.31 लाख महिलाओं को मिल रहा था, जो अब बढ़कर 40-32 लाख से अधिक हो गया है। यह वृद्धि दर्शाती है कि सरकार लगातार अधिक से अधिक जरूरतमंद महिलाओं को योजना से जोड़ रही है। योजना के तहत वही महिलाएं पात्र हैं, जो उत्तर प्रदेश की स्थाई निवासी हों, जिनके पति का निधन हो चुका हो, जिनकी आयु 18 वर्ष से अधिक हो तथा परिवार की वार्षिक आय 2 लाख से कम हो। इस संबंध में महिला कल्याण निदेशालय की निदेशक डा. वंदना वर्मा ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के समग्र सशक्तिकरण के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। सरकार का उद्देश्य है कि कोई भी पात्र महिला योजना के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने यह भी कहा कि यह योजना केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने और सम्मानपूर्वक जीवन जीने के लिए प्रेरित भी करती है।

काम कोर्स उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज़ पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

अर्थ व्यापार

सेंसेक्स 79273.33 निफ्टी 24576.60 | सोना 153594 प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट) | चांदी रु. 250210 प्रति किलो

अमेरिका के साथ व्यापार समझौते की उम्मीद में सेंसेक्स 753 अंक चढ़ा

मुंबई, वार्ता

अमेरिका के साथ अंतरिम व्यापार समझौते को जल्द अंतिम रूप मिलने की उम्मीद में मंगलवार को घरेलू शेयर बाजारों में तेजी देखी गई और बीएसई का सेंसेक्स 753.03 अंक (0.96 प्रतिशत) चढ़कर 79,273.33 अंक पर पहुंच गया।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचक. ांक भी 211.75 अंक यानी 0.87 प्रतिशत ऊपर 24,576.60 अंक पर बंद हुआ। यह दोनों सूचकांकों का 5 मार्च के बाद का उच्चतम स्तर है। अमेरिका के साथ अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए आगे की वार्ता के उद्देश्य से भारतीय प्रतिनिधिमंडल अमेरिका गया है। निवेशकों को उम्मीद है कि इस समझौते के लागू होने से दोनों देशों के लिए नए अवसर खुलेंगे और द्विपक्षीय व्यापार बढ़ेगा। बाजार में लिवाली चौतरफा रही और निवेशकों ने मझौली तथा छोटी कंपनियों में भी विश्वास दिखाया। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0. 47 प्रतिशत औष स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.88 प्रतिशत चढ़ा। फार्मा और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूहों की हलकी गिरावट को छोड़कर अन्य सभी सेक्टरों के सूचकांक ऊपर रहे। एफएमसीजी समूह का सूचकांक ढाई प्रतिशत, रियलटी का दो प्रतिशत और निजी बैंकिंग समूह का डेढ़ फीसदी ऊपर बंद हुआ। वित्त, मीडिया, सार्वजनिक बैंकिंग, आईटी और रसायन समूहों के सूचकांक भी मजबूती में रहे। सेंसेक्स की कंपनियों में टूट का शेयर साढ़े तीन प्रतिशत से अधिक चढ़ा। हिंदुस्तान यूनीलिवर में भी तीन फीसदी से अधिक की तेजी रही। आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस और एचडीएफसी बैंक के शेयर दो से ढाई प्रतिशत तक मजबूत हुए। इटरनल, एक्सिस बैंक, आईटीसी, बजाज फिनसर्व, टीसीएस, एशियन पेंट्स, अडानी पोर्ट्स और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर एक से दो प्रतिशत की बढ़त में रहे।

सोना और चांदी की कीमतों में फिर गिरावट

नई दिल्ली। सोना-चांदी की कीमतों में फिर से गिरावट आई है। मंगलवार को एमसीएक्स पर दोनों कीमती धातुएं और सस्ती हो गई हैं। अब चांदी अपने हाई लेवल से 1. 89 लाख रुपये कम दाम पर मिल रही है। वायदा कारोबार में 5 मई की एक्सपायरी वाली चांदी का भाव अपने पिछले बंद 2,52,545 रुपये प्रति किलो की तुलना में ओपनिंग के साथ ही फिसलकर 2,50,210 रुपये प्रति किलो पर आ गया और इस हिसाब से चांदी 2,335 रुपये सस्ती हो गई। चांदी की तरह सोना भी लगातार टूटता जा रहा है। एमसीएक्स पर मंगलवार को सोना की कीमत भी फिसली है। बीते कारोबारी दिन 5 जून की एक्सपायरी वाला सोना 1,53,943 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था और ये खुलने के सात ही गिरकर 1,53,594 रुपये पर आ गया।

चावल, दालों, खाद्य तेलों में नरमी गेहूं और चीनी के भाव में बढ़ोतरी

नई दिल्ली, वार्ता

घरेलू थोक जिंस बाजारों में मंगलवार को चावल का औसत भाव टूट गया। चावल के साथ दालों और खाद्य तेलों में भी गिरावट रही। वहीं गेहूं और चीनी के दाम बढ़ गए। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 11 रुपये गिरकर 3,832 रुपये प्रति क्विंटल रह गई।

गेहूं तीन रुपये महंगा हुआ और 2,783 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटे की कीमत पांच रुपये बढ़ गई। दाल-दलहनों में नरमी रही। उड़द दाल की औसत कीमत 14 रुपये घट गई। मूंग दाल 12 रुपये और मसूर दाल आठ रुपये सस्ती हुई। चना दाल का भाव सात रुपये और तुअर दाल का तीन रुपये प्रति क्विंटल टूट गया। मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में जुलाई का पाम ऑयल वायदा 63 रिगिट चढ़कर 4,561 रिगिट प्रति टन पर पहुंच गया। जुलाई का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 0. 82 प्रतिशत की मजबूती के साथ 69.87 सेंट प्रति पौंड के भाव बोला गया।

स्थानीय बाजारों में पाम ऑयल की औसत कीमत 35 रुपये और वनस्पति की 28 रुपये प्रति क्विंटल टूट गई। सोया तेल 23 रुपये और मूंगफली तेल 16 रुपये सस्ता हुआ। सूरजमुखी तेल 14 रुपये और सरसों तेल छह रुपये प्रति क्विंटल फिसल गया। मीठे के बाजार में आज गुड़ का औसत भाव 16 रुपये प्रति क्विंटल गिर गया। वहीं चीनी दो रुपये महंगी हुई। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के दिन के औसत थोक भाव इस प्रकार रहे: दाल-दलहन: दाल चना 7673. 66 रुपये, मसूर काली 8080.20 रुपये, मूंग दाल 10160.65 रुपये, उड़द दाल 10793.48 रुपये, तुअर दाल 11250.43 रुपये प्रति क्विंटल रही। अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2782.62 रुपये और चावल 3832.41 रुपये प्रति क्विंटल और आटा (गेहूं) 3264.78 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी-गुड़: चीनी एस 4302.53 रुपये और गुड़ 4991.99 रुपये प्रति क्विंटल बोले गए।

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहज़मी जॉन्डिस, फेटी लीवर, एल्कॉहलिक लिवर डिज़ीज़ आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहें फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

यूपी बोर्ड 10वीं-12वीं परिणाम की तैयारी अंतिम चरण में, मूल्यांकन पूरा

शाह टाइम्स ब्यूरो

- 25 अप्रैल के बाद कभी भी जारी हो सकते हैं नतीजे

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) ने हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा 2026 के परिणाम घोषित करने की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंचा दी हैं। बोर्ड से जुड़े सूत्रों के अनुसार परिणाम 25 अप्रैल के बाद किसी भी दिन जारी किए जा सकते हैं। मूल्यांकन कार्य पूरा हो चुका है और अब डेटा एंट्री, अंकों का मिलान तथा अंतिम सत्यापन का कार्य तेजी से चल रहा है।

इस वर्ष हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाओं में 52 लाख से अधिक परीक्षार्थियों ने भाग लिया। परीक्षाएं 18 फरवरी से 12 मार्च तक प्रदेश भर के 8033 परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराई गईं। परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की गई तथा लखनऊ और प्रयागराज स्थित कंट्रोल एंड कमांड सेंटर से लाइव मॉनिटरिंग की गई। बोर्ड सचिव भगवती सिंह ने बताया कि छात्र-छात्राएं अपना परिणाम आधिकारिक वेबसाइट upmsp.edu.in पर रोल नंबर के माध्यम से देख सकेंगे। इसके अतिरिक्त डिजीलॉकर और उमंग ऐप पर भी डिजिटल मार्कशीट उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे छात्रों को त्वरित सुविधा मिल सके। यूपी बोर्ड ने इस वर्ष उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए प्रदेश भर में 254 केंद्र बनाए थे। करीब 1.52 लाख शिक्षकों को मूल्यांकन कार्य में लगाया गया, जिनमें हाईस्कूल के लिए लगभग 96 हजार और इंटरमीडिएट के लिए 55 हजार से अधिक परीक्षक शामिल रहे। बोर्ड ने लगभग 2.80 करोड़ उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन निर्धारित समय में पूरा कराया। परिणाम जारी होने के बाद स्क्रूटनी, अंक सुधार और अन्य औपचारिक प्रक्रियाएं भी शुरू कर दी जाएंगी। सफल छात्रों के लिए उच्च कक्षाओं और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया तेज होगी, जबकि असफल छात्रों के लिए पूरक परीक्षा एवं विशेष सहायता कक्षाओं की व्यवस्था की जाएगी। शिक्षा विभाग ने सभी जिला विद्यालय निरीक्षकों को निर्देश दिए हैं कि परिणाम घोषित होते ही जिला स्तर पर समीक्षा बैठकें आयोजित की जाएं और परीक्षा परिणाम का विश्लेषण किया जाए।

सिंडिकेट, माफिया और गुंडाराज का अंत: शाह

- बंगाल में ममता सरकार पर जमकर बरसे

वर्धमान। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल के पश्चिम बर्धमान में एक चुनावी जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने तृणमूल कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। साथ ही बंगाल को घुसपैठियों से मुक्त कराने की बात कही है। अमित शाह ने कहा कि इस बार बंगाल में बीजेपी की सरकार बनने जा रही है। सरकार बनने के बाद बंगाल में यूसीसी लाएंगे। इसे कोई रोक नहीं पाएगा। शाह ने कहा कि इसके जरिए बंगाल में 4 शादियों पर भी बैन लगाया जाएगा।

अमित शाह ने कहा कि प्रदेश की टीएमसी सरकार में माफियाओं का बोल-बाला है। उन्होंने कहा कि नई सरकार राज्य में पनप रहे सिंडिकेट, माफिया और गुंडाराज का भी अंत करेगी। साथ ही बड़े माफियाओं का पर्दाफाश कर उन्हें सलाखों के पीछे डाला जाएगा। अमित शाह ने कुलटी में चुनावी रैली में कहा ये समय राज्य को घुसपैठियों से मुक्त कराने का है। बंगाल की जनता के पास ये सुनहरा अवसर है। अगर इस बार भारतीय जनता पार्टी सत्ता में आई, तो योग्यता के आधार पर युवाओं को हर साल एक लाख नौकरियां दी जाएंगी। शाह ने आगे कहा कि भाजपा देश के लौह अयस्क उत्पादन केंद्र की औद्योगिक पहचान बहाल करेगी और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार सुनिश्चित करेगी।

खड़गे ने पीएम मोदी को बताया 'आतंकवादी', भाजपा भड़की

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने तमिलनाडु में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पीएम मोदी को 'आतंकवादी' कहा। हालांकि बाद में सफाई देते हुए इसे 'आर्तिकत करने' के संदर्भ में बताया। बीजेपी ने इसे कांग्रेस की सोची-समझी साजिश करार दिया और तीखी निंदा की। बीजेपी प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि ये कोई जुबान फिसलना नहीं, बल्कि राहुल गांधी के इशारे पर कहा गया है। हालांकि खड़गे ने कहा कि उनके कहने का ये मतलब नहीं था। वो कहना चाह रहे थे कि पीएम आतंकित करते हैं। खड़गे के इस बयान पर बीजेपी आगबबूला है.

बीजेपी नेता संबित पात्रा ने कहा कि यह न सिर्फ निंदनीय है, बल्कि कांग्रेस पार्टी की मानसिकता को भी दिखाता है। भले ही वह कोई सफाई दे रहे हों, लेकिन याद रखिए कि यह कांग्रेस पार्टी की एक सोची-समझी साजिश है। हर रोज राहुल गांधी अपने भाषणों में प्रधानमंत्री के खिलाफ अपशब्दों का इस्तेमाल करते हैं और आज राहुल के इशारे पर खड़गे ने प्रधानमंत्री को आतंकवादी कह दिया। उन्होंने कहा कि यह वही कांग्रेस पार्टी है, जो ओसामा बिन लादेन को 'ओसामा जी' कहती है। यह वही कांग्रेस पार्टी है जो बड़े-बड़े आतंकवादियों के साथ खड़ी नजर आती है, फिर भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आतंकवादी कहती है। संबित पात्रा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को याद रखना चाहिए कि जब भी कांग्रेस पार्टी ने प्रधानमंत्री के खिलाफ अपशब्दों का इस्तेमाल किया है, भारत की जनता ने उसे सजा दी है। इस बार भी भारत की जनता इसका जवाब देगी।

खड़गे ने क्या कहा था?- कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने तमिलनाडु में कहा कि ये एआईएडीएमके के लोग जो खुद अन्नादुरई की फोटो लगाते हैं, वो मोदी के साथ कैसे जुड़ सकते हैं? वह एक आतंकवादी हैं। उनकी पार्टी समानता और न्याय में विश्वास नहीं करेगी। इसके बाद अपनी टिप्पणी पर सफाई देते हुए कहा कि पीएम मोदी लोगों और राजनीतिक पार्टियों को डरा रहे हैं। मैंने कभी आतंकवादी नहीं कहा।

कमल छोड़ साइकिल पर सवार हुए राजेन्द्र

लखनऊ में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने दिलायी सदस्यता

आरिफ खान

हसनपुर। भाजपा के गढ़ में सपा ने बड़ी सेंध मारी है। बड़ा भाई भाजपा से विधायक है। छोटा भाई साइकिल का सारथी बन गया है। लखनऊ में गंगेश्वरी ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र सिंह खड़गवंशी ने भाजपा छोड़कर सपा का दामन थाम लिया।

हसनपुर की राजनीति में खड़गवंशी जलजला आ गया है। यूपी की राजनीति में शह-मात का खेल अब उस मोड़ पर आ गया है। जहाँ सगे रिश्तों पर सियासी वफादारी भारी पड़ने लगी है। जिले के गंगेश्वरी ब्लॉक से एक ऐसी खबर आई है जिसने भाजपा खेमे में पॉलिटिकल हड़कंप मचा दिया है। गंगेश्वरी ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र खड़गवंशी ने आज लखनऊ सपा प्रमुख अखिलेश यादव के समक्ष कमल का साथ छोड़कर सपा का दामन थाम लिया है। वह पिछले एक साल से सपा में शामिल होने के लिए प्रयासरत् थे परन्तु उन्हें सफलता नहीं मिल रही थी। छह माह पहले उन्होंने लखनऊ में अखिलेश से मुलाकात तो की थी परन्तु तब उन्हें पार्टी में विधिवत रूप से शामिल नहीं किया गया था। दो वर्ष पूर्व लोकसभा चुनाव के दौरान जब अमरोहा सीट कांग्रेस के खाते में आयी थी तब भी ब्लाक प्रमुख राजेन्द्र सिंह खड़गवंशी ने दिल्ली में पूर्व केन्द्रीय मंत्री हरीश रावत से मुलाकात की थी तथा वह इंडिया गठबंधन से लोकसभा का चुनाव लड़ना चाहते थे। परन्तु कांग्रेस ने ब्लाक प्रमुख राजेन्द्र सिंह खड़गवंशीको कोई भाव नहीं दिया। जिस कारण उनके अरमानों पर पानी फिर गया था। यह सिर्फ एक दल-बदल नहीं, बल्कि शह मात का खेल भी है। हसनपुर में सियासी जंग दिलचस्प होने की उम्मीद की जाने लगी है। इस दलबदल की सबसे मिर्च-मसाले वाली बात यह है कि राजेंद्र

खड़गवंशी के सगे बड़े भाई महेंद्र सिंह खड़गवंशी हसनपुर से भाजपा से लगातार दूसरी बार विधायक हैं। अब चर्चाओं का बाजार गर्म है कि राजेंद्र खड़गवंशी आगामी चुनाव में अपने ही भाई के वर्चस्व को चुनौती देते हुए क्या सपा के टिकट पर हसनपुर विधानसभा से दावेदारी ठोकेंगे। यानी एक ही घर से दो अलग-अलग झंडे निकलेंगे और मुकाबला अपनों के बीच हो सकता है। राजेंद्र के इस कदम ने कई दिग्गज नेताओं के गणित बिगाड़ दिये हैं। जो नेता कल तक भाजपा में राजेंद्र के साथ गलबहियां कर रहे थे। आज उन्हें तगड़ा झटका लगा है। राजनीतिक गलियारों में कानाफूसी शुरू हो गई है। क्या यह भाजपा के किले में दरार है या सपा की सोची-समझी सर्जिकल स्ट्राइक है। चर्चा है राजेंद्र खड़गवंशी के सपा ज्वाइन करते ही हसनपुर विधानसभा की राजनीति की तासीर बदल सकती है। क्योंकि इस विधानसभा क्षेत्र में एक लाख से अधिक खड़गवंशी मतदाता हैं। जो पिछले कई दशकों से भाजपा का परम्परागत वोट रहा है।

राजेन्द्र की ऐन्ट्री से सपाईयों में रोष

शाह टाइम्स ब्यूरो अमरोहा। ब्लाक प्रमुख राजेन्द्र खड़गवंशी के सपा में शामिल होने के साथ ही उनका विरोध भी सामने आने लगा है। सपा के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष जय सिंह खड़गवंशी ने कहा कि वह पार्टी से तीस वर्षों से जुड़े हैं तथा विभिन्न पदों पर काम कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि वह स्व. मुलायम सिंह यादव, प्रोफेसर रामगोपाल यादव, पूर्व मंत्री जगराम सिंह, कमाल अख्तर को कई बार चुनाव लड़ा चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा में शामिल होने वाले राजेन्द्र खड़गवंशी के भाई भाजपा विधायक महेन्द्र सिंह खड़गवंशी पर उन पर बीस से अधिक झूठे मुकदमे दर्ज कराये हैं, मेरा थाने में उत्पीड़न कराया गया, मेरी पत्नी, बेटों, भाईयों तथा मेरे बच्चों को उनके समर्थकों द्वारा पीटा गया है। सत्ता के नशे में विधायक महेन्द्र सिंह ने सैकड़ों लोगों का उत्पीड़न किया। ऐसे व्यक्ति के भाई को सपा में किसी भी हाल में शामिल नहीं करना चाहिए था। वह जल्द ही सपा प्रमुख अखिलेश यादव से मुलाकात कर उनके द्वारा लिये गये इस फैसले पर पुनःविचार की मांग करेंगे।

सपाईयों पर जुल्म करने वाले आज बने सपाई

शाह टाइम्स ब्यूरो अमरोहा। राजेन्द्र खड़गवंशी के सपा में शामिल किये जाने के फैसले को सपा छात्र सभा के जिलाध्यक्ष अनुज त्यागी ने गलत निर्णय बताते हाईकमान से इस पर फिर से विचार करने की मांग की है। ताकि पार्टी को होने वाले संभावित नुकसान से बचाया जा सकता। उन्होंने आरोप लगाते कहा कि जिन लोगों ने पिछले 9 वर्षों में सपा कार्यकर्ता व नेताओं पर अत्याचार किए, झूठे मुकदमे दर्ज कराए, जमीनों पर कब्जा किया, राशन की दुकानों को खत्म कराया, पट्टे खारिज करवाए तथा मदरसों पर बुलडोजर चलवाए साथ ही गंगा किनारे पीढ़ियों से खेती कर रहे गुर्जर, धीमर, मल्लाह, कश्यप और मुस्लिम किसानों की जमीनें जबरन छीनकर अपने लोगों को बांटीं, ऐसे व्यक्ति को सपा में शामिल करना उचित नहीं है। 2027 में सपा की सरकार बनने की संभावनाओं के मद्देनजर ही ब्लाक प्रमुख पार्टी में शामिल हुए हैं।

शिवपाल के सहारे सपा में दाखिल हुए राजेन्द्र

बदायूं व अमरोहा के दो विधायकों ने की मदद

शाह टाइम्स संवाददाता

अमरोहा। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के चाचा शिवपाल सिंह यादव के सहारे गंगेश्वरी ब्लाक प्रमुख राजेंद्र खड़गवंशी पार्टी में शामिल होने में सफल रहे।

2021 में हसनपुर से भाजपा विधायक महेन्द्र सिंह खड़गवंशी अपने भाई राजेन्द्र सिंह खड़गवंशी को गंगेश्वरी को ब्लाक प्रमुख निर्वाचित कराने में कामयाब रहे थे। दो साल पूर्व ब्लाक प्रमुख राजेन्द्र सिंह खड़गवंशी का भाजपा से मोहभंग हो गया था। दरअसल वह हसनपुर से सपा के टिकिट पर विधानसभा चुनाव लड़ना चाहते हैं। जिसका ताना बाना वह पिछले काफी समय से बुन रहे हैं। मुरादाबाद मंडल के एक सपा सांसद की मार्फत उन्होंने करीब छह माह पहले पार्टी में शामिल होने का प्रयास किया था परन्तु उन्हें सफलता नहीं मिली। जिस पर उन्होंने सपा प्रमुख अखिलेश यादव के चाचा एवं पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव से सम्पर्क साधा। इस खेल में संभल के गन्धौर से विधायक रामाखिलाड़ी यादव, अमरोहा जिले के एक विधायक तथा मुरादाबाद के डीसीबी के पूर्व चेयरमैन एवं सपा नेता राजेश यादव ने अहम भूमिका निभाई। ब्लाक प्रमुख सपा में शामिल होकर पहली लड़ाई तो जीत ली है परन्तु उनके रास्ते में अभी बहुत कांटे हैं। उनकी अग्निपरीक्षा तो उस समय होगी जब पार्टी उन्हें सपा से प्रत्याशी बनाये। देखना है कि वह अपने मकसद में कितना सफल हो पाते हैं।

आग से सात बीघा गन्ने की फसल जली

शाह टाइम्स ब्यूरो जोया। डिडौली कोतवाली क्षेत्र के गांव चुबका में हाईटेंशन लाइन से निकली चिंगारी ने किसान रामवीर सिंह की मेहनत पर पानी फेर दिया। आग लगने से करीब 7 बीघा गन्ने की खड़ी फसल जलकर राख हो गई। बताया जा रहा है कि अचानक तारों से निकली चिंगारी सूखी पत्तियों पर गिर गई, जिससे देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। जब तक ग्रामीण और किसान आग पर काबू पाते, तब तक पूरी फसल जल चुकी थी। इस घटना में किसान को करीब साढ़े तीन लाख रुपये का नुकसान हुआ है। फसल जलने के बाद किसान और उसका परिवार काफी परेशान है और प्रशासन से मुआवजे की मांग कर रहा है।

नशीले पदार्थ की तस्करी में मां-बेटे को चार-चार साल की सजा

कोर्ट ने बीस हजार का जुर्माना भी लगाया

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। नशीले पदार्थों की तस्करी से जुड़े मामले में कोर्ट ने मां-बेटे को दोषी ठहराते हुए चार-चार साल की जेल तथा बीस हजार रूपये जुर्माने की सजा सुनाई है।

मामला अमरोहा शहर के मोहल्ला कुरैशी से जुड़ा था। दो जनवरी 2018 को तत्कालीन दरोगा पवन कुमार, राजीव कुमार व खेद सिंह शहर के होटलों पर चेकिंग कर रहे थे। पुलिस टीम को मुखबिर ने सूचना दी थी मोहल्ला कुरैशी की गली नंबर एक में मां बेटे मादक पदार्थों की पुड़िए बेच रहे हैं। हरकत में आई पुलिस ने मुखबिर के बताए स्थान पर छापा मारकर फरीदा और उसके बेटे मोहसिन को घर में ही डोडा चूर्ण और चरस की पुड़िए बेचते हुए पकड़ लिया था। तलाशी के दौरान मोहसिन के पास से करीब 200 ग्राम चरस जबकि मौके से लगभग पांच किलो डोडा चूर्ण, खाली पॉलिथीन, स्टेपलर और पैकिंग से जुड़ा अन्य सामान बरामद हुआ था। मां-बेटे नशीले पदार्थों की पुड़िए बनाकर उन्हें बेचा करते थे। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर फरीदा और मोहसिन का चालान कर दिया था। फिलहाल दोनों जमानत पर थे। मुकदमे की सुनवाई स्थानीय एक कोर्ट में चल रही थी। सोमवार को कोर्ट ने मामले में आखिरी सुनवाई की, पत्रावली के अवलोकन व साक्ष्यों के आधार पर फरीदा और उसके बेटे मोहसिन को दोषी करार दिया। दोनों को चार-चार साल जेल की सजा सुनाई तथा 20 हजार रुपये का जुर्माना लगाया।

बार चुनाव में 1016 वकीलों ने किया मतदान

55 प्रत्याशियों का भाग्य मतपेटिकाओं में कैद

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव में इस बार रिकॉर्ड उत्साह देखने को मिला, जहां 1060 में से 1016 अधिवक्ताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। कुल 9 पदों के लिए मैदान में उतरे 55 प्रत्याशियों का भाग्य अब मतपेटियों में कैद हो गया है, जिसके नतीजों को लेकर सभी की नजरें टिकी हैं।

मंगलवार सुबह 10 बजे से मतदान शुरू हुआ। जिसके चलते सवेरे से ही प्रत्याशियों और अधिवक्ताओं के कचहरी में आने का सिलसिला शुरू हो गया। देखते ही देखते मतदान केंद्रों पर अधिवक्ताओं की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गईं। अधिवक्ताओं में पसंदीदा प्रत्याशी के लिए मतदान करने का जज्बा देखने को मिला।जिसके चलते अधिवक्ताओं ने बढ़-चढ़कर मतदान में हिस्सा लिया। 1060 अधिवक्ताओं को मतदान करना था लेकिन तय समय तक सिर्फ 1016 अधिवक्ता ही मतदान करने पहुंचे। वहीं, चुनाव प्रक्रिया के चलते प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता रहे। सुबह से लेकर शाम तक कचहरी परिसर में पुलिस बल की तैनाती बरकरार रही। कुल मिलाकर मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। चुनाव में 9 पदों के लिए 55 प्रत्याशी मैदान में हैं, जिनके भाग्य का

अमरोहा। बार एसोसिएशन जनपद अमरोहा के चुनाव में मतदान करते अधिवक्ता।

फैसला मतपेटियों में कैद हो गया। सभी की नजरें बुधवार को होने वाली मतगणना पर टिकी हुई हैं। मतगणना के बाद नए अध्यक्ष, महासचिव समेत अन्य पदाधिकारियों के नामों का ऐलान होगा और बार एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी की तस्वीर साफ हो जाएगी। चुनाव में अध्यक्ष और सचिव पद पर कड़ा मुकाबला होना तय माना जा रहा है। दोनों ही पदों पर छह-छह प्रत्याशी मैदान में उतरे हुए हैं। अध्यक्ष पद के लिए चौन सुख गोले, कपिल कुमार चिकारा, आदिश खान सैफी, संजय कुमार शर्मा, अख्तर हुसैन और महाराज सिंह के बीच टक्कर है। वहीं, महासचिव पद पर अरशद भारती, दिनेश चौहान, धर्मेंद्र सिंह, फारूक अहमद, विशाल कुमार शर्मा और निरंकार सिंह आमने-सामने हैं।चुनाव प्रक्रिया के दौरान कुछ पदों पर नाम वापसी के बाद स्थिति पहले ही स्पष्ट हो चुकी है।

खोई के ढेर में आग से लाखों का नुकसान

फायर बिग्रेड की दो गाड़ियों ने पाया काबू

शाह टाइम्स संवाददाता

हसनपुर। तेज हवा चलने के चलते गन्ने की खोई के ढेर में अचानक आग लगने से वह जलकर राख हो गया।

कोतवाली इलाके के गांव मंगरौली निवासी कोल्हू स्वामी उमर पुत्र छिददा का गन्ने की खोई का ढेर लगा हुआ था। मंगलवार की दोपहर ढेर में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। जिससे आसपास के क्षेत्र में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम सक्रिय हुई और फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंच गईं। गनीमत रही कि दमकल कर्मियों ने समय रहते मोर्चा संभाल लिया, अन्यथा आग आसपास के रिहायशी इलाकों या अन्य भंडार गृहों तक फैल सकती थी। काफी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया गया। हादसे के बाद नुकसान के आकलन के लिए घटना की आधिकारिक जानकारी राजस्व विभाग को दे दी गई है। शुरुआती जांच में आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। बताया जाता है कि जहां लगी है उसके पास बारात आई हुई थी। बाराती बीड़ी सिगरेट पीने के साथ पटाखे भी छोड़ रहे थे। आग की भयावहता को देखते हुए यह राहत की बात रही कि किसी जनहानि की खबर नहीं है। पीड़ित उमर ने बताया आग लगने से उसे 2 लाख का नुकसान हुआ है।

दावत का खाना बना मुसीबत, दो दर्जन से अधिक लोग बीमार

फूड प्वाइजिंग की आशंका, बच्चों, महिलाओं समेत कई अस्पताल में भर्ती, तहसीलदार के ड्राइवर समेत कई की हालत बिगड़ी

सुमित अग्रवाल

मंडी धनौरा। तहसील क्षेत्र के ग्राम कमालपुर काजी में एक वैवाहिक कार्यक्रम की दावत उस समय मुसीबत बन गई, जब खाना खाने के बाद दो दर्जन से अधिक ग्रामीणों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। उल्टी-दस्त और पेट दर्द की शिकायत पर बच्चों और महिलाओं समेत कई लोगों को आनन-फानन में निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। गांव कमालपुर कई निवासी तहसीलदार के ड्राइवर राहुल समेत कई लोगों की तबीयत बिगड़ गई।

जानकारी के अनुसार गांव में एक वैवाहिक कार्यक्रम था। इस मौके पर हैवतपुर चौधरियान गांव से मेहमान आए हुए थे। कार्यक्रम में सभी के लिए भोजन की व्यवस्था की गई थी। ग्रामीणों के मुताबिक खाना खाने के कुछ घंटे बाद ही लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी और एक-एक कर कई लोग बीमार पड़ गए। बीमार होने वालों में अंशिका, अनीता, नेहा, सुखों, सुहानी, रेनू, सुरेश देवी, प्रेमवती, क्रांति और चार वर्षीय वंशिका सहित कई लोग शामिल हैं। इसके अलावा सीमा, माही, अंकुर, राहुल, तारा चंद और भागीरथी की हालत बिगड़ने पर उन्हें भी उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। ग्रामीणों ने बताया कि कुछ लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया है, जबकि कई का इलाज अभी जारी है। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन भी हरकत में आ गया। एसडीएम शैलेश कुमार दुबे ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग और खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम को गांव भेजा जा रहा है। भोजन के नमूने लेकर जांच कराई जाएगी और लापरवाही मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही बीमार लोगों के समुचित इलाज के निर्देश दिए गए हैं। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल बना हुआ है और लोग बीमारी के सही कारण सामने आने का इंतजार कर रहे हैं।

खाने के सैम्पल लेकर होगी जांच

मंडी धनौरा। घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासन सक्रिय हो गया है। एसडीएम शैलेश कुमार दुबे ने बताया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए स्वास्थ्य विभाग और खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम को गांव भेजा जा रहा है। टीम दावत में बने खाने के नमूने लेकर जांच करेगी, ताकि यह पता लगाया जा सके कि आखिर लापरवाही कहां हुई। उन्होंने कहा कि दोषी पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही बीमार लोगों के बेहतर इलाज के निर्देश भी दिए गए हैं।

गांव में दहशत का माहौल

मंडी धनौरा। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल बना हुआ है। लोग अब सामूहिक कार्यक्रमों में मिलने वाले खाने को लेकर सतर्क हो गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इस तरह की घटना ने सभी को झकझोर कर रख दिया है। कई लोग अब बाहर का खाना खाने से बचने की बात कर रहे हैं। वहीं, सभी को स्वास्थ्य विभाग की जांच रिपोर्ट का इंतजार है, ताकि बीमारी के सही कारणों का पता चल सके और भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचाव किया जा सके।

निजी अस्पतालों में इलाज, सरकारी व्यवस्था पर सवाल

अमरोहा। घटना के बाद ज्यादातर ग्रामीणों ने पास के निजी अस्पतालों और क्लीनिकों का रुख किया, जहां उनका इलाज चल रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि सरकारी स्वास्थ्य सेवाएं समय पर उपलब्ध नहीं हो सकीं, जिसके कारण उन्हें मजबूरी में निजी अस्पतालों में जाना पड़ा। कुछ मरीजों की हालत में सुधार होने पर उन्हें प्राथमिक उपचार देकर घर भेज दिया गया है, जबकि कई लोग अभी भी भर्ती हैं। इस घटना के बाद ग्रामीणों में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता को लेकर नाराजगी भी देखने को मिली।

बच्चों और महिलाओं पर ज्यादा असर

अमरोहा। इस घटना में सबसे ज्यादा असर बच्चों और महिलाओं पर देखने को मिला। चार वर्षीय मासूम वंशिका समेत कई बच्चे फूड प्वाइजनिंग का शिकार हो गए, जिससे परिजनों में खासा डर और चिंता का माहौल बन गया। महिलाओं में भी उल्टी-दस्त और कमजोरी की शिकायत अधिक रही। परिजन पूरी रात अपने बीमार बच्चों और घर के सदस्यों को लेकर अस्पतालों के चक्कर लगाते रहे। ग्रामीणों का कहना है कि एक ही परिवार के कई लोग एक साथ बीमार पड़ गए, जिससे स्थिति और भी गंभीर हो गई।

अचानक बिगड़ी तबीयत से मचा हड़कम्प

अमरोहा। गांव के मुन्ना पुत्र राम सिंह ने बताया कि दावत का खाना खाने के बाद शुरू में किसी को कोई दिक्कत महसूस नहीं हुई, लेकिन कुछ ही घंटों बाद अचानक पेट में तेज दर्द, उल्टी और दस्त की शिकायत होने लगी। उन्होंने बताया कि पहले तो लोगों ने इसे सामान्य समझकर नजरअंदाज किया, लेकिन जब एक-एक कर कई लोग एक ही तरह के लक्षणों से बीमार होने लगे तो गांव में हड़कंप मच गया। मुन्ना ने बताया कि रात होते-होते हालात ऐसे हो गए कि कई परिवारों को एक साथ अपने बीमार परिजनों को अस्पताल ले जाना पड़ा।

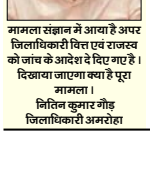

मामला संज्ञान में आया है अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व को जांच के आदेश दे दिए गए हैं। दिखाया जाएगा क्या है पूरा मामला।
नितिन कुमार गौड़
जिलाधिकारी अमरोहा

कॉटन वेस्ट कारखाने में आग से लाखों का माल जला

शार्ट सर्किट से आग लगने का अंदेशा

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। कॉटन वेस्ट कारखाने में शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और लपटें आसमान छूने लगीं। दमकल कर्मियों ने घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग से लाखों रुपए का नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है।

बिजनौर रोड स्थित मोहल्ला नई बस्ती बटवाल निवासी मोहम्मद अहमद का शहर के मोहल्ला दाऊद सराय में कॉटन वेस्ट का कारखाना है। जिसमे कतरन की रुई बनाने का काम किया जाता है। कारखाने में ही गोदाम बना है, जहां माल स्टॉक में रहता है। सोमवार की शाम मजदूर कारखाना बंद कर चले गए, रात के समय अचानक कारखाने में आग भड़क गई। आग ने देखते ही देखते गोदाम में रखा माल अपनी चपेट मे ले लिया। कुछ देर मे आग तेजी से फैलती गई और पूरा कारखाना आग की लपटों से घिर गया। धुएं का गुब्बार छा गया और लपटे आसमान छूने लगी। अफरातफरी मे लोग घरों से बाहर निकल आए और मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। जब यह खबर मोहम्मद अहमद को लगी तो वह भी गोदाम पर पहुंच गए। फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई, सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची और दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हालांकि तब तक गोदाम में रखा सामान जलकर राख हो चुका था। अग्निकांड मे लाखों रुपए के नुकसान का अंदेशा जताया जा रहा है। आग लगने का कारण शर्ट सर्किट बताया जा रहा है।

गौशाला को भूसा व हरा चारा दान किया

शाह टाइम्स संवाददाता मंडी धनौरा। पशुपालन विभाग के आह्वान पर समाजसेवी मनु अग्रवाल (दिल्ली वाले) ने 21 हजार रुपये का भूसा पशु आहार दान देकर पहल की। शिवचरण ज्वेलर्स के प्रिंस अग्रवाल ने 11 हजार रुपये का भूसा तथा 20 कुंतल हरी सब्जी दान में दी। वहीं मनोज अग्रवाल ने गौशाला में गोवंश को पानी पिलाने के लिए जरूरी बर्तन उपलब्ध कराए, जिससे पशुओं को गर्मी के मौसम में राहत मिल सके। गोरक्ष कम्पनी द्वारा गोवंश को चारा खिलाने के लिए प्लास्टिक के ड्रम प्रदान किए गए, जो दैनिक व्यवस्था में सहायक साबित होंगे। इसके अतिरिक्त डॉ. विवेक ने भी 10 कुंतल भूसा दान कर गौसेवा में योगदान दिया।

अल्लीपुर खादर का शिक्षक लखनऊ में सम्मानित

शाह टाइम्स संवाददाता हसनपुर। कंपोजिट विद्यालय अल्लीपुर खादर की गूंज राजधानी लखनऊ तक उठी हैं। राकेश कुमार को लखनऊ में उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान मिला है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक व अध्यक्ष प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष हाेमपाल सिंह ने बताया कि रानी लक्ष्मी बाई मेमोरियल स्कूल इंदिरा नगर लखनऊ में आयोजित हुए उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान समारोह में कंपोजिट विद्यालय अल्लीपुर खादर के राकेश कुमार को प्रशस्ति पत्र और मेडल देकर सम्मानित किया गया है।

दूसरे सम्प्रदाय के दो युवकों ने की दुष्कर्म की कोशिश

शाह टाइम्स संवाददाता, गजरौला। नगर के एक मौहल्ला निवासी युवती ने दूसरे संप्रदाय के दो युवकों पर छेड़छाड़ और दुष्कर्म की कोशिश, मारपीट और जातिसूचक शब्दों से अपमानित करने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है। युवती का आरोप है कि उसकी मौसी के कहने पर युवकों ने घटना को अंजाम दिया है।

युवती का आरोप है कि 18 अप्रैल को 9:00 बजे वह घर जा रही थी तो दूसरे संप्रदाय के युवक जानेआलम और तनवीर ने जान से मारने और वीडियो बनाने की धमकी देकर दूसरे मुहल्ले में ले जाकर दुष्कर्म की कोशिश की। युवती ने शोर मचाया तो आसपास के लोग

■ जातिसूचक शब्दों से भी किया अपमानित

जमा हो गए। इसी बीच युवती की मौसी और मौसी के बच्चे भी भी वहां पर आ गई और इन सबने युवती के साथ मारपीट की। युवती का आरोप है कि दुष्कर्म की कोशिश करने वाले युवकों ने उसे जाति सूचक शब्दों से भी अपमानित किया। उसका आरोप है कि उसकी मौसी के कहने पर ही युवकों ने इस घटना को अंजाम दिया है। युवती ने थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी जानेआलम, तनवीर और मौसी सविता के विरुद्ध संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज करके मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

आठवें वेतन आयोग का लाभ पेंशनर्स को मिले

कलक्ट्रेट में धरना दे सौंपा ज्ञापन

शाह टाइम्स ब्यूरो अमरोहा। सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन ने पुराने पेंशनरों को आठवें वेतन आयोग की सीमा में लाए जाने और पेंशन को आयकर से मुक्त रखने समेत अन्य मांगो को लेकर धरना दिया। प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन कलेक्ट्रेट मे सौंपा गया।

मंगलवार को सेवानिवृत कर्मचारियों एवं पेंशनर्स ने मांगो को लेकर कलेक्ट्रेट पार्क में धरना दिया। जिसे संबोधित करते अध्यक्ष अनूप सिंह पैसल ने कहा कि पेंशनरों को आठवें वेतन आयोग की सीमा में नहीं रखा गया है। जिससे पेंशनर्स मे असंतोष है। अनेकों बार आवाज उठाने के बाद भी समस्या जस की तस बनी है। उनकी मांग है कि पुराने पेंशनरों को आठवें वेतन आयोग की सीमा में लाया जाए। कर्मचारियों, पेंशनरों व शिक्षकों के लिए अलग सीपीआई बने। ओपीएस बहाल की जाए और पेंशनरों के राशिकारण की कटौती दस वर्ष पर बंद कर दी जाए। वरिष्ठ नागरिकों के रेल किराए मे 50 प्रतिशत की छूट दी जाए।18 महीने के डीएडीआर के एरियर का

भुगतान किया जाए। जबकि आयुष्मान कैशलैस उपचार कराने की सीमा दस लाख हो। धरना देने वालों मे जिला मंत्री राजेंद्र सिंह राणा, शिवेंद्र सिंह चिकारा, अनिल कुमार, ओम प्रकाश सिंह, फरजंद अली, खुर्शीद हैदर जैदी, जाबिर अमीन, शिशु पाल, गजेन्द्र सिंह, अमी पाल, पुरुषोत्तम मित्तल, एम पी भटनागर,रामप्रसाद , सोम दत्त आदि शामिल रहे।

दत्तोपंत ठेंगड़ी ने किसानों के लिए की थी भाकिसं की स्थापना

श्रद्धा व उत्साह से मना 47वां स्थापना दिवस

शाह टाइम्स संवाददाता हसनपुर। शनिवार को विकास खंड के गांव उधनपुर में भारतीय किसान संघ का 47वां स्थापना दिवस बड़ी धूमधाम श्रद्धा, और उत्साह के साथ मनाया गया

कार्यक्रम की शुरूआत संगठन के संस्थापक दत्तोपंत ठेंगड़ी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने से हुई। किसानों ने उनके विचारों को याद करते हुए किसान हितों की रक्षा के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लेते हुए दत्तोपंत ठेंगड़ी के जीवन पर प्रकाश डाला। जिला अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश शर्मा और प्रांतीय गन्ना प्रमुख ने बताया कि दत्तोपंत ठेंगड़ी ने किसानों के अधिकारों और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए संगठन की स्थापना की थी। उनका उद्देश्य किसानों को संगठित कर उनकी आवाज को मजबूत कर उनके अधिकारों को दिलाना था। ब्लॉक अध्यक्ष ओमवीर सिंह चौहान ने संगठन के विस्तार और नये सदस्यों को जोड़कर संगठन को ओर अधिक मजबूत बनाने पर जोर दिया। इस अवसर पर प्रांतीय गन्ना प्रमुख महीपाल सिंह जिला अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश शर्मा, धर्मपाल सिंह चौहान, धर्मपाल सिंह, लाखन सिंह, गंगाराम सिंह, शिवम कुमार, विजेंद्र सिंह, डाले सिंह, बबलू सिंह, रतन सिंह के साथ साथ भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

युवक ने शादी का झांसा देकर बनाए शारिरिक सम्बंध

शाह टाइम्स संवाददाता, गजरौला। सोशल मीडिया के माध्यम से सम्पर्क में आए युवक ने स्वयं को बिजनैस मैन बताकर युवती को शादी का झांसा देकर शारिरिक सम्बंध बनाए और अश्लील वीडियो भी बना ली। युवती को बाद में पता चला कि युवक कोई बिजनैसमैन नहीं बल्कि आपराधिक प्रवत्ति का व्यक्ति है। युवती ने पुलिस को तहरीर दी, पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार नगर के एक मौहल्ला निवासी युवती की जान पहचान सोशल मीडिया के माध्यम से

■ स्वयं को बिजनैस मैन बताकर युवती को किया गुमराह, युवती ने किनारा किया तो दी अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी

एक युवक से हुई। युवक ने स्वयं को बिजनैसमैन बताते हुए युवती को प्रभावित कर लिया और दोनों के मध्य प्रेम सम्बंध हो गए। एक दिन युवती अपने घर का सामान लेने बाजार गई, तब युवक उसे चौपला पर मिला और एक होटल में ले गया। वहां पर उसने युवती को शादी का झांसा देकर शारिरिक सम्बंध बना लिए और युवती की अश्लील वीडियो भी बना ली। उधर युवती को पता चला कि युवक कोई बिजनैसमैन नहीं बल्कि आपराधिक प्रवत्ति का है, जिस पर मुकदमा भी दर्ज है। इसके बाद युवती ने युवक से किनारा करना शुरू कर दिया तो युवक ने अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी दी और युवती सहित परिवार के सदस्यों को जान से मारने की धमकी दी और मानसिक रूप से परेशान करना शुरू कर दिया। पीड़िता ने थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने आरा.पी युवक क्षितिज शर्मा उर्फ अंश शर्मा के विरूद्ध मुकदमा दर्ज करके मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

कोई भी बच्चा स्कूल जाने से न चूक जाए

शाह टाइम्स संवाददाता हसनपुर। विकास खंड गंगेश्वरी के प्राथमिक विद्यालय गुलामपुर में प्रदेश सरकार द्वारा चलाये जा रहे श्स्कूल चलो अभियानश के तहत शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विद्यालय के शिक्षकों और प्रबंध समिति के सदस्यों ने गांव की गलियों में घूमकर अभिभावकों से जन सम्पर्क किया और नवीन नामांकन के लिए उन्हें प्रेरित किया। मंगलवार को जनसंपर्क अभियान के दौरान शिक्षकों और विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्यों ने घर-घर जाकर अभिभावकों से मुलाकात की। इस अभियान का मुख्य केंद्र बिंदु वह परिवार रहे। जिनके बच्चे 6 से 14 वर्ष की आयु वर्ग के हैं। किंतु किन्हीं कारणोंवश अभी तक विद्यालय की मुख्यधारा से नहीं जुड़ पाये हैं। शिक्षकों ने अभिभावकों को शिक्षा के महत्व को समझाते हुए अपने बच्चों का नामांकन सरकारी स्कूल में कराने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान राजकुमार, अध्यक्ष इंद्र सिंह, अंजू, प्रथी सिंह, संतोष सिंह, दीपचंद सिंह, गुड्डू सिंह,डॉ. नरेंद्र सिंह, अमित कुमार, मनीष कुमार, रेनू कंसल, राशिद अली, संतराम सिंह, संतोष, राजवती, लीलावती आदि उपस्थित रहे।

राशन डीलर पर धांधली का आरोप

कलक्ट्रेट में किया प्रदर्शन

शाह टाइम्स ब्यूरो अमरोहा। ग्रामीणों ने राशन डीलर पर वितरण मे धांधली का आरोप लगाया। जांच की मांग को कलेक्ट्रेट मे प्रदर्शन किया। मंगलवार को हसनपुर तहसील के गांव साथलपुर के ग्रामीणों ने राशन डीलर के खिलाफ कलेक्ट्रेट मे नारेबाजी कर जांच की मांग को शिकायती पत्र सौंपा। ग्रामीणों का आरा.प है कि गांव की राशन डीलर राजबाला पत्नी उमेश राशन वितरण मे धांधली करती है। प्रति यूनिट पांच किलो की जगह चार किलोग्राम का वितरण किया जाता है। डीलर द्वारा घोर अनियमित्ता बरती जा रही है, जो गलत और अवैधानिक है। कुछ दिन

पूर्व भी वह डीलर की शिकायत कर चुके है परंतु कोई उचित जांच नहीं की गई। जिससे उसके हौसले बुलंद है। उनकी मांग है कि डीलर की धांधली की जांच कर उसके विरुद्ध कार्रवाई की जाए। प्रदर्शन करने वालो में दिलीप कुमार, वीर सिंह, धर्मपाल, नंदराम, कृपाल सिंह, चंद्रपाल सिंह, पार्वती, सुमित्रा, चंद्रकली, अशोक, रणवीर शामिल रहे।

148 गुम हुए मोबाइल स्वामियों को सौंपे

पुलिस को मिली सफलता

शाह टाइम्स ब्यूरो अमरोहा। पुलिस ने 148 गुम हुए मोबाइल बरामद किए हैं। बाजार में इन मोबाइल की कीमत 28 लाख रुपये आंकी गई है। मंगलवार को पुलिस कार्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेस में अपना गुम हुआ मोबाइल वापस मिलने पर वास्तविक मालिकों के चेहरे खिल उठे, उन्होंने एसपी संग अमरोहा पुलिस का आभार जताया। इसी कड़ी में अमरोहा पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 28 लाख रुपये कीमत के 148 गुम हुए मोबाइल फोन बरामद किए हैं। यह सफलता साइबर सेल और जिले के थानों में गठित साइबर टीमों को मिली है। इनमें सबसे ज्यादा साइबर सेल ने 40 तथा सैदनगली पुलिस ने 30 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। बरामद किए गए सभी मोबाइल फोन मंगलवार को पुलिस कार्यालय में एसपी लखन सिंह यादव ने उनके वास्तविक मालिकों को सौंप दिए। एसपी ने बताया कि यह उपलब्धि साइबर सेल की तकनीकी सहायता और थाना पुलिस की सक्रियता के कारण संभव हो पाई है। एसपी ने जनता से अपील की कि मोबाइल गुम होने की स्थिति में तत्काल नजदीकी थाने जाकर अपनी शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय पर कार्रवाई की जा सके।

27 करोड़ से चमकेगी जोया की सूरत

बोर्ड की बैठक में पेयजल योजना पर उठे सवाल

शाह टाइम्स ब्यूरो जोया। नगर पंचायत बोर्ड बैठक में करीब 27 करोड़ रुपये के बजट को हरी झंडी दी गयी। जबकि नगर के सौंदर्यीकरण की योजनाओं को मंजूरी मिली, इसके अलावा पेयजल योजना की सुस्त रफ्तार और उखड़ी सड़कों को लेकर सभासदों का असंतोष भी खुलकर सामने आया।

अध्यक्ष जुबेर अहमद की अध्यक्षता में कार्यालय सभा कक्ष बोर्ड की बैठक हुई। जिसमें प्रस्तुत बजट के अनुसार नगर पंचायत की कुल अनुमानित आय 26 करोड़ 96 लाख 80 हजार रुपये तथा अनुमानित व्यय 26 करोड़ 91 लाख 31 हजार रुपये रखा गया है। इस प्रकार 5 लाख 48 हजार रुपये का वार्षिक लाभ दर्शाते हुए बजट को सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई। बैठक में जोया-अमरोहा चौराहे के सौंदर्यीकरण का प्रस्ताव भी मंजूर किया गया, जिससे नगर की सुंदरता बढ़ाने की दिशा में कदम उठाया जाएगा। इस दौरान सभासदों ने अमृत 2.0 पेयजल योजना के तहत जल निगम द्वारा कराए जा रहे कार्यों की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताई। अधिशासी अधिकारी को निर्देश दिए गए कि जिलाधिकारी को पत्र भेजकर कार्य में तेजी लाई जाए। जल निगम द्वारा पाइपलाइन बिछाने के लिए सड़कों को तोड़ दिया गया है, लेकिन उनकी समय पर मरम्मत नहीं हो रही है। उन्होंने सुझाव दिया कि पहले क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत कराई जाए, उसके बाद ही आगे का कार्य किया जाए, ताकि आम जनता को आवागमन में परेशानी न हो और पेयजल आपूर्ति भी बाधित न हो। बैठक का संचालन अधिशासी अधिकारी विपिन कुमार सिंह सेंगर व कार्यालय अधीक्षक विजय प्रसाद शर्मा ने किया। इस मौके पर सभासद वीरवती, मंगेश, मोगिस अहमद, अता उर रहमान, मोहम्मद दानिश, रफीक, इरशाद, अशरफी बेगम, जायदा खातून, मोहम्मद वाजिद, भूरा, मोहम्मद नसीम, सीमा चौधरी, आकाश कुमार, प्रमोद अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि व स्टाफ मौजूद रहे।

भजनों की गूंज से भक्तिमय हुआ चामुण्डा

संकीर्तन में देर रात तक झूमे श्रद्धालु, प्रसाद का वितरण

मंडी धनौरा। मोहल्ला चामुंडा में सोमवार रात भक्ति का माहौल देखने को मिला। 'हारे के सहारे श्याम दीवाने परिवार' की ओर से आयोजित संकीर्तन में श्रद्धालु देर रात तक भजनों पर झूमते रहे। कार्यक्रम सत्यम एंटरप्राइजेज के स्वामी सुधांशु गर्ग के निवास पर हुआ। संकीर्तन की शुरुआत गणेश वंदना से हुई। इसके बाद भजन गायिका रिया अग्रवाल, निशांत यदुवंशी और ध्रुव अग्रवाल ने श्याम भजनों की प्रस्तुति दी, जिस पर श्रद्धालु भावविभोर हो गए। "हारा हूँ बाबा पर तुझपे भरोसा है" सहित कई भजनों पर पंडाल तालियों से गूंजता रहा। इस दौरान बाबा का आकर्षक श्रृंगार किया गया और अखंड ज्योति के दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ लगी रही। अंत में आरती के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

रास्ते में बाइक रुकवाकर दोस्त से मारपीट

शाह टाइम्स संवाददाता सैदनगली। थाना क्षेत्र के गांव में आपसी विवाद में दोस्तों द्वारा ही युवक के साथ मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ मुक.दमा दर्ज कर लिया है। थाना क्षेत्र के गांव तरारा ऊपरी निवासी मोहित पुत्र राजेंद्र सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 21 अप्रैल की रात करीब 12 बजे वह अपने दोस्त नवल और नितेश के साथ उझारी से गांव लौट रहा था। आरोप है कि रास्ते में नवल और नितेश ने बाइक रुकवा ली और मोहित के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर दोनों ने उसे बेरहमी से पीटा और जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए।मारपीट में मोहित को चोटें आई हैं। थाना पुलिस ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर आरो.पियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी गई है।

दा आर्यन में मंडल की महिला खिलाड़ियों का ट्रायल

शाह टाइम्स संवाददाता जोया। डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट एसोसिएशन मुरादाबाद द्वारा महिला वर्ग के अंडर-19- 23 व सीनियर के 40 खिलाड़ियों का ट्रायल आर्यन्स स्कूल में हुआ। जिसमें मुरादाबाद से 20, अमरोहा से 15 व संभल से पांच महिला खिलाड़ियों ने प्रतिभा किया। आज का ट्रायल दा आर्यन स्कूल जोया के मैदान पर कराया गया। अमन लिट ने बताया के ट्रायल मैं काफी आची प्रतिभागी दिखे है और उम्मीद है ये आगे जाकर मुरादाबाद मंडल का नाम पूरे देश मैं रोशन करेंगे विजय गुप्ता ने बताया चयनित खिलाड़ियों को जल्द से जल्द सूचित कर दिया जाएगा। इस मौके पर पूर्व रण्जी खिलाड़ी विजय गुप्ता, आर्यन्स क्रिकेट अकैडमी के कोच चमन सिंह कोच उमैर अहमद कोच बाकर जैदी उपस्थित रहे।

मेडिकल कैम्प में 150 रोगियों का परीक्षण

शाह टाइम्स ब्यूरो अमरोहा। मोहल्ला दरबार-ए-कलां में एप्पल क्लब फाउंडेशन व विम्स हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में विशाल नि:शुल्क मेडिकल कैंप आयोजित किया गया, जिसमें 150 से अधिक मरीजों ने लाभ उठाया। कैंप का उद्घाटन कासिम खान व अजीम एडवोकेट ने फीता काटकर किया। विशेषज्ञ डॉक्टरों ने शुगर, ब्लड प्रेशर व आँखों की जांच के साथ म्ब्ळ सुविधा भी नि:शुल्क उपलब्ध कराई और मरीजों को दवाइयां वितरित की गईं। संस्था अध्यक्ष कमर नकवी ने बताया कि गरीब व जरूरतमंदों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना उनका उद्देश्य है। आयोजन में आलम मंसूरी सहित कई लोगों का विशेष सहयोग रहा, जिसकी स्थानीय लोगों ने सराहना की। इस मौके पर कमर नकवी, आलम मंसूरी, मोहम्मद वासिक, शजर फारूख, सैयद जमशेद और राजा खान नूरुद्दीन उर्फ छोटे घोसी नौशाद अहमद जौहर अली आबाद अहमद अरशद अली आदि मौजूद रहे।

खोया-पाया

मेरी हाईस्कूल परीक्षा वर्ष 1987 के अंकपत्र एवं प्रमाणपत्र जिनका (अनुक्रमांक-0164668) है, वह वास्तव में खो गए हैं। मैंनें यह अभिलेख न किसी को दिए हैं और न ही कहीं लगाए हैं।

कु.सरिता देवी पुत्री गंगाशरण सिंह पत्नी होमपाल सिंह निवासी राहावती हाल निवासी अटारी मुरीदपुर जिला अमरोहा

बैंक सखियों को लोकोस ऐप की जानकारी दी

शाह टाइम्स संवाददाता जोया। बैंक सखियों की कार्यशाला में पात्र स्वयं सहायता समूहों की सीसीएल पत्रावली तैयार कर ऑनलाइन कराने एवं स्वीकृत कराकर उन्हें वितरण कराने का निर्देश दिया गया। खण्ड विकास अधिकारी नीरज कुमार गर्ग की अध्यक्षता में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अन्तर्गत कार्यरत समूह सखियों एवं बैंक सखियों के साथ कार्यशाला का आयोजन किया गया। उन्होंने समूह सखियों को पात्र गृहस्थी राशन कार्ड धारकों को समूह में जोड़ने अथवा नए समूह गठित करने की जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त लोकोस एप पर समूह एवं ग्राम संगठन का प्रोफाइल अपडेट करने एवं ट्रांजैक्शन को नियमित रूप से अपडेट करने की जानकारी दी गयी। कार्यशाला में अश्विनी कुमार, ब्लॉक मिशन प्रबंधक, श्रीमती रीमा देवी, श्रीमती सुरक्षा सिंह आदि मौजूद रहे।

नकलविहीन और शांतिपूर्ण होगी होमगार्ड परीक्षा: डीएम

तीन दिन 10 केन्द्रों पर होगी परीक्षा, 28 हजार अभ्यर्थी होंगे सम्मिलित

शाह टाइम्स ब्यूरो अमरोहा। जिलाधिकारी नितिन गौढ़ ने कहा कि होमगार्ड परीक्षा को नकलविहीन, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया जाए। किसी भी स्तर पर शुचिता भंग होने पर संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

यह परीक्षा 25, 26 व 27 अप्रैल को जिले के 10 परीक्षा केंद्रों पर प्रतिदिन दो पालियों में परीक्षा आयोजित होगी। प्रत्येक पाली में 4704 अभ्यर्थी शामिल होंगे, इस प्रकार कुल 28,224 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। पहली पाली सुबह 10 से 12 बजे और दूसरी पाली दोपहर 3 से 5 बजे तक होगी। परीक्षा के लिए राजकीय बालिका इण्टर कालेज, कुन्दन मॉडल इण्टर कालेज, राजकीय इण्टर कालेज, ऐकेके इण्टर कालेज, आईएम इण्टर कालेज, जेएस हिन्दू इण्टर कालेज, जेएस हिन्दू पीजी कालेज ब्लॉक-ए, व ब्लॉक-बी, भगवत सरन, इण्टर कॉलेज जोया तथा

सिख इण्टर कालेज नारंगपुर अमरोहा को केंद्र बनाया गया है। डीएम ने निर्देश दिए कि परीक्षा को नकलविहीन, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया जाए। किसी भी स्तर पर शुचिता भंग होने पर संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सभी केंद्रों पर सीसीटीवी निगरानी, पर्याप्त पुलिस बल, महिला अभ्यर्थियों की जांच हेतु महिला स्टाफ और कार्मिकों के लिए फोटोयुक्त पहचान पत्र अनिवार्य किया गया है। साथ ही हर केंद्र पर एम्बुलेंस, मेडिकल टीम, पेयजल, बिजली और प्रकाश की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। परीक्षा केंद्र के अंदर मोबाइल, ब्लूटूथ, स्मार्ट वॉच सहित सभी इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स पूरी तरह प्रतिबंधित रहेंगे। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा को हर हाल में पारदर्शी और व्यवस्थित तरीके से कराया जाएगा।

पीटीआर-नेपाल के बर्दिया नेशनल पार्क के बीच संरक्षण के गुर हुए साझा

शाह टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। पीलीभीत टाइगर रिजर्व में भारत और नेपाल के बीच जैव विविधता संरक्षण को लेकर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में नेपाल के बर्दिया नेशनल पार्क से आए 19 सदस्यीय प्रति. निधिमंडल ने पीलीभीत टाइगर रिजर्व में चल रहे वन्यजीव संरक्षण कार्यों और प्रबंधन प्रणाली का बारीकी से अध्ययन किया और अनुभवों को भी साझा किया।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व के चूका बीच पर सोमवार को हुई गोष्ठी में नेपाल से आए दल का नेतृत्व हेमंत आचार्य ने किया। जिसमें बफर जोन मैनेजमेंट काउंसिल के चेयरमैन, उपभोक्ता समितियों के अध्यक्ष, पार्क रेंजर और लेखाधिकारी शामिल रहे। प्रतिनिधिमंडल ने पीलीभीत टाइगर रिजर्व में संचालित बाघ मित्र कार्यक्रम और मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए अपनाई जा रही रणनीतियों के बारे में जाना। बाघ मित्र समिति के अध्यक्ष अतुल सिंह ने दल को बताया कि कैसे स्थानीय ग्रामीण बाघों के संरक्षण में अपनी भूमिका निभा रहे हैं। वहीं ईको विकास समिति के अध्यक्ष देवव्रत सिकदर और अजमत खान ने स्थानीय समुदायों की भागीदारी और उससे होने वाले सामाजिक एवं आर्थिक बदलावों पर प्रकाश डाला। गोष्ठी के दौरान पीलीभीत टाइगर रिजर्व की ओर से समुदाय आधारित ईको टूरिज्म मॉडल और मुआवजा वितरण प्रणाली के बारे में विस्तार से बताया गया।

वहीं नेपाल के प्रतिनिधियों ने अपने यहां संचालित हाथी मित्र कार्यक्रम और सामुदायिक वन प्रबंधन योजनाओं के अनुभवों को साझा किया। कार्यक्रम का संचालन टाइगर रिजर्व की बराही रेंज के क्षेत्रीय वनाधिकारी अरुण मोहन श्रीवास्तव और डब्ल्यूडब्ल्यूएफ के वरिष्ठ परियोजना अधिकारी नरेश कुमार ने संयुक्त रूप से किया।

15 परीक्षा केंद्रों पर होगी होमगार्ड भर्ती परीक्षा

■ **डीएम ने की होमगार्ड भर्ती परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा**

शाह टाइम्स ब्यूरो

बदायूं। जिलाधिकारी अवनीश राय ने कलेक्ट्रेट स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में आगामी 25, 26 व 27 अप्रैल 2026 को 15 परीक्षा केंद्रों में होने वाली होमगार्ड भर्ती परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी, सकुशल, निर्विघ्न व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए कहा। उन्होंने बताया कि परीक्षा सीसीटीवी कैमरो की निगरानी में होगी।

जिलाधिकारी ने परीक्षा के लिए बनाए गए सेक्टर मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक, सहायक केंद्र व्यवस्थापक, स्टेटिक मजिस्ट्रेट को निर्देशित किया कि वह अपने दिए गए दायित्वों का ठीक प्रकार से निर्वहन करें तथा निर्धारित समय पर अपनी ड्यूटी पर उपस्थित हो। उन्होंने कहा कि परीक्षा के सफल आयोजन के लिए जो दिशा निर्देश उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड लखनऊ व उत्तर प्रदेश होमगार्ड एनरोलमेंट 2025 में दिए गए हैं, उसका सअक्षर अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने बताया कि परीक्षा केंद्र में स्ट्रांग रूम व कंट्रोल रूम अलग-अलग बनाया जाए इसके निर्देश भी केंद्र व्यवस्थापकों को दिए गए हैं। अपर जिलाधिकारी प्रशासन अरुण कुमार ने बताया कि 25, 26 व 27 अप्रैल 2026 को परीक्षा जनपद में बनाए गए 15 परीक्षा केंद्रों पर होगी। प्रत्येक दिन दो-दो पालियो में यह परीक्षा होगी। प्रथम पाली प्रात: 10:00 बजे से मध्यान्ह 12:00 तक तथा द्वितीय पाली अपराह्न 3:00 बजे से 5:00 बजे तक होगी। परीक्षा के लिए सभी परीक्षा केंद्रों पर केंद्र व्यवस्थापक, सहायक केंद्र व्यवस्थापक, स्टेटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती कर दी गई है साथ ही परीक्षा के सफल आयोजन के लिए सेक्टर मजिस्ट्रेट भी बनाए गए हैं।

परीक्षा के सफल संचालन के लिए केंद्र व्यवस्थापक, स्टेटिक मजिस्ट्रेट,सेक्टर मजिस्ट्रेट व पुलिस अधिकारियो को प्रशिक्षण दे रहे एस0के इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य संदीप भारती ने बताया कि जनपद में बनाए गए सभी 15 परीक्षा केंद्रों में कुल मिलाकर प्रत्येक पाली में 5232 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थियों की बायोमैट्रिक उपस्थिति होगी साथ ही आइरिस स्कैनिंग भी की जाएगी। परीक्षा के दौरान अभ्यर्थियों को कैलकुलेटर, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स, मोबाइल व ज्वलनशील पदार्थ आदि ले जाने की अनुमति नहीं होगी। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा, केंद्र व्यवस्थापक, पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

एक नजर

जनगणना के प्रगणक व सुपरवाइजरों को कार्यों और दायित्वों की दी गई जानकारी

शाह टाइम्स संवाददाता

बिसौली। नगर पालिका सभागार में जनगणना 2027 के प्रथम चरण के तहत मकान सूचीकरण व गणना के लिए नामित प्रगणकों और सुप. रवाइजरों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

मंगलवार को आयोजित प्रशिक्षण केंद्र पर प्रशिक्षक सोहेल अग्रवाल एवं प्रवीन कुमार ने बताया कि इस बार देश में डिजिटल जनगणना हो रही है। प्रगणक घर घर जाकर एप के जरिए जनगणना करेंगे। पहले चरण में मकानों को सूचीबद्ध किया जाएगा। इसके अलावा यह पहली बार है, जब स्वगणना का विकल्प भी लोगों को मिला है। बाद में प्रगणक घर आकर इसका सत्यापन करेंगे। पूरा प्रशिक्षण कार्यक्रम चार्ज अधिकारी/अधिशासी अधिकारी रवि यादव के सुपरविजन में संचालित हो रहा है। इस दौरान जनगणना सहायक राजीव कुमार, जितेंद्र कुमार, दीपक रस्तोगी, शरजना मिश्रा, मधुकर उपाध्याय, हरपाल सिंह, विजेंद्र कुमार, भिवानी शर्मा, हसन तनवीर इकबाल, देवेंद्र कुमार, विशाल कश्यप आदि उपस्थित रहे।

डीएम ने अधिकारियों संग किया गंगा एक्सप्रेसवे का निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

बदायूं। जिलाधिकारी अवनीश राय ने मंगलवार को अधिकारियों के साथ नवनिर्मित गंगा एक्सप्रेसवे का निरीक्षण किया। उल्लेखनीय है कि आगामी 29 अप्रैल 2026 को जनपद हरदोई में प्रधानमंत्री भारत सरकार द्वारा गंगा एक्सप्रेसवे के उद्घाटन का कार्यक्रम प्रस्तावित है।

डीएम ने बताया कि गंगा एक्सप्रेसवे की कुल लंबाई लगभग 594 किलोमीटर है, जो मेरठ-बुलंदशहर मार्ग (राष्ट्रीय राजमार्ग-334) पर स्थित जनपद मेरठ के बिजौली ग्राम से प्रारंभ होकर प्रयागराज बाईपास (राष्ट्रीय राजमार्ग-19) पर जनपद प्रयागराज के जुड़ापुर दांदू ग्राम के समीप तक विस्तृत है। इस परियोजना से प्रदेश के पश्चिमी और पूर्वी क्षेत्रों के बीच आवागमन अत्यंत सुगम और तेज होगा, जिससे व्यापार, उद्योग और पर्यटन को नई गति मिलेगी।इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा ,अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व वैभव शर्मा सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

बिजली के जर्जर तार जला रहे किसानों की मेहनत

■ **खेतों के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन के ढीले तारों की वजह से हर साल होता है भारी नुकसान**

शाह टाइम्स संवाददाता

सहसवान। अन्नदाताओं पर कब कहां से मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़े, कहा नहीं जा सकता। दिन -रात पसीना बहाने के बाद भी फसल सुरक्षित नहीं रहेगी, इसकी कोई गारंटी नहीं होती। प्राकृतिक आपदा के बाद सबसे अधिक खतरा फसलों को बिजली विभाग से रहता है।

खेतों के ऊपर से जा रही हाईटेंशन लाइन के ढीले तारों की चिंगारी से कई हादसे हो चुके हैं। ऐसा ही मामला आज सहसवान कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मुढारी सिधारपुर में मंगलवार की दोपहर बड़ा हादसा हो गया हाईटेंशन लाइन का तार टूट कर खेत में गिर पड़ा इससे किसान की खड़ी गेहूं की फसल में आग लग गई और देखते ही देखते करीब एक बीघा से अधिक फसल जलकर राख हो गई महेंद्र, पुत्र धोधी की गेहूं की खेत में खड़ी फसल में आज हाईटेंशन लाइन का तार टूट कर गिर जाने से फसल में आग लग गई जिसकी सूचना लगते ही मौके पर ग्रामीण भाग खड़े हुए मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने जिसकी सूचना कोतवाली पुलिस को दी घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने तत्काल दमकल विभाग को सूचना दी जब तक किसान की फसल पूरी तरह जलकर राख हो चुकी थी वही मौके पर राजस्व विभाग की टीम भी पहुंच गई।

बिसौली में पागल कुत्ते का आतंक, कई लोगों पर किया हमला

शाह टाइम्स संवाददाता

दातागंज। पूरा जिला छुट्टा गोवंश, कुत्ते और बंदरों से परेशान है। अब बिसौली क्षेत्र के लोग पागल कुत्ते से दिक्कत में आ गए हैं। एक पागल कुत्ते ने महिलाओं, बुजुर्ग समेत कई लोगों पर हमला करके घायल कर दिया। नगर में पूरा दिन अफरा तफरी का माहौल बना रहा। कुत्ते और बंदरों के हमले की वजह से लगभग सौ लोगों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर एंटी रेबीज का टीका लगवाया। पूरे सीएचसी में लोगों की भीड़ रहे। हर कोई पहले टीका लगवाने को बेताब नजर आया। लोगों ने कुत्ते को पकड़ने का प्रयास किया लेकिन असफल रहे।

नारी शक्ति वंदन विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

शाह टाइम्स ब्यूरो

बदायूं। जनपद बदायूं के विकासखंड आसफपुर की ग्राम पंचायत दबथरा में नारी शक्ति वंदन विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग 60 से 70 ग्रामीण दर्शकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस अवसर पर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग उत्तर प्रदेश के पंजीकृत दल श्रीमंत अधिकार आर्ट दल द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से महिलाओं के सशक्तिकरण और सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रभावी ढंग से दी गई।

कार्यक्रम में 5 कलाकारों की टीम ने गीत, नाटक एवं संवाद के माध्यम से समाज में महिलाओं की भूमिका, उनके अधिकारों और आत्मनिर्भर बनने के महत्व को दर्शाया। दल की नेता स्वाती तिवारी के निर्देशन में प्रस्तुत किए गए कार्यक्रम ने उपस्थित लोगों को जागरूक करने के साथ-साथ प्रेरित भी किया। इस दल को जनपद की सभी 6 विधानसभाओं में कुल मिलाकर 50 कार्यक्रम करने हैं। यह दल 15 अप्रैल से जनपद में कार्यक्रम विभिन्न ब्लॉकों के विभिन्न ग्रामों में अपना कार्यक्रम कर जनमानस को जागरुक कर रहे हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना तथा लखपती दीदी योजना, स्वयं सहायता समूह जैसी प्रमुख योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। कलाकारों ने बताया कि इन योजनाओं का उद्देश्य बालिकाओं के भविष्य को सुरक्षित करना, जरूरतमंद बच्चों को सहारा देना तथा महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है। कार्यक्रम के अंत में ग्रामीणों से अपील की गई कि वे इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं तथा समाज में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दें। इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

24-25 अप्रैल को अकीदत के साथ मनाया जाएगा 8 वां उर्स-ए-ताजुश्शरिया

शाह टाइम्स ब्यूरो

खानकाहे ताजुश्शरिया व जामियातुर्रजा में दो दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम, देशभर से जुटेंगे अकीदतमंद

बरेली। 8वां उर्स-ए-ताजुश्शरिया 24 व 25 अप्रैल 2026 को काजी-ए-हिंदुस्तान मुहम्मद असजद रजा कादरी की सरपरस्ती में जामियातुर्रजा और दरगाह आला हजरत स्थित खानकाहे ताजुश्शरिया में अकीदत व एहतराम के साथ मनाया जाएगा। उर्स प्रभारी सलमान मियां ने बताया कि बरेली सुन्नी मरकज के अपने दौर के बड़े धर्मगुरु हुजूर ताजुश्शरिया मुफ्ती मुहम्मद अख्तर रजा खां कादरी अजहरी के उर्स की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। जमात रजा-ए-मुस्तफा के राष्ट्रीय महासचिव फरमान हसन खान ने बताया कि देशभर से आने वाले आशिकाने ताजुश्शरिया का बरेली शरीफ में खैरमकदम किया जाएगा।

उर्स के पहले दिन 24 अप्रैल को खानकाहे ताजुश्शरिया में फज्र की नमाज के बाद कुरआन ख्वानी, नात-ओ-मनकबत और परचम कुशाई होगी। इसके बाद जामियातुर्रजा में ईशा की नमाज से लेकर देर रात तक उलमा-ए-किराम व मशाइखे एजाम की तकरीरें होंगी तथा रात 1 बजकर 40 मिनट पर मुफ्ती-ए-आजम का कुल शरीफ अदा किया जाएगा।

वहीं 25 अप्रैल को खानकाहे ताजुश्शरिया में फज्र के बाद कुरआन ख्वानी और नात-ओ-मनकबत के साथ सुबह 7 बजकर 10 मिनट पर मुफस्सिरे आजम का कुल शरीफ होगा। इसके उपरांत जामियातुर्रजा में जोहर की नमाज के बाद नात-ओ-मनकबत, उलमा-ए-किराम की तकरीरें और मशाइखे एजाम की मौजूदगी में शाम 7 बजकर 14 मिनट पर हुजूर ताजुश्शरिया का कुल शरीफ अदा किया जाएगा। इस अवसर पर सैयद अजीम उद्दीन, मौलाना शम्स, मौलाना जैद पाशा, डॉ. मेहंदी हसन, नगर पंचायत देवरनियां की पूर्व चेयरमैन शिप्रा यादव के पति हाफिज इकराम, मोइन खान, अब्दुल्लाह रजा खां, एडवोकेट राशिद खान, नासिर अफरीदी खान, मौलाना निजाम, कौसर अली, बख्तियार खान, फैजान अहमद, अमन रजा, दन्नी अंसारी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

अवकाश वाले दिन नहीं कटेंगे कनेक्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

बदायूं। स्मार्ट प्रीपेड मीटर को लेकर मुख्यमंत्री ने एक कमेटी गठित करने के निर्देश दिए हैं। इस कमेटी की रिपोर्ट आने तक स्मार्ट प्रीपेड मीटर धारकों को कुछ राहत मिल गयी है। रिपोर्ट आने तक अवकाश के दिनों में कनेक्शन नहीं काटे जाएंगे और न ही जीरो बैलेंस होने पर सप्लाई बंद की जाएगी। इन आदेशों को लेकर आज एसडीओ और अधिशासी अभियंताओं की बैठक में जानकारी दी गई।

स्मार्ट प्रीपेड मीटर के विरोध में जिले व प्रदेश भर में प्रदर्शन किए गए। बिजली उपभोक्ताओं ने अपने घरों पर स्मार्ट प्रीपेड मीटर भी नहीं लगाने दिए, जिसके बाद मुख्यमंत्री को इस पर संज्ञान लेना पड़ा। मुख्यमंत्री द्वारा जारी आदेश में इस मामले की जांच करने को एक कमेटी गठित करने के निर्देश दिए गए हैं।

अधिशासी अभियंता प्रथम अरविंद कुमार ने कहा कि आज की बैठक में उपभोक्ताओं को हिदायत दी गयी है कि बिजली विभाग की टीम अगर उनके यहां पहुंचती है तो उसके साथ गलत व्यवहार न किया जाए। टीम द्वारा मांगी गई जानकारी दी जाए। अगर उपभोक्ता को किसी तरह की शिकायत है तो उसे दर्ज कराया जाए जिससे उसका समय पर निस्तारण कराया जा सके। विभाग ने सभी बिजली घरों को नियमित बिजली आपूर्ति करने के निर्देश दिए हैं। तकनीकी कमियों को सुधारा जा रहा है।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में डीएम ने दिए दिशा निर्देश

शाह टाइम्स ब्यूरो

पीलीभीत। डीएम ज्ञानेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति एवं जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक गांधी सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में मातृ मृत्यु दर, जननी सुरक्षा योजना में डिलीवरी एवं भुगतान, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं सब सेंटर पर डिलीवरी की स्थिति, आशा भुगतान, एसएनसीयू/एनवीएसयू प्रोग्रेस रिर्पोट, एनआरसी पर एसएएम बच्चों की भर्ती, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, जन्मजात दोष से ग्रसित बच्चों की सर्जरी, ई कवच आभा आईडी रिपोर्ट, परिवार नियोजन, प्रति सप्ताह दी जाने वाली आयरन, फोलिक एसिड सप्लिमेंट, जन्म-मृत्यु पंजीकरण, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की क्रियाशीलता, मजीलस रूबेला, ई-संजीवनी ओपीडी, राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन, राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम आदि की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

बैठक में ब्लॉकवार आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत बनाए जा रहे गोल्डन कार्डों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई तथा कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। बैठक में विशेष अभियान के अंतर्गत संचालित गति. विधियों की भी समीक्षा की गई। मुख्य विकास अधिकारी को निर्देशित किया गया कि आयुष्मान भारत योजना की प्रतिदिन मॉनिटरिंग करना सुनिश्चित करें। वृद्ध वंदना योजना एवं एनक्यूएएस के तहत स्वास्थ्य संस्थानों की प्रगति पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। मातृ स्वास्थ्य से संबंधित विषयों पर चर्चा करते हुए जननी सुरक्षा योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को समयबद्ध लाभ प्रदान करने एवं मातृ मृत्यु की प्रत्येक घटना की गंभीरता से समीक्षा करने को कहा गया। एफआरयू की कार्यप्रणाली एवं सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने पर बल दिया गया। साथ ही प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं सब-सेंटर स्तर पर कार्यरत आशा कार्यकर्ताओं के लंबित भुगतान को शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में मंत्र ऐप की प्रगति की समीक्षा की गई तथा डेटा अपलोडिंग एवं उपयोग में सुधार लाने के निर्देश दिए। पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) में कुपोषित बच्चों की भर्ती बढ़ाने तथा उनके समुचित उपचार पर विशेष जोर दिया गया। बैठक के अंत में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत चल रही गतिविधियों की समीक्षा करते हुए बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए।

बैठक में बैठक में मुख्य विकास अधिकारी राजेन्द्र सिंह श्रीवास, मुख्य चिकित्साधिकारी डा आलोक कुमार, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, समस्त प्रभारी चिकित्साधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

उर्से ताजुश्शरिया को लेकर हाई लेवल तैयारी, अफसरों ने कसी कमर

शांतिपूर्ण आयोजन पर जोर, नई परंपरा पर रोक, उर्स व भर्ती परीक्षा को लेकर विशेष निर्देश

शाह टाइम्स ब्यूरो

बरेली। आगामी 24 व 25 अप्रैल को आयोजित होने वाले उर्से ताजुश्शरिया को लेकर जनपद में कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक तैयारियों को लेकर उच्च अधिकारियों ने व्यापक समीक्षा की। पुलिस लाइन स्थित सभागार में आयोजित बैठक में अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिए कि उर्स का आयोजन साम्प्रदायिक सौहार्द और शांतिपूर्ण वातावरण में हो तथा किसी भी नई परंपरा की शुरुआत न की जाए।

बैठक में अपर पुलिस महानिदेशक रमित शर्मा, मण्डलायुक्त भूपेन्द्र एस. चौधरी, पुलिस उप महानिरीक्षक अजय कुमार साहनी, जिलाधिकारी अविनाश सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य सहित अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

सबसे पहले 9 अप्रैल को हुई पूर्व बैठक में बताई गई कमियों और व्यवस्थाओं की प्रगति की समीक्षा की गई, जिसके बाद संबंधित विभागों ने अपनी-अपनी तैयारियों की जानकारी दी। यातायात व्यवस्था को लेकर झुमका तिराहा, परसाखेड़ा, कुदेशिया अंडरपास और नैनीताल रोड समेत विभिन्न मार्गों पर डायवर्जन लागू करने की योजना साझा की गई। स्वास्थ्य विभाग की ओर से 102/108 एम्बुलेंस, मेडिकल मोबाइल यूनिट और स्वास्थ्य शिविरों की व्यवस्था सुनिश्चित करने की बात कही गई, वहीं अग्निशमन विभाग ने पर्याप्त सुरक्षा इंतजामों का भरोसा दिया। पुलिस अधीक्षक नगर ने बताया कि आयोजन को देखते हुए तीन सुपर जोन, पांच जोन और 13 सेक्टर में सुरक्षा ड्यूटी लगाई जा रही है।

अधिकारियों ने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि आयोजन के दौरान कोई भी ऐसी गतिविधि न हो जिससे माहौल प्रभावित हो। अपर पुलिस महानिदेशक ने कहा कि छोटी सी लापरवाही भी व्यवधान पैदा कर सकती है, इसलिए हर स्तर पर सतर्कता जरूरी है। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि 25 अप्रैल को उर्स के साथ ही होमगार्ड भर्ती परीक्षा भी आयोजित हो रही है, ऐसे में ट्रैफिक और भीड़ प्रबंधन इस तरह किया जाए कि परीक्षार्थियों को समय पर परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में कोई दिक्कत न हो।

पुलिस उप महानिरीक्षक ने बताया कि 25, 26 और 27 अप्रैल को होमगार्ड भर्ती परीक्षा दो पालियों में आयोजित होगी, ऐसे में समुचित समन्वय बेहद जरूरी है। साथ ही वालंटियरों को आईडी कार्ड जारी करने और उनकी सूची पुलिस को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। सोशल मीडिया पर भ्रामक या भड़काऊ पोस्ट पर भी निगरानी रखने को कहा गया।

जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने सड़कों की मरम्मत, पेयजल, साफ-सफाई, विद्युत आपूर्ति, मेडिकल कैम्प और ट्रैफिक व्यवस्था की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि यदि कहीं कोई कमी हो तो तत्काल दूर किया जाए। वहीं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने साफ कहा कि गैर परंपरागत गतिविधियों को अनुमति नहीं दी जाएगी और सुरक्षा व्यवस्था में कोई ढिलाई बर्दाश्त नहीं होगी। साथ ही रात्रि गश्त बढ़ाने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य, अपर जिलाधिकारी प्रशासन पूर्णिमा सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. विश्राम सिंह सहित पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

उर्स-ए-ताजुश्शरिया के मौके पर लगा स्वास्थ्य शिविर

■ **598 लोगों की जांच, मुफ्त दवाइयों का वितरण, 38 मरीजों के मोतियाबिंद ऑपरेशन होंगे निशुल्क**

शाह टाइम्स ब्यूरो

बरेली। उर्स-ए-ताजुश्शरिया के अवसर पर कोहाड़ापीर स्थित फय्याज बिल्डिंग के पास मरकज ए अहले सुन्नत वेलफेयर ट्रस्ट (मरकज ऐड) के तत्वाधान में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक चले इस शिविर में शहर के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा 598 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें मुफ्त दवाइयां वितरित की गईं।

शिविर का उद्घाटन ट्रस्ट के सदर अल्हाज मोहसिन हसन खान और हस्सान रजा ने किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि संस्था का उद्देश्य समाज के निचले तबके तक स्वास्थ्य और शिक्षा की सुविधाएं पहुंचाना है। उर्स के धार्मिक आयोजनों के साथ-साथ ऐसे सामाजिक कार्य भी बेहद जरूरी हैं, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर लोग भी बेहतर इलाज और जांच का लाभ उठा सकें।

शिविर में विटामिन डी, विटामिन बी-12, थायरॉयड, यूरिक एसिड, कैल्शियम, लिपिड प्रोफाइल, सीबीसी और शुगर जैसी जांचें नि:शुल्क कराई गईं। शिविर प्रभारी नासिर कुरैशी ने बताया कि नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. अक्षत बॉस ने 196 लोगों की आंखों की जांच की, जिसमें 43 मरीजों में मोतियाबिंद पाया गया। इनमें से 36 मरीजों का ऑपरेशन संस्था द्वारा और 7 मरीजों का आयुष्मान योजना के तहत राजेंद्र नगर स्थित कैलाश आई हॉस्पिटल में अलग-अलग तिथियों पर कराया जाएगा।

शिविर में डॉ. संजीव कुमार (थायरॉयड व गंभीर रोग विशेषज्ञ), डॉ. अबू सईद (नाक, कान व गला विशेषज्ञ), डॉ. शरिक सिद्दीकी (दंत रोग विशेषज्ञ), डॉ. कहकशां खान (स्त्री रोग विशेषज्ञ), डॉ. मुजा. हिद खान और डॉ. सूर्य नारायण (जनरल फिजिशियन) सहित अन्य चिकित्सकों ने मरीजों का परीक्षण कर उन्हें स्वास्थ्य संबंधी जरूरी सलाह भी दी।

इस दौरान नेत्र परीक्षक जितेंद्र सिंह, चांद बाबू, गोदपाल यादव, मुनीश शर्मा, इमरान रजा, संजू रस्तोगी, शाहनवाज रजा, आफताब रजा, साजिद रजा, जुनैद रजा, मुजफ्फर रजा, शरिक बरकाती, हाजी अजहर बेग, रिजवान रजा, उवैस खान आदि का विशेष सहयोग रहा।

कार में अगवा कर युवती की हत्या की कोशिश

- मरा समझकर सड़क किनारे फेंका
- चार नामजद आरोपियों पर मुकदमा दर्ज, गंभीर हालत में उपचार जारी

शाह टाइम्स संवाददाता

बहेड़ी। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बहादुरगंज नीचा निवासी एक युवती के साथ कार में अगवा कर जानलेवा हमला करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि चार लोगों ने मिलकर युवती को घर से जबरन कार में बैठाया, रास्ते में गाली-गलौज करते हुए मारपीट की और गला दबाकर हत्या का प्रयास किया। बाद में उसे मृत समझकर सड़क किनारे फेंककर फरार हो गए।

पीड़िता अफसाना पुत्री नूर हसन ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 19 अप्रैल 2026 को गांव का ही मो. फैज उसे घर से कार में बैठाकर ले गया। कुछ दूर जाने के बाद कार में नूर इस्लाम, मुजीब पुत्र कमरुल हसन और आकिल हाजी पुत्र अब्दुल मजीद भी सवार हो गए। आरोप है कि चारों ने कार के शीशे बंद कर दिए, और उसे गंदी गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दी।

पीड़िता के मुताबिक आरोपियों ने उसके हाथ रस्सी से बांध दिए। नूर इस्लाम ने गला दबाकर हत्या का प्रयास किया, जबकि मो. फैज ने धारदार हथियार से सिर पर वार कर दिया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। वहीं आकिल हाजी और मुजीब ने भी घूंसे मारकर उसकी पिटाई की। घटना के बाद आरोपी उसे मृत समझकर ग्राम लवेदी भट्टा (थाना बहेड़ी) के पास सड़क किनारे फेंककर फरार हो गए। राहगीरों की सूचना पर पीड़िता के भाई गुल हसन और जीशन मौके पर पहुंचे, और उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर के आधार पर चारों आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है।

स्मार्ट मीटर और बिजली समस्याओं को लेकर किसानों का प्रदर्शन

- भारतीय किसान यूनियन टिकैत ने अधिशासी अभियंता को सौंपा ज्ञापन, समाधान की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

बहेड़ी। क्षेत्र के किसानों की बिजली से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को लेकर भारतीय किसान यूनियन टिकैत के पदाधिकारियों ने अधिशासी अभियंता, विद्युत वितरण खंड को ज्ञापन सौंपा। संगठन के प्रदेश सचिव (उत्तर प्रदेश-उत्तराखंड तराई) दानिश बाबा के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में किसानों की समस्याओं का शीघ्र समाधान कराने की मांग की गई।

ज्ञापन में कहा गया कि क्षेत्र में अनैतिक तरीके से स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए जा रहे हैं, जिसे तत्काल रोका जाए और उनकी जगह पोस्टपेड मीटर लगाए जाएं। साथ ही अब तक लगाए गए प्रीपेड मीटरों को भी पोस्टपेड में परिवर्तित करने की मांग उठाई गई है। किसान यूनियन ने आरोप लगाया कि मीटर लगाने वाली संस्थाओं द्वारा उपभोक्ताओं से अवैध वसूली की जा रही है, जिसे तत्काल बंद कराया जाए। इसके अलावा ग्राम चकन. रकुण्डा में वर्ष 2017 से बंद पड़े दो ट्रांसफार्मरों को चालू कराने की भी मांग की गई, ताकि किसानों को बिजली आपूर्ति का लाभ मिल सके। ज्ञापन में यह भी बताया गया कि धोबी तालाब बिजली घर से निकलने वाले तीन फीडरों की शिफ्टिंग अवैध रूप से कराई जा रही है, जिसे रोकते हुए नियमानुसार केबल के माध्यम से कार्य कराया जाए।

वहीं ग्राम गोपालपुर में जर्जर तारों के कारण हो रही समस्याओं को देखते हुए उन्हें जल्द बदलवाने की मांग भी रखी गई। इस दौरान प्रदेश सचिव दानिश बाबा के साथ सार्थक संधू, मोहम्मद आरिफ, मोहम्मद समीर, आमिर बाबा, फरहान, बादशाह, कमर, जावेद, मोहम्मद अजीम, सोहेल बुलेट सहित कई किसान मौजूद रहे।

एक नजर

समाज कल्याण विभाग द्वारा लगाया गया वृद्धा, विधवा पेंशन शिविर

शाह टाइम्स संवाददाता

क्योलडिया। समाज कल्याण विभाग द्वारा मंगलवार को भदपुरा ब्लॉक सभागार में पेंशन शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 17 लोगों की केवाईसी की गई पांच फॉर्म को रिजेक्ट कर दिया गया। विधवा पेंशन के 14 फार्म स्वीकृत किए गए। इसी तरह ब्लॉक में कुल 82 लोगों के पेंशन स्वीकृत की गयी पेंशन शिविर का शुभारंभ ब्लॉक प्रमुख रवि शंकर गंगवार ने किया।

उन्होंने क्षेत्र वासियों से कहा कि सरकार द्वारा अब आपके ब्लॉक में पेंशन शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें किसी की रुकी पेंशन है वह सही की जा सके की और जिनकी पेंशन नहीं है वह अपनी पेंशन पा सकेगा। साथ ही सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी। इस दौरान डीओ समाज कल्याण, जितेंद्र कुमार, वीरेंद्र कुमार समेत आदि कर्मचारी मौजूद रहे।

हरद्वारी लाल वर्मा बने लोधी राजपूत महासभा के मंडल उपाध्यक्ष

शाह टाइम्स संवाददाता

मीरगंज। अखिल भारतीय लोधी राजपूत कल्याण महासभा के बरेली मंडल में हरद्वारी लाल वर्मा को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह निर्णय मढ़ी सत्याना में आयोजित कार्यक्रम में लिया गया। अध्यक्ष प्रो. भक्ति सिंह राजपूत की संस्तुति पर उनका मनोनयन किया गया, जिसे संगठन के राष्ट्रीय व प्रदेश पदाधिकारियों ने अनुमोदित किया। मनोनयन पत्र उन्हें वरिष्ठ पदाधिकारियों की मौजूदगी में सौंपा गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि वर्मा के नेतृत्व से संगठन को मजबूती मिलेगी और समाज के उत्थान, शिक्षा व अधिकारों के लिए कार्य और तेज होगा। कार्यक्रम में राजवीर सिंह उर्फ राजू भईया, निहाल सिंह लोधी, पूरन लाल लोधी, गंगा सहाय राजपूत भगवत सरन लोधी, सत्यदेव वर्मा, मनोहर देवी, श्रद्धा सिंह राजपूत, धन पाल सिंह राजपूत आदि उपस्थित रहें। गणमान्य लोग मौजूद रहे।

आज आठ घंटे बन्द रहेगी बिजली होगी टहनियों की छंटाई

शाह टाइम्स संवाददाता

नवाबगंज। कस्बे के 33 केवी उप केन्द्र की लाइन पर लगने वाले पेड़ों की टहनियों की आज छटाई की जानी है, जिसके चलते बुधवार यानि 22 अप्रैल को सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक उप केन्द्र से पोषित पोषकों की विद्युत आपूर्ति बन्द रहेगी। एसडीओ राजेन्द्र सिंह ने क्षेत्र के सभी उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील की है।

हीटवेव में बच्चों की सेहत से खिलवाड़

शाह टाइम्स संवाददाता

डीएम के आदेश के बावजूद नहीं बदला प्राइवेट स्कूलों का समय

देवरनियां। भीषण गर्मी और हीटवेव के बीच जहां प्रशासन बच्चों की सेहत को लेकर सतर्क दिखाई दे रहा है, वहीं क्षेत्र के कई प्राइवेट स्कूलों की लाप. रवाही खुलकर सामने आ रही है। जिलाधिकारी के स्पष्ट आदेश के बावजूद इन स्कूलों ने समय परिवर्तन नहीं किया, जिससे छोटे-छोटे बच्चे तपती धूप और लू के बीच स्कूल जाने को मजबूर हैं।

इन दिनों आसमान से बरसती आग, तेज धूप और गर्म हवाओं ने जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर रखा है। इसी को देखते हुए शासन के निर्देश पर जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने कक्षा आठ तक के सभी स्कूलों का समय बदलते हुए सुबह 7:30 बजे से दोपहर 12 बजे तक करने के आदेश जारी किए थे। यह व्यवस्था मंगलवार से लागू होनी थी, लेकिन क्षेत्र के कई निजी स्कूलों ने इन आदेशों को दरकिनार कर दिया और अपने पुराने समय पर ही स्कूल संचालित करते रहे। इस लापरवाही का खामियाजा बच्चों को भुगतना पड़ रहा है। स्कूल से घर लौटते समय बच्चे गर्मी से बेहाल और पसीने में तरबतर नजर आए, जिससे अभिभावकों में आक्रोश बढ़ गया है। अभिभावकों का कहना है कि निजी स्कूल प्रशासन बच्चों की सेहत के साथ खिलवाड़ कर रहा है और प्रशासन की ढिलाई के कारण ही ऐसे आदेशों का पालन नहीं हो पा रहा है।

उन्होंने मांग की है कि आदेश की अनदेखी करने वाले स्कूलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि इस भीषण गर्मी में बच्चों को राहत मिल सके। वहीं, इस मामले में रिछा ब्लॉक के खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) जगदीश कुमार ने स्पष्ट कहा है कि सभी स्कूलों को जिलाधिकारी के आदेश का पालन करना होगा और जो भी इसका उल्लंघन करेगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

महिला दरोगा के बिना चल रहा मिशन शक्ति अभियान

- देवरनियां कोतवाली की बड़ी कमी उजागर

शाह टाइम्स संवाददाता

देवरनियां। सरकार द्वारा महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता दिलाने के उद्देश्य से चलाया जा रहा मिशन शक्ति अभियान कोतवाली देवरनियां में पिछले लगभग छह माह से बिना महिला दरोगा के संचालित हो रहा है। ऐसे में अभियान की प्रभावशीलता पर सवाल उठने लगे हैं और स्थानीय स्तर पर इसे बड़ी कमी के रूप में देखा जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, कोतवाली देवरनियां में महिला दरोगा के रूप में तैनात अनु पवार का गत वर्ष नवंबर में गैर जनपद तबादला हो गया था। उनके जाने के बाद से अब तक यहां किसी भी महिला दरोगा की तैनाती नहीं हो सकी है। इसके बावजूद क्षेत्र में मिशन शक्ति अभियान जारी है, जिसे फिलहाल पुरुष दरोगा और महिला सिपाहियों के भरोसे चलाया जा रहा है। महिलाओं से जुड़े संवेदनशील मामलों में महिला दरोगा की अनुपस्थिति को लेकर चर्चा है कि इससे पीड़िताओं को अपनी बात खुलकर रखने में असहजता महसूस हो सकती है, जबकि महिला अधिकारी की मौजूदगी ऐसे मामलों में भरोसा और सहजता बढ़ाती है। इस संबंध में कोतवाली प्रभारी आशुतोष द्विवेदी द्वारा महिला दरोगा की कमी को लेकर उच्च अधिकारियों को अवगत भी कराया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है। ऐसे में क्षेत्र में जल्द महिला दरोगा की तैनाती की मांग उठ रही है, ताकि मिशन शक्ति अभियान अपने उद्देश्य के अनुरूप प्रभावी ढंग से संचालित हो सके।

बारात से लौट रही ईको डिवाइडर से टकराई, एक की मौत, कई घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

फतेहगंज पश्चिमी। क्षेत्र के गांव धनेटा निवासी जसपाल राठौर के पुत्र शिवकुमार की बारात सोमवार शाम लाल फाटक के पास गांव बबिया गई थी। जयमाला की रस्म के बाद कुछ बाराती ईको से वापस धनेटा लौट रहे थे।

मंगलवार तड़के करीब 4 बजे परसाखेड़ा के गेट संख्या-4 के पास ईको अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। वाहन में चालक सहित आठ लोग सवार थे, जो सभी घायल हो गए। सूचना मिलते ही फतेहगंज पश्चिमी थाना पुलिस व परसाखेड़ा चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को वाहन से बाहर निकाल. कर अस्पताल भेजा। हादसे में 30 वर्षीय हीरालाल पुत्र जियालाल निवासी मीरापुर की मौके पर ही मौत हो गई। बताया गया कि मृतक दूल्हे के भाई का साला था।घटना में प्रिंस प्रजापति पुत्र प्रेमपाल निवासी हाफिजगंज, नितिन पुत्र कमलेश, संजीव पुत्र पन्नालाल, पंकज पुत्र विशन चंद्र, राहुल पुत्र गिरीश निवासी धनेटा थाना फतेहगंज पश्चिमी, सचिन पुत्र लालता प्रसाद निवासी मीरगंज तथा ईको चालक प्रथम कुमार निवासी औंध घायल हो गए। सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां चालक की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

बाइक निकालने को लेकर विवाद घर में घुसकर पिता-पुत्र से मारपीट

शाह टाइम्स संवाददाता

मीरगंज। दो दिन पहले चकदाह गांव की तंग गली में कार और बाइक के हल्के टकराव को लेकर शुरू हुआ विवाद सोमवार को मारपीट में बदल गया। रंजिश के चलते परसु नगला के लोगों ने चकदाह पहुंचकर ग्राम प्रधान को घेरकर पीट दिया। शोर-शराबा होने पर पहुंचे ग्रामीणों ने चार लोगों को पकड़ लिया। पुलिस ने 21 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।जानकारी के अनुसार, रविवार को परसु नगला के दो युवक चकदाह गांव के रास्ते से अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान तंग गली में उनकी बाइक प्रधान के रिश्तेदार की कार से टच हो गई। इस बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी के बाद मारपीट हो गई। आरोप है कि प्रधान के पुत्र और उसके साथियों ने परसु नगला के युवकों की पिटाई कर दी, जिसके बाद उन्हें गांव से खदेड़ दिया गया।

घटना की जानकारी मिलने पर सोमवार शाम करीब साढ़े सात बजे परसु नगला के 20-25 लोग चकदाह पहुंच गए। आरोप है कि उन्होंने बाजार में स्थित प्रधान के कबाड़ के गोदाम में घुसकर प्रधान छोटे अंसारी पर हमला कर दिया। चीख-पुकार सुनकर बाजार में मौजूद लोग मौके पर पहुंच गए, जिसके बाद दोनों गांवों के लोगों के बीच जमकर लाठी-डंडे चले। करीब आधे घंटे तक चली इस मारपीट में प्रधान छोटे अंसारी घायल हो गए, जबकि कई अन्य लोगों को भी मामूली चोटें आईं। चकदाह के ग्रामीणों ने परसु नगला के चार लोगों को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया। इस दौरान परसु नगला के प्रधान भी अपने समर्थकों के साथ मौके पर पहुंचे और पकड़े गए लोगों को छुड़ाने का प्रयास किया, जिससे पुलिस के साथ उनकी तीखी नोकझोंक भी हुई।

पुलिस ने प्रधान छोटे अंसारी की तहरीर पर परसु नगला निवासी नसीम खां, शरीफ खां, इरफान खां, जिया-उल, तहनुव, तसलीम खां, तौहसीब खां तथा मियांपुर निवासी अफसार समेत नौ नामजद और 12 अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। वहीं, पकड़े गए तवीर खां, शरीफ खां, इरफान और अफसार का शांति भंग में चालान किया गया है।

दैनिक शाह टाइम्स में समाचार एवं विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें। मो. इरफान मुनीम जिला प्रभारी (बरेली) मो0- 9456212547, 8077380691,

माटीकला कारीगरों को मिलेगा निशुल्क विद्युत चालित चाक

शाह टाइम्स ब्यूरो

बरेली। माटीकला से जुड़े कारीगरों और शिल्पियों के लिए एक बड़ी राहत भरी खबर है। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी मनोज कुमार गुप्ता ने बताया कि उ0प्र0 माटीकला बोर्ड द्वारा माटीकला टूल-किट्स वितरण योजना के अंतर्गत परम्परागत कारीगरों को निशुल्क विद्युत चालित चाक उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सके। इस योजना के तहत चयनित लाभार्थियों को चाक वितरण से पहले शाहजहांपुर स्थित विभागीय मण्डलीय प्रशिक्षण केंद्र में तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण लेना अनिवार्य होगा, जिसमें आधुनिक तकनीक आधारित उपकरणों के संचालन की जानकारी दी जाएगी। लाभार्थियों का चयन मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा किया जाएगा। योजना का लाभ उन कारीगरों को मिलेगा जो कुम्हारी कला से जुड़े हैं, परम्परागत कारीगर परिवार से हैं, शिक्षित बेरा. जगार हैं या माटीकला से संबंधित किसी विधा में प्रशिक्षित हैं। साथ ही, स्वरोजगार में रुचि रखने वाले और कारीगर परिवार की महिलाएं भी आवेदन कर सकती हैं। आवेदक उत्तर प्रदेश का मूल निवासी होना चाहिए और उसकी आयु 18 से 55 वर्ष के बीच होनी चाहिए। चयन में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को प्राथमिकता दी जाएगी और आरक्षण नियमों का पालन भी सुनिश्चित किया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थी 12 मई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

मनकरा व नगरिया सादात में भीषण आग

शाह टाइम्स संवाददाता

- दमकल की तत्परता से बड़ा हादसा टला

मीरगंज। क्षेत्र के गांव मनकरा में लगी भीषण आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और सैकड़ों एकड़ नहीं बल्कि हजार एकड़ से अधिक जमीन इसकी चपेट में आ गई। तेज हवा के कारण आग तेजी से खेतों, पेड़ों, सूखी नरई और भूसे के ढेरों तक फैल गई, जिससे किसानों को भारी नुकसान हुआ। दूर-दूर तक धुआं फैलने से अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

समाजसेवी एवं पूर्व ग्राम प्रधान विशाल गंगवार ने बताया कि आग में 1000 एकड़ से अधिक क्षेत्र प्रभावित हुआ है। खेतों में लगे यूकेलिप्टिस के पेड़, भूसा और नरई पूरी तरह जलकर राख हो गए, जिससे किसानों को भारी आर्थिक क्षति हुई है।

सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और आग बुझाने में जुट गई। आग के व्यापक फैलाव के बावजूद दमकल कर्मियों ने लगातार प्रयास कर आग को काबू में करने की को. शिश की, जिससे आग और अधिक फैलने से रोका जा सका।इसी दौरान गांव नगरिया सादात स्थित तालाब में भी भीषण आग लग गई। यहां भी सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड टीम प्रभारी राजेंद्र सिंह के नेतृत्व में राज. कुमार, महरे आलम, अशोक यादव व तीरंध्वाज मौके पर पहुंचे और मुस्तैदी से आग बुझाने का कार्य शुरू किया।

दोनों ही स्थानों पर दमकल विभाग की तत्परता और कड़ी मेहनत से बड़ा हादसा टल गया।ग्रामीणों ने भी दमकल टीम का सहयोग करते हुए आग बुझाने में मदद की। हालांकि आग से खेतों में खड़े पेड़, भूसा व नरई जलकर राख हो गए, लेकिन समय रहते दमकल के पहुंचने से जनहानि नहीं हुई।

अवैध गैस रिफिलिंग के दौरान हादसा

- दो किशोरों की मौत के बाद पुलिस को दी तहरीर

शाह टाइम्स संवाददाता

नवाबगंज। कस्बे के बरखन रोड स्थित शमशान भूमि के पास बेसमेंट में चल रही श्री श्याम मोटर वर्कशॉप में गैस टैंक में आग लगने से हुए भीषण हादसे के बाद मामला अब कानूनी मोड़ पर पहुंच गया है। इस घटना में छह लोग झुलसे थे, जिनमें दो किशोरों की मौत हो चुकी है, जबकि दो अन्य किशोर अभी भी गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती हैं।

घटना को लेकर अस्पताल में भर्ती किशोर मोहम्मद फरमान के पिता यासीन नगर के रहने वाले बाबू ने पुलिस को अवैध रूप से चल रहे वर्कशॉप और उसके संच. ालक पिताख्रपुत्र और एक कार स्वामी के खिलाफ तहरीर दी है।

तहरीर के अनुसार, महावीर और उनका बेटा एसके बाबू अपने मकान के बेसमेंट में वर्कशॉप संचा. लित करते हैं। आरोप है कि यहां कार सर्विसिंग की आड़ में अवैध रूप से गैस रिफिलिंग का काम किया जाता है। 18 अप्रैल की रात मोहम्मद फरमान, साहिल रजा, अर्सिल और अजीत घर जा रहे थे। आरोप है कि एसके बाबू ने चारों बच्चों को बुलाकर वर्कशॉप में बुला लिया, जहां एक ईको कार के गैस टैंक से रिफिलिंग की जा रही थी।

परिजनों का आरोप है कि वर्कशॉप संचालकों ने बच्चों से गैस टैंक उठवाकर कार में रखने को कहा। इसी दौरान गैस रिसाव होने से टैंक में आग लग गई, और चारों बच्चे उसकी चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गए।

इस हादसे में 14 वर्षीय अर्सिल पुत्र मोहम्मद नासिर निवासी यासीन नगर और 13 वर्षीय अजीत निवासी प्रभात नगर की मौत हो चुकी है। जबकि साहिल और फरमान का इलाज जारी है और उनकी हालत नाजुक बनी हुई है।

तहरीर में वर्कशॉप मालिक पिताख्रपुत्र और कार स्वामी की लापरवाही को हादसे का जिम्मेदार बताया गया है।

हलाला करने के लिए महिला को कमरे में खींचा, न करने पर दी धमकी

शाह टाइम्स संवाददाता

नवाबगंज। मामला कस्बे से लगे एक गांव का है। गांव की एक महिला की शादी दो साल पहले जनपद शाहजहांपुर के कस्बा निगोही के रहने वाले युवक से हुई थी। बताया जाता है कि कुछ दिनों बाद पति पत्नी के बीच मनमुटाव हो गया और दोनों अलग-अलग हो गए थे।

पूर्व पति से अलग हो जाने के बाद महिला ने अपने गांव के ही एक व्यक्ति से शादी करने का प्रयास किया था, जिस पर गांव के दबंग लोगों को यह बात नागवार लगी और वह उस पर जबरन हलाला करने का दबाव बनाने लगे। महिला के मुता. बिक एक दबंग ने उसका हाथ पकड़कर कमरे में साथ चलने और खुद हलाला करने को कहा। साथ ही हलाला न करने पर समाज से अलग करने की चेतावनी दी जा रही है। महिला ने इस मामले की तहरीर पुलिस को देकर दबंगों के खिलाफ कार्यवाही की गुहार लगाई है।

वहीं इस मामले को लेकर मंगलवार को एक घर में पंचायत हो रही थी, तभी गांव के दबंग घर में घुस आए और पिछले कई माह से अस्वस्थ चल रहे पूर्व प्रधान पति मो. अनीस पर जान लेवा हमला कर दिया, जिसमें वह घायल हो गए। घटना की तहरीर पूर्व प्रधान पति के अधिवक्ता पुत्र मो. अरशद ने दबंगों के खिलाफ पुलिस को दी है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद बहेड़ी (बरेली)

संख्या-250 /न०पा० प०ब०/ कर/ 2026-27 दिनांक-21.04.2026

नोटिस अन्तर्गत धारा 147(2) उत्तर प्रदेश नगर पालिका परिषद अधिनियम

इस पालिका परिषद के सीमान्तर्गत आरा. जी-83 व आराजी-85 व आराजी-84(1) व आराजी-85(ब) वार्ड-05 जो मोहल्ला शेखूपुर कस्बा व तहसील बहेड़ी जिला बरेली में स्थित है एवं पालिका के कर अभिलेखों में श्री अब्दुल कय्यूम पुत्र श्री मोहममद नूर के नाम दर्ज है। पंजीकृत आकानामा दिनांक-28.02.2017 के द्वारा श्री अब्दुल कय्यूम पुत्र श्री मो० नूर ने श्री मो० आरिफ पुत्र श्री अब्दुल कय्यूम को अपनी सम्पत्ति से बेदखल कर दिया गया है। पंजीकृत दान पत्र दिनांक-18.02.2025 के द्वारा श्री अब्दुल कय्यूम पुत्र श्री मो० नूर निवासी मोहल्ला शेखूपुर कस्बा व तहसील बहेड़ी जिला बरेली ने उक्त सम्पत्ति को श्री मो० अफसर पुत्र श्री अब्दुल कय्यूम व मो० जरान ना०बा० व मो० हाशिर ना०बा० पुत्रगण श्री मो० अफसर सरंक्षिका माता सगी तरन्नुम जहां पत्नी मो० अफसर निवासीगण मोहल्ला इस्लामनगर कस्बा व तहसील बहेड़ी जिला बरेली को दान कर दिया गया है। श्री मो० अफसर पुत्र श्री अब्दुल कय्यूम व मो० जरान ना०बा० व मो० हाशिर ना०बा० पुत्रगण श्री मो० अफसर सरंक्षिका माता सगी तरन्नुम जहां पत्नी मो० अफसर निवासीगण मोहल्ला इस्लामनगर कस्बा व तहसील बहेड़ी जिला बरेली ने उपरोक्त साक्ष्यों को सलंग्न कर आराजी को अपने नाम से पालि. का कर अभिलेखों में दर्ज कराये जाने के सम्बन्ध में आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि किसी को भी उपरोक्त नामान्तरण/परिवर्तन के सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति इस नोटिस के प्रकाशन के दिनांक से एक माह के अन्दर विधि द्वारा मान्य साक्ष्य एवं सम्बन्धित अभिलेखों आदि के साथ प्रस्तुत करें। अन्यथा वाद गुजरने म्याद इस कार्यालय स्तर से उचित आदेश निर्गत कर दिये जाएगें और कोई आपत्ति विचरणीय नहीं होगी।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद बहेड़ी (बरेली)

कार्यालय नगर पालिका परिषद बहेड़ी (बरेली)

संख्या-252 /न०पा० प०ब०/ कर/ 2026-27 दिनांक-21.04.2026

नोटिस अन्तर्गत धारा 147(2) उत्तर प्रदेश नगर पालिका परिषद अधिनियम

इस पालिका परिषद के सीमान्तर्गत आरा. जी-597 वार्ड-05 जो मोहल्ला शेखूपुर कस्बा व तहसील बहेड़ी जिला बरेली में स्थित है एवं पालिका के कर अभिलेखों में श्री शमशाद अहमद पुत्र श्री जहूर अहमद के नाम दर्ज है। उक्त आराजी को विक्रय पत्र दिनांक-18.02.2026 के द्वारा श्री शमशाद अहमद पुत्र श्री जहूर अहमद निवासी मोहल्ला शेखूपुर कस्बा व तहसील बहेड़ी जिला बरेली ने श्री मो० शादाब पुत्र श्री अब्दुल कय्यूम निवासी मोहल्ला गोदाम माथुर रोड बिजली आफिस के पास कस्बा व तहसील बहेड़ी जिला बरेली को विक्रय कर दिया गया है। श्री मो० शादाब पुत्र श्री अब्दुल कय्यूम निवासी मोहल्ला गोदाम माथुर रोड बिजली आफिस के पास कस्बा व तहसील बहेड़ी जिला बरेली ने उपरोक्त साक्ष्यों को सलंग्न कर आराजी को अपने नाम से पालिका कर अभिलेखों में दर्ज कराये जाने के सम्बन्ध में आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि किसी को भी उपरोक्त नामान्तरण/परिवर्तन के सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति इस नोटिस के प्रकाशन के दिनांक से एक माह के अन्दर विधि द्वारा मान्य साक्ष्य एवं सम्बन्धित अभिलेखों आदि के साथ प्रस्तुत करें। अन्यथा वाद गुजरने म्याद इस कार्यालय स्तर से उचित आदेश निर्गत कर दिये जाएगें और कोई आपत्ति विचरणीय नहीं होगी।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद बहेड़ी (बरेली)

कार्यालय नगर पालिका परिषद बहेड़ी (बरेली)

संख्या-251 /न०पा०प० ब०/कर/ 2025-26 दिनांक-21.04.2026

नोटिस अन्तर्गत धारा 147(2) उत्तर प्रदेश नगर पालिका परिषद अधिनियम

इस पालिका परिषद के सीमान्तर्गत आराजी-06 वार्ड-06 जो मोहल्ला टांडा कस्बा व तहसील बहेड़ी जिला बरेली में स्थित है एवं पालिका के कर अभिलेखों में प्रार्थीगण के दादा श्री अमीर अहमद पुत्र श्री बशीर अहमद के नाम से दर्ज है। मृत्यु प्रमाण पत्र दिनाक-31.01.2006 के द्वारा अमीर अहमद पुत्र श्री बशीर अहमद की मृत्यु दिनांक-25.01.2002 को हो चुकी है। मृत्यु प्रमाण पत्र दिनाक-14.10.2025 के द्वारा प्रार्थीगण के पिता मो० अख्तर पुत्र श्री अमीर अहमद की मृत्यु 11.10.2025 को हो चुकी है। श्री मो० कमर रजा व मो० जफर पुत्रगण स्व० मो० अख्तर निवासीगण मोहल्ला टांडा कस्बा व तहसील बहेड़ी जिला बरेली ने उपरोक्त साक्ष्यों को सलंग्न कर आराजी को अपने नाम से पालिका कर अभिलेखों में दर्ज किये जाने के समबन्ध में आवेदन प्रस्तुत किया है।

तद् द्वारा सूचित किया जाता है कि किसी को भी उपरोक्त नामान्तरण/परिवर्तन के सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति इस नोटिस के प्रकाशन के दिनांक से एक माह के अन्दर विधि द्वारा मान्य साक्ष्य एवं सम्बन्धित अभिलेखों आदि के साथ प्रस्तुत करें। अन्यथा वाद गुजरने म्याद इस कार्यालय स्तर से उचित आदेश निर्गत कर दिये जाएगें और कोई आपत्ति विचरणीय नहीं होगी।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद बहेड़ी (बरेली)

कार्यालय नगर पालिका परिषद बहेड़ी (बरेली)

संख्या-249 / न०पा०प० ब०/कर / 2026-27 दिनांक-21.04.2026

नोटिस अन्तर्गत धारा 147(2) उत्तर प्रदेश नगर पालिका परिषद अधिनियम

इस पालिका परिषद के सीमान्तर्गत आराजी-425 वार्ड-11 जो मोहल्ला रामलीला कस्बा व तहसील बहेड़ी जिला बरेली में स्थित है एवं पालिका के कर अभिलेखों में श्री राम भरोसे लाल पुत्र श्री राम प्रसाद के नाम से दर्ज है। उक्त आराजी को विक्रय पत्र दिनांक-11.11.2020 के द्वारा श्रीमती राम प्यारी पत्नी राम भरोसे लाल निवासी मोहल्ला कानूनगोयान कस्बा व तहसील बहेड़ी जिला बरेली ने श्री विजय कुमार गुप्ता पुत्र स्व० सतीश चन्द्र गुप्ता निवासी मोहल्ला रामलीला कस्बा व तहसील बहेड़ी जिला बरेली को विक्रय कर दिया गया है। श्री विजय कुमार गुप्ता पुत्र स्व० सतीश चन्द्र गुप्ता निवासी मोहल्ला रामलीला कस्बा व तहसील बहेड़ी जिला बरेली ने उपरोक्त साक्ष्यों को सलंग्न करते हुए पालिका में आराजी को अपने नाम से दर्ज किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि किसी को भी उपरोक्त नामान्तरण/परिवर्तन के सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति इस नोटिस के प्रकाशन के दिनांक से एक माह के अन्दर विधि द्वारा मान्य साक्ष्य एवं सम्बन्धित अभिलेखों आदि के साथ प्रस्तुत करें। अन्यथा वाद गुजरने म्याद इस कार्यालय स्तर से उचित आदेश निर्गत कर दिये जाएगें और कोई आपत्ति विचरणीय नहीं होगी।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद बहेड़ी (बरेली)

संचारी रोग नियंत्रण अभियान की समीक्षा हीट वेव से निपटने के सख्त निर्देश

शाह टाइम्स ब्यूरो

बरेली। अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) पूर्णिमा सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनस्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर गहन चर्चा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

अपर जिलाधिकारी ने समस्त एम.ओ.आई.सी. को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने अस्पतालों में हीट वेव से बचाव के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें, ताकि मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में डेंगू और मलेरिया के मामले बढ़ रहे हैं और इनकी निगरानी सीधे विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा की जा रही है, इसलिए किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में नगर निकाय और संबंधित विभागों को नालियों की नियमित सफाई, झाड़ियों की कटाई, एंटी लार्वा छिड़काव और फॉगिंग कार्य प्राथमिकता से कराने के निर्देश दिए गए, ताकि मच्छरों के प्रजनन को रोका जा सके। इसके साथ ही दूषित पानी देने वाले हैंडपंपों का चिन्हांकन कर उन पर लाल निशान लगाने और लोगों को जागरूक करने के निर्देश भी दिए गए।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजड़ू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं मौहल्ला सुफी टोला शाहजहांपुर रोड़ बरेली, उप्र।

सम्पादक:
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
☎0581-2562222 (बरेली)
मुख्यालय:
मोबाइल-9720007290
R.N.I. No UPHIN/2003/11165
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

डीएम ने पूर्व सैनिकों की समस्याएं सुनी

लंबित शिकायतों के त्वरित निस्तारण के निर्देश

शाह टाइम्स ब्यूरो

बिजनौर। डीएम जसजीत कौर की अध्यक्षता में आज दोपहर कलेक्ट्रेट में जिला सैनिक बंधु की बैठक आयोजित हुई।

डीएम जसजीत कौर ने जिला सैनिक कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया कि विगत बैठक के जो प्रकरण लंबित हैं, उन्हें विभागीय अधिकारियों के माध्यम से निस्तारित कराना सुनिश्चित करें। यदि किसी विभाग से कोई समस्या हो, तो उन्हें संज्ञानित करें, ताकि संबंधित अधिकारी से लंबित समस्या का निस्तारण सुनिश्चित कराया जा सके। उन्होंने कहा कि पूर्व सैनिकों की समस्याओं के निदान के लिए जिला प्रशासन प्रतिबद्ध है और उनकी सभी शिकायतों का प्रभावी ढंग से निस्तारण कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने उनकी समस्याओं के निराकरण के लिए सैनिक बंधु बैठक के रूप में जो प्लेटफार्म दिया है, जिला प्रशासन इसका भरपूर लाभ उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने सभी पूर्व सैनिक शिकायतकर्ताओं की शिकायत को बहुत ही ध्यानपूर्वक सुना और सम्बंधित अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के लिए कहा गया। बैठक में पूर्व सैनिकों द्वारा सड़क, भूमि विवाद, शस्त्र लाइसेंस, अवैध अतिक्रमण आदि के संबंध में शिकायतें डीएम के समक्ष प्रस्तुत की गईं। उन्होंने प्राप्त शिकायतों के सापेक्ष शिकायतकर्ताओं को आश्वस्त करते हुए कहा कि प्रशासन उनकी शिकायतों के समाधान के लिए गंभीर है। समस्याओं का प्राथमिकता के साथ समयपूर्वक तत्पर के साथ निस्तारण कराया जाएगा। बैठक के दौरान जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कैप्टन अनिल गुप्ता सहित अन्य विभागीय अधिकारी एवं पूर्व सैनिक बंधु मौजूद थे।

बीएससी तृतीय सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित

शाह टाइम्स संवाददाता

किरतपुर। मौलाना मोहम्मद अली जौहर हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूट का बीएससी तृतीय सेमेस्टर वर्ष 2025 का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया गया। परिणाम में छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए संस्थान का नाम रोशन किया।

परीक्षा में जैनब परवीन और इलमा जबी ने 73.5 प्रतिशत अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं अलीशा परवीन ने 72.6 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया। जबकि जैनब शाहिद ने 70 प्रतिशत अंक पाकर तृतीय स्थान हासिल किया।

इस मौके पर कॉलेज के प्रबंधक मौहम्मद साईम राजा ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कॉलेज के प्राचार्य डा. मोहित बंसल ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे आदर्श नागरिक बनकर देश और समाज की सेवा करें।

विज्ञान विभाग की प्रवक्ता रिजवाना खान, ईरम शाहिद, निशा परवीन एवं अल्फिया सिद्दीकी ने भी सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

छात्राओं का शानदार प्रदर्शन

एक नजर

लापता युवक की गुमशुदगी दर्ज

नांगल सोती। नांगल निवासी विकास उर्फ विक्की पुत्र लाखन सोमवार देर शाम से घर से लापता है, जिससे परिवार में हड़कंप मचा हुआ है। परिजनों ने काफी रिश्तेदारियों सहित विकास को आसपास के गांव और जंगल में तलाश किया। लेकिन उसका कहीं पता नहीं चल पाया, आखिर में थक हारकर पुलिस को इस बाबत सूचित किया गया। जिस पर पुलिस ने युवक की गुमशुदगी दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की है।

कपड़ा व्यापारी के घर चोरी का खुलासा नहीं

हीमपुर दीपा। ग्राम हीमपुर दीपा की बीच बस्ती में कपड़ा व्यापारी मुनीश बंसल के घर 31 मार्च को दिनदहाड़े शातिर चोर ने घर खंगाल दिया और उनके घर से सोने-चांदी के आभूषण और करीब 60 हजार की नगदी लेकर रफूचक्कर हो गया। पुलिस 22 दिन बाद भी अपने खाली हाथ लिए बैठी है। कानून के ये रवैये हाथ अब 22 दिन बीत जाने के बाद बीने नजर आ रहे है।

विद्युत ट्रांसफार्मर में लगी आग

नांगल सोती। मौहल्ला बड़तला में विद्युत आपूर्ति के लिए 63 केवीए का ट्रांसफार्मर रखा है। जिससे लगभग 120 कनेक्शन जुड़े हैं। मंगलवार की दोपहर विद्युत आपूर्ति के दौरान अचानक ट्रांसफार्मर में आग लग गई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने इसकी सूचना विद्युत कर्मियों को दी। मौके पर पहुंचे कर्मियों ने बिजली आपूर्ति बंद कराकर आग पर काबू पाया। जिससे हादसा होने से टल गया। उधर विद्युत निगम के जेई नूतन प्रकाश ने बताया कि कूड़े के ढेर में आग लगने के कारण ट्रांसफार्मर में आग लग गई थी, समय से आग पर काबू पा लिया था। ट्रांसफार्मर चालू स्थिति में है जिससे बिजली आपूर्ति सुचारू कर दी गई है।

हिरण के शावक पर कुत्तों का हमला

किरतपुर। जंगल से भटक कर मौहल्ला अहमद खेल आबादी क्षेत्र में घुसे एक हिरण को कुत्तों ने हमला कर घायल कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग और स्थानीय पुलिस टीम मौके पर पहुंची। टीम ने तत्परता दिखाते हुए घायल शावक को कुत्तों के बीच से सुरक्षित बाहर निकाला और उसका प्राथमिक उपचार कराया। वन अधिकारियों ने बताया कि शावक को सुरक्षित तरीके से जंगल में छोड़ दिया गया है। साथ ही उन्होंने लोगों से अपील की कि इस तरह के वन्य जीव दिखाई देने पर उन्हें नुकसान न पहुंचाएं और तुरंत संबंधित विभाग को सूचना दें। इस घटना से क्षेत्र में कुछ समय के लिए दहशत का माहौल बना रहा, लेकिन समय रहते रेस्क्यू होने से हिरण के शावक की कुत्तों से जान बच गई और एक बड़ा हादसा टल गया।

के.एस. में शतरंज प्रतियोगिता

कोतवाली देहात। केएस चिल्ड्रेंस एकेडमी में एक दिवसीय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन तीन वर्गों में किया गया। जिसमें स्कूल के चारों सदनों के बच्चों ने शानदार किया। प्रतियोगिता का शुभारंभ स्कूल के प्रधानाचार्य इंद्रपाल सिंह ने फीता काटकर व खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त कर किया। सीनियर बालक वर्ग में फाइनल मुकाबला जल सदन के प्रेरित और अग्नि सदन के तुषार के बीच खेला गया। कड़े मुकाबले में अग्नि सदन के तुषार ने जीत हासिल कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। सीनियर बालिका वर्ग में फाइनल मुकाबला अग्नि सदन की वंशिका जैन और वायु सदन की प्रियांशी के बीच खेला गया। जिसमें वंशिका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। जूनियर बालक वर्ग का फाइनल मुकाबला वायु सदन के शशांक एवं अग्नि सदन के तनिष्क के मध्य खेला गया। जिसमें शशांक ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता का संचालन खेल शिक्षक शंकर कुमार व खुशबू सोढ़ी ने किया। प्रधानाचार्य इंद्रपाल सिंह ने बच्चों को शतरंज के नियम व इस खेल से जुड़ी अनेक जानकारी दी एवं बच्चों को खेल भावना व खेल के प्रति जागरूक भी किया। प्रधानाचार्य ने प्रतिभागियों को मेडल एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया।

चार के खिलाफ मारपीट का मुकदमा

कासमपुर गढ़ी। ग्राम लालबाग निवासी जिंदेल सिंह उर्फ बिंदर पुत्र लक्ष्मण सिंह ने थानाध्यक्ष रेहड़ को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि गांव के ही मोहन सिंह, मंगल सिंह व परमजीत सिंह पुत्रगण मक्खन सिंह व मोहन सिंह की पत्नी सिमरन कौर उससे पुरानी रंजिश रखते हैं। उसके खेत में आए दिन नुकसान पहुंचाते रहते हैं। आरोप है कि 13 अप्रैल को भी इन्होंने गाली-गलौच करते हुए मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। थानाध्यक्ष राजीव कुमार वर्मा ने बताया कि बिंदर सिंह की तहरीर पर चारों आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मिल गेट क्षेत्र का निरीक्षण

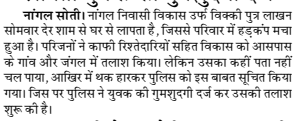

धामपुर। धामपुर शुगर मिल के उपाध्यक्ष आशीष शर्मा और विभागाध्यक्ष गन्ना विकास करुण अग्रवाल ने मिल गेट क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने ग्राम नंगला का दौरा किया और किसान यशवंत सिंह के गन्ने के खेतों का निरीक्षण किया। उन्होंने सीओ 0118, सीओएस 18231, 13235 और कोलक 16202 किस्मों की फसल की स्थिति और पेडी प्रबंधन गतिविधियों का जायजा लिया। इसके बाद ग्राम चकराजमल, सराय (हरियाणा), बुआपुर और बख्शनपुर का भी दौरा किया। इस दौरान वरिष्ठ प्रबंधक (गन्ना) मनोज चौहान व जोनल अधिकारी दिनेश राजपूत आदि उपस्थित रहे।

लिंग चयन प्रतिषेध अधिनियम विषय पर साक्षरता शिविर

शाह टाइम्स ब्यूरो

धामपुर। महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज हबीबवाला में राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के एक्शन प्लान के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा निर्देशित लिंग चयन प्रतिषेध अधिनियम 1996 विषय पर एक विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में पीएलवी जयवीर सिंह ने उपस्थित लोगों को बताया कि यह कानून भ्रूण हत्या को रोकने और प्रसव पूर्व लिंग निर्धारण जांच पर प्रतिबंध लगाकर घटते लिंग अनुपात को नियंत्रित करने के लिए बनाया गया है। प्रसवकाल में लिंग चयन तकनीकों को भी शामिल करके कानून को सख्त बनाने के लिए 2003 व 2011 में संशोधन किए गए है। इस अधिनियम के अंतर्गत आने वाले अपराध संज्ञेय, गैर जमानती और गैर-समझौता योग्य बना दिया गया है।

लिंगानुपात 1:1 होना चाहिए। 2011 की जनगणना अनुसार 1000:943 है। लिंगानुपात में सुधार आवश्यक है।

शिविर में शाहनवाज, अंजलि पीएलवी राजीव कुमार, गजेंद्र कुमार, सुनील आदि उपस्थित रहे।

लिंगानुपात में सुधार आवश्यक

सपा सरकार में हटेंगे स्मार्ट मीटर

उपभोक्ताओं को 300 यूनिट बिजली फ्री मिलेगी : बी.के. कश्यप

शाह टाइम्स ब्यूरो

बिजनौर। सपा नेताओं ने कहा प्रदेश में उनकी पार्टी की सरकार बनने के बाद सभी स्मार्ट मीटर हटा दिए जाएंगे और उपभोक्ताओं को 300 यूनिट फ्री बिजली मिलेगी।

सपा पिछड़ा वर्ग के जिला अध्यक्ष बीके कश्यप एड. के संयोजन में सपा जिला कार्यालय पर विभिन्न प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्षों की महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। अल्पसंख्यक सभा के जिलाध्यक्ष महमूद कस्सार ने कहा कि 2027 में हम सभी सपा की सरकार बनाने का कार्य करेंगे। यूथ ब्रिगेड के जिलाध्यक्ष नवाब मंसूरी ने संगठन को मजबूत करने की बात कही। व्यापार सभा के जिलाध्यक्ष राजेश गोयल ने कहा कि भाजपा व्यापारियों का उत्पीड़न कर रही हैं। छात्र सभा के जिलाध्यक्ष फैजान ने कहा कि पार्टी प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्षों को भी पार्टी के बड़े नेताओं को सम्मान देने का कार्य करना चाहिए। सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष रामचंद्र बबली ने नेता जी को याद कर संगठन को मजबूत करने की बात कही। आशुतोष विश्वकर्मा ने कहा कि इस कार्यक्रम के संयोजक बीके कश्यप एड. ने सभी को सम्मान देने और नौजवानों के हक अधिकार की एक अच्छी पहल की है। युवजन सभा के प्रदेश सचिव तरुण लांबा ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को नौजवानों की आवाज बताया। बैठक में सभी नेताओं ने एकजुट रहने और बूथ स्तर पर पार्टी को मजबूत करने की रणनीति तैयार की। हर माह सारे नेता मिलकर एक बड़ी बैठक जिला कार्यालय पर करेंगे। बीके कश्यप एड. ने कहा कि प्रकोष्ठ के सभी जिलाध्यक्षों को सम्मान तभी मिलेगा, जब उत्तर प्रदेश में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में सरकार बनेगी। सभी एकजुट होकर 2027 की तैयारियों में लग जाओ। हम सभी नौजवानों की जिम्मेदारी अधिक है। प्रत्याशी कोई हो, हमें केवल अखिलेश यादव और साईकिल को मजबूत करना है। बैठक का संचालन सोहेल बाकर ने किया। इस मौके पर अजीम कुरैशी, शराफत प्रधान, वारिस, राजकुमार शर्मा, नमन प्रधान, दिलशाद अंसारी, अखलाक पप्पू, सुरेंद्र बाल्मीकि, आसिफ आदि लोग भी उपस्थित रहे। इससे पहले बीके कश्यप एड. ने सभी जिलाध्यक्षों का माल्यार्पण कर स्वागत किया।

सड़क हादसे में युवक की दर्दनाक मौत

शाह टाइम्स संवाददाता

शेरकोट। नूरपुर-धामपुर मार्ग स्थित नींदड़ के निकट एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत से परिवार सहित नगर में शोक की लहर दौड़ गई। वहीं मृतक युवक का पोस्टमार्टम के बाद दफिना कर दिया गया।

प्राप्त समाचार के अनुसार नगर के मौहल्ला शेखान निवासी 20 वर्षीय मौहम्मद कैफ की सोमवार देर शाम दुर्घटना में मौत हो गई थी। जिसके बाद मंगलवार को उन्हें नम आंखों से सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया। जनाजे में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और हर आंख नम नजर आई। परिजनों के अनुसार सोमवार देर शाम कैफ अपने पड़ोसी सुफियान के साथ एक पारिवारिक कार्यक्रम से बाइक द्वारा घर लौट रहा था। तभी धामपुर-नूरपुर मार्ग पर ग्राम नींदड़ के पास पेट्रोल पंप के सामने उनकी बाइक की सामने से आ रही दूसरी बाइक से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कैफ ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि सुफियान गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तुरंत इलाज के लिए मुरादाबाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। बताया गया कि कैफ अपने पिता की इकलौती संतान था, जिसे उन्होंने गोद लिया था। युवक की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

नगर में शोक की लहर

टिटनेस और डिप्थीरिया का टीकाकरण

धामपुर। लाला केदारनाथ सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में टिटनेस व डिप्थीरिया का टीकाकरण कराया गया। इसके तहत 13, 14, 15 व 16 वर्ष के विद्यार्थियों को टीडी वैक्सीन लगाई गई है। प्रधानाचार्य आभावती ने सभी अभिभावकों से अपील से कहा कि सभी पात्र छात्राओं का टीकाकरण अवश्य कराएं। क्योंकि यह टिटनेस और डिप्थीरिया जैसी गंभीर बीमारियों से बचाव का प्रभावी उपाय है। आशा शकीला व अमृता चौधरी एएनएम द्वारा टीकाकरण कराया गया।

अवैध खनन के खिलाफ प्रदर्शन

राजा का ताजपुर। भाकियू (अराजनीतिक) के कार्यकर्ताओं ने प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए प्रदर्शन कर ताजपुर-स्योहारा मार्ग जाम कर दिया। जाम के चलते सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। जिससे नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। किसानों का आरोप है कि क्षेत्र में संचालित ईंट-भट्टों के लिए हो रहे मिट्टी के खनन और ओवरलोड ट्रैक्टर ट्रॉलियों के आवागमन से सड़कों की हालत बेहद खराब हो गई है। परिवहन के दौरान रास्तों पर गिरने वाली मिट्टी सूखकर धूल बन जाती है, जो हवा में उड़कर आम जनजीवन को प्रभावित कर रही है। धूल के कारण लोगों को सांस लेने में दिक्कत हो रही है और आंखों से संबंधित बीमारियां भी बढ़ रही हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि सड़कों पर जमी मिट्टी की परत के कारण दोपहिया वाहन फिसल रहे हैं, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने बताया कि इस समस्या को लेकर कई बार संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा जा चुका है, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला। कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। किसानों ने चेतावनी दी कि जब तक ईंट-भट्टों के वाहनों पर नियंत्रण नहीं किया जाता और सड़कों की सफाई व मरम्मत का कार्य शुरू नहीं होता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि यदि जल्द ही समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकाला गया, तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। थाना प्रभारी संजय कुमार ने किसानों को समझाया तब जाकर किसानों ने धरना प्रदर्शन समाप्त किया। इस मौके पर यादराम सिंह, बंटी सिंह, पिंकू सिंह, दीपक सिंह, अंकुर सिंह, विजय पाल सिंह आदि मौजूद रहे।

टाइगर व गंगा हेरीटेज के नाम से विशेष बस सेवा

डीएम ने एआरएम रोडवेज से कार्य योजना शासन को प्रेषित करने को कहा

शाह टाइम्स ब्यूरो

बिजनौर। डीएम जसजीत कौर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट में जिला उद्योग बंधु की समीक्षा बैठक आयोजित हुई।

प्राप्त समाचार के अनुसार बैठक में डीएम जसजीत कौर ने एआरएम रोडवेज को निर्देशित किया कि बिजनौर टाइगर-गंगा हेरीटेज के नाम से विशेष बस सेवा प्रारंभ कराए जाने से संबंधित कार्य योजना बनाएं और उनके द्वारा शासन को प्रेषित करना सुनिश्चित करें। उन्होंने विकास कुमार अग्रवाल डिविजनल अध्यक्ष द्वारा जिले में फ्लाई ऐश आधारित उत्पादों का उत्पादन करने वाली औद्योगिक इकाइयों के हित के दृष्टिगत ब्रिक्स चौपर के एसओआर में पीडब्ल्यूडी द्वारा फ्लाई ऐश ब्रिक एवं टाइल आदि की दरें निर्धारित करने के अनुरोध पर संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने उपायुक्त उद्योग को निर्देशित किया कि शासन की औद्योगिक नीतियों का प्रचार-प्रसार एवं प्रभावी क्रियान्वयन करते हुए अधिक से अधिक निवेश आकर्षित किया जाए, जिससे रोजगार के अवसर बढ़ सकें। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए निवेशकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं तथा उनकी समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निवेश मित्र पोर्टल पर लम्बित विभागीय प्रकरणों को भी जल्द से जल्द निस्तारण करने के निर्देश विभागीय अधिकारी को दिए। उन्होंने उपायुक्त उद्योग को निर्देशित किया कि जनपद में औद्योगिक विकास में गतिशीलता लाने के उद्देश्य से निवेशकों एवं उद्यमियों के सम्मुख आने वाली समस्याओं का प्राथमिकता एवं तत्परता के साथ निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि जनपद का औद्योगिक विकास और अधिक तेजी से आगे बढ़ सके। उन्होंने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत बैंकों को निर्देश दिये कि पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों की गुणवत्ता पूर्वक जांच करते हुए सही प्रकार से स्वीकृत करना सुनिश्चित करें, जिससे कि योजना का लाभ अधिक से अधिक लाभार्थियों को प्राप्त हो सके। उन्होंने एमओयू क्रियान्वयन तंत्र की समीक्षा करते हुए कहा कि जनपद में हस्ताक्षरित एमओयू को यथाशीघ्र धरातल पर लाने तथा उन्हें यथाशीघ्र उत्पादनरत बनाने के लिए प्रयास करें। बैठक के दौरान उद्यमियों द्वारा विद्युत आपूर्ति, सड़क, परिवहन, भूमि आवंटन, बैंक ऋण, प्रदूषण संबंधी अनुमति एवं अन्य जनहित से जुड़े विभागीय समस्याओं को उठाया गया। जिन पर डीएम ने संबंधित अधिकारियों को शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डीएम द्वारा पीएम विश्वकर्म योजना की समीक्षा के दौरान पोर्टल पर प्रदर्शित कुल आवेदन पत्र 578 जिसके सापेक्ष प्रथम स्तरीय सत्यापन 227, द्वितीय स्तरीय सत्यापन 108 तथा तृतीय स्तर पर स्वीकृति की संख्या 85 पाई गई। सीएम युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत 1700 आवेदन पत्रों के लक्ष्य के सापेक्ष बैंकों को प्रेषित 441, बैंक द्वारा स्वीकृत 13, बैंक द्वारा वित. रित 22, लंबित आवेदन 428 तथा 11 आवेदन बैंकों द्वारा अस्वीकृत किया जाना प्रकाश में आया।

इस मौके पर सीडीओ, उपायुक्त उद्योग अमित कुमार, संबंधित विभागीय अधिकारी सहित विकास कुमार अग्रवाल, मुनीश त्यागी, नितिन अग्रवाल आदि मौजूद थे।

नवांगतुक जिलाधिकारी ने संभाला कार्यभार

केन्द्र व राज्य सरकार के जनपद में चल रहे प्रोजेक्ट समयबद्धता से होंगे पूरे: अरविन्द चौहान

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। नवागत जिलाधिकारी अरविन्द कुमार चौहान ने मंगलवार को कोषागार में कार्यभार ग्रहण किया।

अरविंद कुमार चौहान वर्ष 2015 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के आईएएस अधिकारी है। इससे पूर्व वह जिलाधिकारी शामली, मुख्य विकास अधिकारी बहराईच, प्रयागराज विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष, समाज कल्याण विभाग में विशेष सचिव, यूपी बिल्डिंग एण्ड अदर कन्स्ट्रक्शन वर्कर वेलफेयर बोर्ड में सचिव, मिर्जापुर और आजमगढ में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट पद पर अपनी सेवा दे चुके हैं।

कार्यभार ग्रहण करने के बाद उन्होने कहा कि उनकी प्राथमिकता रहेगी कि शासन की मंशा के अनुसार समस्या का समाधान संबंधित स्तर पर ही कराया जाएगा। उत्तर प्रदेश और भारत सरकार के जो महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट जनपद में चल रहे हैं उनको समयबद्धता से पूर्ण कराया जाएगा। जन शिकायतों का समयबद्ध प्रभावी निस्तारण को प्राथमिकता दी जाएगी। सरकार द्वारा चलायी जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं को पूरी तरह धरातल पर उतारा जाएगा। प्रत्येक पात्र को लोककल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सहारनपुर एक प्रगतिशील जिला है, इसको हम मिलकर और ज्यादा प्रगति के पथ पर लेकर जाएंगे।

कार्यभार ग्रहण करते समय मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सलिल कुमार पटेल, अपर जिलाधिकारी न्यायिक राम आसरे वर्मा, सिटी मजिस्ट्रेट कुलदीप सिंह, मुख्य कोषाधिकारी सूरज कुमार एवं कलेक्ट्रेट के सभी कर्मचारी उपस्थित रहे।

चार्ज संभालने से पहले मां शाकम्भरी देवी के दर्शन कर लिया आशीर्वाद

शाह टाइम्स संवाददाता

बेहट। नवागंतुक जिलाधिकारी अरविंद कुमार ने पद भार गृहण करने से पूर्व सिद्धपीठ शाकंभरी देवी दर्शन कर आशीर्वाद लिया मातारानी के दर्शन के बाद ही उन्होंने जिला मुख्यालय पहुंचकर पद भार गृहण किया।

मंगलवार को सहारनपुर के नवागंतुक जिलाधिकारी अरविन्द कुमार चौहान सीधे जनपद शामली से अधीनस्थ अधिकारियों कर्मचारियों के साथ सिद्धपीठ मां शाकंभरी देवी मंदिर पहुंच कर मां भवानी के दर्शन कर प्रसाद चढ़ाया। इससे पहले उन्होंने बाबा भूरादेव मंदिर में पहुंच कर दर्शन किए। दर्शन करने बाद जिलाधिकारी अरविन्द सिंह चौहान का सिद्धपीठ शाकंभरी देवी मंदिर प्रबंधक आदित्य प्रताप कुंवर अतुल्य प्रताप राणा ने अपने कार्यालय मे उनका फूल मालाएं डालकर स्वागत किया गया और उनको शाकंभरी देवी का चित्र भेंट किया गया। दर्शन करने के बाद जिलाधिकारी जिला मुख्यालय पहुंचे जहां उन्होंने पद भार गृहण किया। उल्लेखनीय है कि दो दिन पूर्व शासन ने डीएम मनीष बंसल का तबादला आगरा किया गया था और शामली के डीएम अरविंद कुमार चौहान को सहारनपुर का जिलाधिकारी बनाया गया था। इस मौके पर नायाब तहसीलदार देवेन्द्र कुमार प्रजापति थाना प्रभारी निरीक्षक मिर्जापुर सूबे सिंह आदि कर्मचारीगण मौजूद रहे।

जयन्त चौधरी के विचारों को सुनने भारी तादाद में पहुंचे: चौ. नीरपाल

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। राष्ट्रीय लोकदल खेल प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व राज्यमंत्री चौ नीरपाल सिंह ने कहा कि जयंत चौधरी 2027 में रालोद की नैय्या को पार करेंगे।

चौ.नीरपाल सिंह हकीकत नगर कैंप कार्यालय पर मासिक बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल मिशन 2027 फतेह की तैयारी में जुट गया है। जिसके तहत पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी 25 अप्रैल को सिवालखास के इकडी गांव में विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे और 2 मई को गुरुकुल नारसन के गांव हरजौली जट्ट उत्तराखंड में विशाल रैली के माध्यम से शंखनाद करेंगे। उन्होंने राष्ट्रीय लोकदल के सभी कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि अपने नेता जयंत चौधरी के आगमन पर जबरदस्त स्वागत की तैयारी करें। राष्ट्रीय लोकदल 2027 में बहुत बड़ी ताकत बनेगा।फिर से राष्ट्रीय लोकदल का चौधरी चरण सिंह वाला दौर आयेगा। खेल प्रकोष्ठ के क्षेत्रीय अध्यक्ष शारिक चौधरी ने कहा कि रालोद कार्यकर्ता चौधरी चरण सिंह युग लाकर ही चैन से बैठेंगे।

इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष अरविंद मलिक, राजदीप ढाका, नितिन कुमार, आरिफ चौधरी, विवेक पंवार, रोहित राणा उपस्थित रहे।

अधिवक्ताओं ने की चैंबर व पार्किंग की मांग

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। सहारनपुर अधिवक्ता एसोसिएशन से जुड़े अधिवक्ताओं के लिए सिविल कोर्ट परिसर में चैम्बर निर्माण एवं पार्किंग बनवाने के लिए मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट को सौंपा।

महासचिव पालम राणा एडवोकेट के नेतृत्व में कहा गया कि सहारनपुर सिविल कोर्ट न्यायालय में लगभग 2,600 अधिवक्ता कार्यरत है। न्यायालय परिसर में मात्र लगभग 50 पक्के चैम्बर्स बने हुए हैं। इनके अलावा सभी अधिवक्ता टिन शैड के बनाये गये चौम्बर्स में बैठकर अपना विधि व्यवसाय करते हैं। उल्लेखनीय है कि जनपद के आस पास स्थित जनपदों मुजफ्फरनगर, मेरठ, बागपत, शामली आदि जिलों में अधिवक्ताओं के लिए बहुमंजिली इमारतें बनाकर चैम्बर्स आवंटित किये गये हैं टिन शैड के चैम्बर्स की व्यवस्था से अधिवक्ताओं को मुक्ति मिली है।

ज्ञापन देने वालो में चौ रणधीर सिंह एडवोकेट, अशोक पुण्डीर एडवोकेट, सतीश चौधरी सहजवा एडवोकेट, जमाल साबरी एडवोकेट ,राकेश त्यागी एडवोकेट, अरुण चौधरी एडवोकेट, कादिर राणा एडवोकेट, अनिता शर्मा एडवोकेट, ऐजाज एडवोकेट, राव फैसल एडवोकेट, जुबैर अली एडवोकेट, सुमित कटारिया एडवोकेट, मौ बिलाल एडवोकेट, अरविन्द कुमार एडवोकेट, सरफराज अहमद एडवोकेट, नियाज हुसैन एडवोकेट, सौरभ कुमार एडवोकेट, पंकज कुमार एडवोकेट, अरुण कुमार शर्मा एडवोकेट, संदीप पंवार एडवोकेट, प्रवीण कुमार एडवोकेट,सतेंद्र कुमार एडवोकेट,प्रीतम सिंह एडवोकेट,आदि अधिवक्तागण शामिल रहे।

तोल केन्द्र का शुभारंभ

गंगोह। क्रय विक्रय सहकारी समिति गंगोह के सरकारी गेंहू तोल केंद्र का आज से शुभारम्भ हो गया है।

अनाज मंडी में नवीन सैनी डायरेक्टर क्रय विक्रय सहकारी समिति द्वारा तोल कार्य की शुरूआत कराकर शुभारंभ किया गया। नवीन सैनी ने विभागीय कर्मचारियों को निर्देशित किया कि किसानों को अपना अनाज बेचने में किसी तरह की भी परेशानी का सामना ना करना पड़े। इस दौरान अश्वनी, विपुल, दीपक, सचिव वीरेंद्र चौधरी, आंकिक, अमित कुमार, मुकेश कुमार आदि मौजूद रहे।

पार्षदों ने अपर नगर आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। जन्म मृत्यु के जोनल ऑफिस को लेकर सर्वदलीय पार्षदों के प्रतिनिधि मंडल ने अपर नगर आयुक्त को ज्ञापन सौंपा।

प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व करते हुए वरिष्ठ सपा नेता और पार्षद अभिषेक टिंकू अरोड़ा ने कहा कि नगर निगम द्वारा जन्म मृत्यु विभाग को नगर में स्थित वार्डों को तीन जोनल में बांटने का काम किया जिसमें मुस्लिम इलाके के जितने भी वार्ड है सभी को दिल्ली रोड पर मनोहरपुर जोन ऑफिस बनाकर उसमें शिफ्ट कर दिया गया जिससे पार्षदों के साथ-साथ आम नागरिकों को अत्यधिक परेशानी हो रही है और पिछले लगभग चार या पांच माह से जन्म प्रमाण पत्र और मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने में अत्यधिक कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। टिंकू अरोडा ने दूरभाष पर नगर आयुक्त से भी बार्ता की। नगर आयुक्त द्वारा आश्वासन दिया गया की सबसे बार्ता कर नए जॉन में उन्हें शिफ्ट किया जाएगा।

इस मौके पर पार्षद हाजी गुलशेर, पार्षद हाजी नूरआलम, पार्षद फराज अंसारी, पार्षद नदीम अंसारी, पार्षद रजीब अन्नू, पार्षद अब्दुल खालिक, पार्षद नितिन जाटव आदि पार्षद मौजूद रहे।

जानलेवा हमले का फरार आरोपी गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

चिलकाना। थाना पुलिस टीम ने अपने ही दोस्त के ऊपर पेट्रोल डालकर आग लगाने के एक मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया है।

ज्ञात हो कि विगत 18 अप्रैल 2026 को ग्राम अबदुल्लापुर अहाड़ी में सोनू पुत्र अनिल आग लगने से झुलस गया था। सूचना पाकर तुरंत मौके पर पहुंची डायल 112 व स्थानीय पुलिस टीम ने घायल सोनू को उपचार के लिए पिलखनी अस्पताल में भिजवाया था। 19 अप्रैल को घायल के भाई जोनी पुत्र अनिल की तहरीर पर सोनू के साथ मारपीट करने तथा जान से मारने की नीयत से पैट्रोल डालकर आग लगा देने के सम्बन्ध में पीड़ित सोनू के ही एक दोस्त आरोपी सौरभ पुत्र जसवीर उर्फ जग्गा निवासी ग्राम अब्दुल्लापुर के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया था। जिसके बाद से ही पुलिस टीम द्वारा फरार आरोपी की तलाश की जा रही थी।

जेईई मेन्स में आकाश इंस्टीटयूट के 5 छात्रों का सलेक्शन

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। आकाश एजुकेशनल सर्विसेज के छात्रों ने जेईई मेन्स में एक बार फिर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी मजबूत तैयारी और शैक्षणिक निरंतरता को साबित किया है।

आकाश इंस्टिट्यूट के 5 छात्रों ने 99 प्रतिशत और उससे अधिक अंक हासिल कर शानदार प्रदर्शन किया। इनमें दिव्यांशी खुराना ने 99.84 प्रतिशत के साथ टॉप किया। उनके अलावा संयम गुप्ता ने 99.75, देवांश गोयल ने 99.59, ईशान सिंह ने 99.52 और यशस्वी सिंह ने 99.17 प्रतिशत प्राप्त किए।

रीजनल डायरेक्टर डी. के. मिश्रा ने कहा सहारनपुर के छात्रों की सफलता उनकी पढ़ाई के प्रति समर्पण और आकाश के मजबूत लर्निंग सिस्टम को दर्शाती है।

गुमशुदा युवती सकुशल बरामद

चिलकाना। थाना पुलिस टीम में गुमशुदा युवती को सकुशल बरामद करते हुए परिजनों के सुपुर्द किया है। परिजनों ने पुलिस का आभार व्यक्त किया है।

दो दिन पूर्व 20 अप्रैल को पीड़ित द्वारा थाना पर तहरीर देकर बताया गया कि पीड़ित की 22 वर्षीय बहन 19 अप्रैल को शाम के समय करीब 6:00 बजे बिना बताए घर से कहीं चली गयी है। थाना प्रभारी द्वारा पीड़ित की तहरीर पर तत्काल संज्ञान लेते हुए गुमशुदा युवती की बरामदगी हेतु टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए गुमशुदा की तलाश आरम्भ कर दी गई। मात्र लगभग 24 घण्टे बाद गुमशुदा युवती को सहारनपुर से सकुशल बरामद कर लिया गया। गुमशुदा युवती से पूछताछ के दौरान उसने बताया कि परिजनों ने उसे किसी बात को लेकर डांट दिया था। इसी बात से नाराज होकर वह घर से चली गयी थी। गुमशुदा की सकुशल बरामदगी को लेकर परिजनों ने पुलिस टीम की कार्यशैली की प्रसंशा करते हुए आभार व्यक्त किया है।

दुष्कर्म का वांछित दबोचा

सहारनपुर। थाना जनकपुरी पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म करने के मामले में वांछित चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

24 मार्च को वादिया श्रीमती गीता पत्नी नोरतू निवासी पुष्पांज. लि विहार जनता रोड थाना जनकपुरी ने थाने में लिखित तहरीर देकर बताया था कि आरा. पी नीरज पुत्र श्याम सिंह निवासी ग्राम बहादरपुर थाना देवबंद व अन्य द्वारा उसकी नाबालिग पुत्री के साथ शारीरिक सम्बंध बनाकर तथा घटना के बारे में बताने पर जान से मारने की धमकी दी थी। पुलिस ने वादिया की तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दी थी।

शिक्षकों से रणनीति पर परिचर्चा

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। एनपीआरसी शेखपुरा कदीम के प्राथमिक विद्यालय घोघरेकी में शिक्षक संकुल बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में जिला समन्वयक अरविंद कुमार सिंह ने शिक्षकों को मासिक बैठक के एजेंडे के अनुसार स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत निर्धारित गतिविधियों को आयोजित करने हेतु शिक्षकों से रणनीति पर चर्चा परिचर्चा के माध्यम से शैक्षिक कैलेंडर,ड्रॉप आउट एवं आउट ऑफ स्कूल बच्चों का शत- प्रतिशत नामांकन कराने पर चर्चा की। विभिन्न विद्यालयों से आए हुए शिक्षकों ने भी अपने विचार एवं अनुभव साझा किए। बैठक में शशिकांत प्रसाद सिंह स्पेशल एजुकेटर के द्वारा दिव्यांग बच्चों के सर्वे, नामांकन, उपस्थिति एवं विभाग द्वारा दी जा रही सुविधाओं की जानकारी देते हुए सभी शिक्षकों से बच्चों का नामांकन करने हेतु अनुरोध किया गया।

बैठक में राम नरेश, ब्रह्मपाल, विकास मित्तल, श्रीमती सुमन एवं एनपीआरसी के विभिन्न शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं ने प्रतिभाग किया। बैठक का संचालन चांद मियां अंसारी ने किया।

गन्ना किसानों के संपर्क में रहे: वी.बी.सिंह

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। मण्डल के गन्ने विभाग के नोडल अधिकारी ओर अपर गन्ना आयुक्त उत्तर प्रदेश डॉ वी.बी. सिंह ने सभी विभागीय ओर चीनी मीलों के अधिकारियों को निर्देश दिये वह लगातार फील्ड विजिट करते हुए सभी गन्ना किसानों के साथ सम्पर्क करते रहें।

अपर गन्ना आयुक्त मंडल की समीक्षा बैठक ले रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि गने विभाग ओर चीनी मीलों के गोदामों पर पर्याप्त मात्रा में दवाई उर्वरक ओर कीटनाशक की उपलब्धता सुनिश्चित रहे किसी भी किसान को कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। किसानों की मांग पर फार्म मशीनरी बैंक से यंत्र भी नियमानुसार दिए जाएं।

इससे पूर्व उन्होंने मंडल के तीनो जनपदों में खेतों पर स्वयं भी निरीक्षण किया जिसमें चीनी मिल क्षेत्र तितावी, जिला-मुजफ्फरनगर के ग्राम लकडसधा में गन्ना बुआई का निरीक्षण किया। जिसके बाद नोडल अधिकारी द्वारा चीनी मिल क्षेत्र देवबन्द, के ग्राम साखनखुर्द में गन्ना बुआई का निरीक्षण किया।

बैठक में उप गन्ना आयुक्त ओ पी सिंह, डीसीओ मुजफ्फरनगर संजय सिसोदिया, डीसीओ सहारनपुर सुशील कुमार, डीसीओ शामली रणजीत सिंह कुशवाहा सहित सहारनपुर मण्डल के समस्त ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक, समस्त सचिव प्रभारी, ओर समस्त चीनी मीलों के महाप्र. बंधक गन्ना उपस्थित रहे।

एनएचएम कर्मियों ने रखी अपनी समस्याएं

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। स्वास्थ्य विभाग की मंडल स्तरीय जीआरसी मीटिंग मे एनएचएम कर्मियों ने अपनी समस्याएं रखी।

नेहरू मार्किट स्थित अपर निदेशक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कार्यालय मे अपर निद. शक, चिकित्सा-स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण डा कुमुद रानी के समक्ष राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारी संघ की मंडलीय अध्यक्ष एम पी सिंह चावला, मंडल अध्यक्ष उ प्र राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारी संघ डा किशोर सैनी, मंडलीय कार्यक्रम प्रबंधक, मंडलीय कार्यक्रम प्रबंधन इकाई एनएचएम, रंजीत कुमार, जिला कार्यक्रम प्रबंधक,जिला कार्यक्रम प्रबंधक इकाई एनएचएम सहारनपुर डीपीएम मौ खालिद, मुजफरनगर डीपीएम विपिन कुमार, शामली डीपीएम आशुतोष के अलावा मुजफर नगर के जिलाध्यक्ष डा सचिन जैन, कोषाध्यक्ष डा फैसल सिद्दीकी, शुभम माणिक,आशा संघ की मुजफरनगर की जिलाध्यक्ष निर्मला, मुजफरनगर से डा राहुल वर्मा, सहारनपुर से डा विश्वजीत सैनी एवं डा विनय कुमार ने अपनी समस्याओं को रखा।

एन एच एम संघ के मंडल अध्यक्षों एम पी सिंह चावला, डा राजीव सैनी एवं जिला अध्यक्ष किशोर सैनी ने संयुक्त रुप से पांच समस्यायें रखी जिनमे पहली सभी एन एचम कर्मियों के वेतन भुगतान समय हो जो फिलहाल भी पिछले वित्तीय वर्ष मार्च 26 से अब तक नहीं मिला, दूसरा जो एन एच एम सॉवदा कर्मियों इ पी एफ के दायरे मे आते है उन्हें इपीएफ का लाभ मिले, तीसरा एन एच एम सॉवदा कर्मियों की सेवा के दौरान मृत्यु होने पर उनके आश्रितो को नौकरी मिल।

अपर निदेशक महोदया के निर्देश पर मंडलीय कार्यक्रम प्रबंधक रंजीत कुमार द्वारा डिवीजनल अकाउंट मैनेजर चंदन त्रिपाठी से दूरभाष पर वार्ता भी की और दोनों एन एच एम कर्मचारी संघ के मंडल अध्यक्षों से उनकी वार्ता भी करवाई एवं उन्होंने अगले सप्ताह तक वेतन जारी करने की बात कही।

बाइक बरामद

गंगोह। बालाजी धाम मंदिर के बाहर से 4 अप्रेल को मिनाक्षी पुत्री सत्यपाल की हीरो स्पेलेण्डर मोटर साईकिल चोरी चली गई थी। जिसकी अज्ञात चोर के खिलाफ रिपोर्ट वादिया मिनाक्षी ने कोतवाली में दर्ज करादी थी।

पुलिस लगातार बाईक की तलास में लगी हुई थी। मंगलवार को पुलिस ने गणेश शंकर विद्यार्थी तिराहे से एक व्यक्ति को बुडढाखेडा रोड पर जाते हुए पकड लिया। उसके पास से चोरी की मोटरसाईकिल व एक चाकू बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी सारिक उर्फ कैया पुत्र अख्तर निवासी मौहल्ला इलाहीबख्श के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी शुरु करदी है। आरोपी साकिर शातिर किस्म का अपराधी बताया जाता है, जिसके खिलाफ विभिन्न थानों में दस से ज्यादा अपराधिक मुकदमें दर्ज है।

भागवत कथा का श्रवण करें:त्रिदंडी

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। बक्सर से आए हुए श्री श्री 1008 गंगा पुत्र श्री लक्ष्मी नारायण त्रिदंडी स्वामी महाराज ने कहा कि श्रीमद भागवत कथा सुनने से पूर्वजो की मुक्ति होती है और उन्हें वैकुण्ठ लोक की प्राप्ति होती है।

मल्हीपुर रोड स्थित आर्य सिटी में चल रहे श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ एवं अष्टादश महापुराण का पारायण एवं श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ में चतुर्थ दिवस पर आज कथा मे व्यास जी ने बताया कि मनुष्य योनि बड़े पुण्य से प्राप्त होती है अत: मनुष्यो को अपने जीवन में पुण्यकर्म और धर्म करना चाहिये। श्रीमद भागवत में प्रभु के भक्तो का प्रसंग सुनाकर माताओं, बहनों और भक्तो को आत्म विभोर कर मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रहलाद और ध्रुव चरित्र सुनाकर महाराज ने भक्तो को तपस्या का महत्व बताया।

यज्ञाचार्य आचार्य पंडित अमित भारद्वाज ने वैदिक विधान के द्वारा मंडप पूजन यज्ञ कराया। शुभ संकल्पकर्ता आचार्य अरुण चंद्र शर्मा ने सभी भक्तों से कहा कि श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण आत्मा की शुद्धि, मानसिक शांति और प्रभु भक्ति का सुअवसर है।

प्रात: काल केपी सिंह, सोनू पवार, रविंद्र कुमार, वीरेंद्र चौधरी, हेमंत भारद्वाज, अरुण चंद शर्मा, संदीप पवार, राजकुमार चौधरी, अभिषेक त्यागी, सतीश त्यागी, रविंद्र मित्तल, नितिन गुप्ता, कटार सिंह, अनिल गर्ग, अजय कुमार, हरिशंकर शर्मा, सुमित चौधरी आदि पूजन में मौजूद रहे।

रामपुर में टीबी के खिलाफ जंग तेजः 13 हजार से ज्यादा लोगों की जांच, 586 मरीज चिन्हित

सीएमओ डॉ. दीपा सिंह के नेतृत्व में 100 डे अभियान ने पकड़ी रफ्तार, शाहबाद पूरी तरह कवर

शाह टाइम्स संवाददाता

रामपुर। जनपद रामपुर में टीबी के खिलाफ छिड़ी जंग अब निर्णायक मोड़ पर पहुंचती दिख रही है। 100 डे टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग ने बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए अब तक 13,280 लोगों की स्क्रीनिंग कर ली है, जिसमें 586 टीबी मरीजों की पहचान की गई है। यह अभियान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. दीपा सिंह के नेतृत्व में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

जिले के 286 हाई रिस्क गांवों को चिन्हित कर अब तक 111 गांवों में आयुष्मान आरोग्य शिविर लगाए जा चुके हैं। खास बात यह है कि शाहाबाद ब्लॉक को पूरी तरह कवर कर लिया

गया है, जो अभियान की बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।

टीबी की समय पर पहचान के लिए सभी 13,280 लोगों का एक्स-रे कराया गया। इसके लिए 4 हैंड होल्ड एक्स-रे मशीन और 8 ब्लॉक स्तरीय मशीनों का उपयोग किया जा रहा है, जिससे दूरदराज के इलाकों में भी जांच आसान हुई है। वर्तमान में चमरौवा, मिलक, टांडा और स्वार ब्लॉकों में रोजाना शि. विर लगाकर अभियान को और तेज किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग का लक्ष्य है कि 1 जुलाई तक अधिक से अधिक लोगों की जांच कर रामपुर को टीबी मुक्त बनाने की दिशा में ठोस परिणाम हासिल किए जाएं। सीएमओ डॉ. दीपा सिंह ने कहा कि यह अभियान जनभागीदारी से ही सफल होगा और लोगों से अपील की कि वे आगे आकर अपनी जांच कराएं।

अम्बेडकर पार्क बनेगा पर्यटन का केंद्र : आकाश

शहर विधायक आकाश सक्सेना ने शासन को भेजा प्रस्ताव

10 करोड़ से विकास कार्य कराने का दिया प्रस्ताव

शाह टाइम्स संवाददाता

रामपुर। सिविल लाइन्स स्थित अम्बेडकर पार्क को लखनऊ के जनेश्वर मिश्र पार्क की तर्ज पर विक. सित किया जाएगा। इसके लिए शहर विधायक आकाश सक्सेना ने शासन को प्रस्ताव भेजा है। उन्होंने बताया कि 10 करोड़ की लागत से विकास कार्य कराए जाएंगे।

नैनीताल समेत उत्तराखंड के प्रमुख पर्यटन स्थलों को जाने के लिए रामपुर अहम केंद्र है। ऐसे में रामपुर के सिविल लाइन्स स्थित अम्बेडकर पार्क पर्यटन का प्रमुख केंद्र हो सकता है। लिहाजा, शहर विधायक आकाश सक्सेना ने पार्क को लखनऊ के जनेश्वर मिश्र पार्क की तर्ज पर विक. सित कराने के प्रयास शुरू कर दिए है। इसके लिए उन्होंने शासन को प्रस्ताव भेजा है। इसके अनुसार जनेश्वर मिश्र पार्क अपनी भव्यता, हरियाली और आधुनिक व्यवस्थाओं के लिए जाना जाता है। विधायक ने बताया कि अम्बेडकर पार्क पर लगभग 10 करोड़ रुपये खर्च किए जाने का प्रस्ताव है, जिससे पार्क को आकर्षक, सुव्यवस्थित और जनसुविधाओं से युक्त बनाया जा सके। योजना के तहत पार्क में सौंदर्यीकरण, हरित क्षेत्र का विस्तार, आकर्षक लाइटिंग, फव्वारे, बच्चों के खेलने के लिए आधुनिक उपकरण, ओपन जिम, वॉकिंग ट्रैक और बैठने की बेहतर व्यवस्था विक. सित की जाएगी। साथ ही सुरक्षा के दृष्टिकोण से सीसीटीवी और साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी।

विधायक आकाश सक्सेना का कहना है कि इस पहल से न केवल स्थानीय लोगों को एक बेहतर मनोरंजन स्थल मिलेगा, बल्कि यह पार्क शहर में पर्यटन को भी बढ़ावा देगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि शासन से स्वीकृति मिलने के बाद जल्द ही विकास कार्य शुरू किए जाएंगे।

बेमौसम बारिश: 235 किसानों को मिली 23.83 लाख की राहत राशि

विभिन्न किसान संगठन लगातार उठा रहे हैं मुआवजे की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

रामपुर। अप्रैल के दूसरे सप्ताह हुई बेमौसम बारिश व आंधी पानी ने अन्नदाताओं के पसीने छुड़ा दिए। जिसकी वजह रही कि खेतों में खड़ी गेहूं की फसल को काफी नुकसान हुआ। कई एकड़ की फसल बारिश में पट हो गई। पहले से कर्ज के बोझ से दबे किसानों पर यह बारिश काफी भारी पड़ी। लिहाजा लगातार विभिन्न किसान संगठन सर्वे कर किसानों को फसलों का मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं। प्रशासन ने भी इस मामले को गंभीरता से लेते हुए सर्वे कराया। इसके बाद 235 किसानों के बीच 23.83 लाख रुपये की राहत राशि का वितरण किया गया।

शासन के स्पष्ट आदेश हैं कि बेमौसम बारिश या फिर आपदा से किसानों की फसलें चौपट होती हैं तो राजस्व विभाग की टीम मौके पर जाकर सर्वे करें। फसलों के नुकसान का उचित मुआवजा किसानों को दिया जाए। इस बार अप्रैल के दूसरे माह बेमौसम बारिश ने अन्नदाताओं का बजट बिगाड़ दिया। अधिकतर किसानों की पकी फसल खेतों पर ही खड़ी थी। बारिश से फसलों को खासा नुकसान हुआ। लिहाजा शासन के आदेश और विभिन्न किसान संगठनों की मांग को देखते हुए डीएम अजय कुमार द्विवेदी ने राजस्व विभाग की टीमों को निर्देश दिए कि वह अपने-अपने क्षेत्र में जाकर सर्वे कर फसलों के नुकसान का जायजा लें। टीम द्वारा रिपोर्ट मिलने के बाद डीएम ने समस्त तहसीलों के कुल 235 प्रभावित किसानों को 23,83,082 रुपये की आर्थिक सहायता दी है। यह राशि शासन द्वारा निर्धारित एसडीआरएफ मानकों के अंतर्गत पूर्ण पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में हस्तांतरित की गई। डीएम अजय कुमार द्विवेदी ने बताया कि प्रशासन की प्राथमिकता है कि आपदा से प्रभावित कोई भी पात्र किसान राहत से वंचित न रहे। सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि भविष्य में भी ऐसी परिस्थितियों में त्वरित सर्वेक्षण कर राहत वितरण सुनिश्चित किया जाए।

नगर पंचायत और राजस्व विभाग ने नगर पंचायत की भूमि कराई कब्जा मुक्त

शाह टाइम्स संवाददाता

मसवासी राजस्व विभाग व नगर पंचायत प्रशासन ने नगर पंचायत कर्मियो के साथ नगर पंचायत की भूमी कब्जा मुक्त कराकर निर्माण मे लगाई गयी सामग्री भी नगर पंचायत ने अपने कब्जे मे ले ली नगर पंचायत के मोहल्ला भूवरा मे मोहम्मद रफी आदी ने नवीन परती की भूमी 1248 नवपर निर्माण कर कब्जा जमा रखा जिसको मंगलवार को राजस्व विभाग व नगर पंचायत प्रशासन ने पुलिस की मौजूदगी मै कब्जा मुक्त कर निर्माण सामग्री अपने कब्जे मे ले ली है इस दोरान चौकी इंचार्ज अजय कुमार शुक्ला पुलिस बल के

साथ मौजूद रहे वही नायब तहस. ीलदार व लेखपाल नगर पंचायत के ईओ अशूतोष सिंह वरिष्ठ लिपिक अमित कुमार चन्द्रा नमनीत, राजीव शर्मा सहित समस्त कर्मी मौजूद रहे-

अलग-अलग हुई मार्ग दुर्घटना में तीन घायल, एक रेफर

शाह टाइम्स संवाददाता

शाहबाद। नगर में सड़के चोडी होने पर दुर्घटनाओं की संख्या कम होनी चाहिए थी परंतु सड़के चौड़ी होने से वाहनों की स्पीड बढ़ गई, जिससे दुर्घटनाओं की संख्या में भी बढ़ोतरी होने लगी। आपको बतादें कि मीरगंज बरेली निवासी 23 वर्षीय राहुल पुत्र मित्रपाल अपने सोहना सिरौली निवासी 40 वर्षीय बहनोई अरविंद पुत्र जगदीश के साथ किसी रिश्तेदारी में जा रहे थे। अज्ञात वाहन ने उनकी मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी जिससे दोनों ही लोग मोटरसाइकिल सहित मार्ग पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहबाद पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने दोनों को प्राथमिक उपचार देते हुए राहुल को बेहतर इलाज के लिए जिला चिकित्सालय रामपुर रैफर कर दिया । वहीं दूसरी ओर शाम लगभग 3:30 बजे गुलरिया कलां निवासी 49 वर्षीय वेद प्रकाश पुत्र लक्ष्मण प्रसाद भी मार्ग दुर्घटना का शिकार हो गए। एंबुलेंस द्वारा उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहबाद लाया गया जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार देकर वेद प्रकाश को बेहतर इलाज के लिए जिला चिकित्सालय व्यापार कर दिया।

संविदा कर्मियों को राज्य सरकार द्वारा गठित आउटसोर्स निगम में शामिल किए जाने की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

स्वार। केंद्रीय कमेटी के आह्वान पर विद्युत संविदा कर्मचारी महासंघ, उत्तर प्रदेश के बैनर तले मंगलवार को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार एक दिवसीय सत्याग्रह किया गया। सत्याग्रह के दौरान संगठन ने ऊर्जा मंत्री से मांग की कि ऊर्जा निगमों के संविदा कर्मियों को राज्य सरकार द्वारा गठित आउटसोर्स निगम में शामिल किया जाए। इस दौरान चार सूत्रीय मांगों को लेकर भी विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि संविदा कर्मचारी दिन-रात विभाग और उपभोक्ताओं के हित में कार्य करते हैं, कई बार जोखिम उठाकर अपनी जिम्मेदारियां निभाते हैं, इसके बावजूद उन्हें आउटसोर्स निगम में शामिल न किया जाना उनके साथ

अन्यायपूर्ण और सौतेला व्यवहार है।

कर्मचारियों ने सरकार से मांग की कि उन्हें शीघ्र ही आउटसोर्स निगम में शामिल किया जाए, ताकि वे अपने परिवार का भरण-पोषण बेहतर तरीके से कर सकें। साथ ही चेतावनी दी गई कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई, तो अगले चरण में एक दिन का कार्य बहिष्कार किया जाएगा। सत्याग्रह में फरहान खान, दीनदयाल, शादाब खान, रफी अहमद, इसरार अहमद, राजू रामपाल, अनीस अहमद, गिरीश कुमार, रवि कुमार, अशोक कुमार, इदरीस अहमद, मोहम्मद उवेद, दयाराम, इरफान अली, यूसुफ अहमद सहित कई कर्मचारी मौजूद रहे।

अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन में मंगलवार परेड का निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

रामपुर। अपर पुलिस अधीक्षक, रामपुर द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन में आयोजित मंगलवार परेड की सलामी लेकर निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान परेड में उपस्थित महिला प्रशिक्षुओं एवं पुलिस कर्मियों के टर्नआउट, अनुशासन एवं तत्परता का परीक्षण किया गया। इसके उपरांत अपर पुलिस अधीक्षक ने पुलिस लाइन परिसर का भ्रमण करते हुए भोजनालय, रीडिंग रूम (लाइब्रेरी), कैंटीन, मनोरंजन कक्ष, म्यूजियम, जिम, आरटीसी कार्यालय, कैश कार्यालय, परिवहन शाखा आदि व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान परिसर की साफ-सफाई, व्यवस्थाओं की गुणवत्ता एवं रख-रखाव की स्थिति को भी परखा गया तथा संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

गेहूं क्रय केंद्रों में समुचित व्यवस्था न होने पर किसानों में आक्रोश

भाकियू अंबावता के पदाधिकारियों ने बिलासपुर गेहूं क्रय केंद्र का किया दौरा

शाह टाइम्स संवाददाता

रामपुर। भारतीय किसान यूनियन अंबावता के एक प्रतिनिधिमंडल ने नवीन गल्ला मंडी बिलासपुर स्थित गेहूं क्रय केंद्र का निरीक्षण किया। यहां पर किसानों के बैठने व पीने के पानी की समुचित व्यवस्था न होने पर उन्होंने नाराजगी जताई। उन्होंने गेहूं का दाम चार हजार रुपये प्रति कुंतल करने की मांग की।

गेहूं केंद्र पर मौजूद कर्मचारियों से बात करते हुए किसानों ने कहा कि एक किसान अपनी फसल को छह महीने तक औलाद की तरह पालता है। इसके बाद भी किसानों को फसलों का सही दाम नहीं मिल पा रहा है। पिछले साल की अपेक्षा इस बार गेहूं की पैदावार काफी कम हुई है। लिहाजा शासन को चाहिए कि चार हजार रुपये प्रति कुंतल किया जाए। किसानों का कहना था कि अगर विधायक व मंत्रियों के फायदे की बात होती है तो तुरंत कैबिनेट की बैठक बुलाकर उस प्रस्ताव को मंजूर कर लिया जाता है। उस दौरान पक्ष व विपक्ष सभी एक मंच पर आ जाते हैं। बात जब अन्नदाताओं की आती है तो सभी पीछे हट जाते हैं। यही वजह है कि किसान दिन ब दिन कर्ज में डूब रहा है। उनके बच्चे खेती-बाड़ी छोड़कर दूसरे शहरों में काम करने के लिए मजबूर हैं। वहीं उन्होंने क्रय केंद्रों पर गेहूं लेकर आने वाले किसानों के लिए समुचित व्यवस्था न होने पर भी नाराजगी जताई है। इस मौके पर मुबारक हसन, सुखदेव सिंह, मोहम्मद अहमद, प्रधान जगतार सिंह, अजब सिंह, रिजवान अली पाशा, इलियास अहमद, खुर्शीद अहमद और श्याम मोहन पांडे आदि मौजूद रहे।

रामपुर में 600 बेड का खोला जाए मेडिकल कालेज

उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल ने बैठक कर उठाई मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

रामपुर। उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के पदाधिकारियों ने एक बार फिर मरीजों को सुविधा देने के लिए रामपुर में 600 बेड का मेडिकल कालेज खोलने की मांग उठाई है। उनका कहना था कि जिला अस्पताल में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं न होने के कारण मरीजों को तुरंत रेफर कर दिया जाता है। जिससे कई मरीजों की जान रास्ते में चली जाती है। अगर मेडिकल कालेज की स्थापना हो जाए तो मरीजों को काफी राहत मिलेगी।

कार्यालय पर उद्योग व्यापार प्रति. निधि मंडल की बैठक हुई। जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप अग्रवाल सोनी ने कहा कि मंडल लंबे समय से रामपुर में मेडिकल कालेज खुलवाने की मांग शासन से कर रहा है। इस संबंध में स्थानीय अधिकारियों से लेकर शासन तक मुलाकात की गई। जिसकी वजह है कि जिला अस्पताल में हार्ट, ब्रेन, लिवर, किडनी विशेषज्ञ और जनरल फिजीशियन की तैनाती नहीं हैं। जिस कारण रोगियों को दिल्ली-मुरादाबाद जाकर महंगा इलाज कराना पड़ता है। अगर इन बीमारियों से ग्रसित कोई मरीज आ जाता है तो उसे तुरंत रेफर कर दिया जाता है। कई मरीज तो मुरादाबाद पहुंचने से पहले ही दम तोड़

देते हैं। अगर मेडिकल कालेज की स्थापना हो जाए तो मरीजों को काफी राहत मिलेगी। उनका कहना था कि काफी प्रयास के बाद शासन ने मेडिकल कालेज की स्वीकृत दे दी थी। अलीगंज बेनजीर में मेडिकल कालेज के लिए जमीन भी चिन्हित कर ली गई थी। यह जमीन उद्यान विभाग की थी। पूरी प्रक्रिया होने के बाद भी अंत में मामला लटक गया। उन्होंने कहा कि मरीजों की सहूलियत के लिए मेडिकल कालेज की स्थापना होना जरूरी है। इस मौके पर प्रदेश मंत्री पप्पू खा, मण्डल अध्यक्ष अब्दुल बासिक,संगठन मंत्री कन्हैया लाल पटवा, गोपाल शर्मा, यासीन प्रचार , मिलन सक्सेना, शाहिद मामू, विष्णु सैनी, नजाकत अली रयान, प्रवीण गुर्जर आदि मौजूद रहे।

न्यायालय श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय, जनपद-रामपुर उत्तर प्रदेश।

विविध वाद सं0- 48/2026

अनुराग सिंह उम्र करीब 30 साल पुत्र नन्द किशोर उर्फ पूरन लाल निवासी ग्राम भटपुरा, तहसील टाण्डा, जनपद-रामपुर। मो0 -8449287685....प्रार्थी / वादी

बनाम 1. नन्द किशोर उर्फ पूरन लाल उम्र करीब 66 वर्ष पुत्र केवल सिंह

2. सुनील कुमार उम्र करीब 41 वर्ष

3. सत्यवान उम्र करीब 36 वर्ष

4. संजय उम्र करीब 34 वर्ष

5. रवि कुमार उम्र करीब 32 वर्ष पुत्रगण नन्द किशोर उर्फ पूरन लाल समस्त निवासीगण ग्राम भटपुरा, तहसील टाण्डा, जिला-रामपुर।

6. आम जनता ......विपक्षीगण

सूचना बनाम आम जनता

आम जनता को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी अनुराग सिंह अपनी माता श्रीमति वीरवती पत्नी नन्द किशोर उर्फ पूरन लाल निवासी- ग्राम भटपुरा, तहसील टाण्डा, जिला रामपुर जिनकी मृत्यु दिनांक-21.03.2026 को शाम 7.00 बजे ग्राम भटपुरा, तहसील टाण्डा, जिला-रामपुर में घर पर ही हुई है, के द्वारा बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा सैदनगर, जिला-रामपुर के खाता सं0-10990100005887 में जमा धनराशि मुबलिग 1,40,000/- रूपये तथा उस पर ब्याज की प्राप्ति हेतु एक्ट 39 सन 1925 ई0 की धारा-372 के अन्तर्गत उत्तराधिकार प्रमाण पत्र के लिए प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है, जिसकी सुनवाई हेतु दिनांक- 24.04.2026 नियत हुई है। अतः यह इश्तहार जारी किया जाता है कि जिस किसी को उपरोक्त प्रार्थना पत्र बाबत उत्तराधिकार प्रमाण पत्र पर आपत्ति हो तो वह व्यक्तिगत रूप से या अधिवक्ता द्वारा 10 बजे सुबह न्यायालय सिविल जज (क0ख0) रामपुर उ0प्र0 में उपरोक्त दिनांक 24.04.2026 पर उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करे। उपरोक्त दिनांक के बाद किसी की कोई आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा और प्रार्थना पत्र पर उचित आदेश पारित कर दिया जायेगा।

आज दिनांक 21.04.2026 को मेरे हस्ताक्षर व मुद्रा सहित जारी किया गया।

मुंसरिम सिविल जज(क0ख0) रामपुर उ0प्र0

न्यायालय अपर जिला जज द्वितीय, रामपुर

नोटिस

सिविल मिस0 सं0- 03 सन् 2025

गुरपाल सिंह बनाम असलम आदि

1. असलम आयु लगभग 31 वर्ष पुत्र स्व0 अलताफ निवासी मौहल्ला चक स्वार तहसील स्वार जिला रामपुर

2. इमरान आयु लगभग 29 वर्ष पुत्र स्व0 अलताफ निवासी मौहल्ला चक स्वार तहसील स्वार जिला रामपुर

आपको सूचित किया जाता है कि उपरोक्त सिविल मिसलेनियस में दिनांक 08.05.2026 की तारीख आपके जबाब/आपत्तियो हेतु नियत है आप स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम अपना जबाब व आपत्तियां दिनांक 08.05.2026 तक प्रस्तुत करें अन्यथा आपके विरूद्ध माननीय न्यायालय द्वारा आदेश पारित कर दिया जायेगा। दिनांक-21.04.2026

आज्ञा से अपर
जिला जज द्वितीय, रामपुर

पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लि0,
अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत वितरण मण्डल, रामपुर

पत्रांक : 1314 — **ई-निविदा सूचना** — दि. 20.04.2026

अल्पकालीन ई-निविदा संख्या एवं कार्य का संक्षिप्त विवरण

1-02/2026-27 EDC (R) विद्युत नगरीय वितरण खण्ड (तकनीकी), रामपुर के क्षेत्रों में आगामी ग्रीष्म ऋतु में आने वाली दैवीय आपदा से क्षतिग्रस्त होने वाली विद्युत लाइनों एवं उपकरणों को सही करने/बदलने का कार्य। (रनिंग टेण्डर)।
प्रपत्र शुल्क रू0 1180.00, धरोहर राशि 5.00 हजार।

2-03/2026-27 EDC (R) विद्युत वितरण खंड-स्वार, रामपुर के क्षेत्रों में आगामी ग्रीष्म ऋतु में आने वाली दैवीय आपदा से क्षतिग्रस्त होने वाली विद्युत लाइनों एवं उपकरणों को सही करने/बदलने का कार्य। (रनिंग टेण्डर)।
प्रपत्र शुल्क रू0 1180.00, धरोहर राशि रू0 10.00 हजार।

3-04/2026-27 EDC (R) विद्युत वितरण खंड-मिलक, रामपुर के क्षेत्रों में आगामी ग्रीष्म ऋतु में आने वाली दैवीय आपदा से क्षतिग्रस्त होने वाली विद्युत लाइनों एवं उपकरणों को सही करने/बदलने का कार्य। (रनिंग टेण्डर)।
प्रपत्र शुल्क रू0 1180.00, धरोहर राशि रू0 10.00 हजार।

4-05/2026-27 EDC (R) विद्युत वितरण खंड बिलासपुर, रामपुर के क्षेत्रों मे आगामी ग्रीष्म ऋतु में आने वाली दैवीय आपदा से क्षतिग्रस्त होने वाली विद्युत लाइनों एवं उपकरणों को सही करने/बदलने का कार्य। (रनिंग टेण्डर)।
प्रपत्र शुल्क रू0 1180.00, धरोहर राशि रू0 10.00 हजार।

ई-निविदा की अंतिम तिथि : 06.05.2026 15:00 बजे

विस्तृत जानकारी एवं प्रपत्र वेबसाइट https://etender.up.nic पर उपलब्ध है। अग्रेतर समस्त सूचनाएं वेबसाइट पर ही प्रदर्शित की जाएंगी।

न्यायालय श्रीमान सिविल जज (सीनियर डिवीजन) महोदय, रामपुर।
मि0 केस नं0-136/2025
ओ0एस0 नं0-188/1988
(मो0 अहमद आदि बनाम गुफरान आदि)

सईद अहमद उम्र 78 वर्ष पुत्र स्व0 श्री अफ्जाल निवासी मौहल्ला पैर तौंगा, तहसील-सदर, जिला रामपुर।....प्रार्थी बनाम

1-मोहम्मद अहमद पुत्र स्व0 श्री अफ्जाल निवासी ग्राम बगी, तहसील सदर, जिला -रामपुर।

2-शकील अहमद पुत्र स्व0 श्री अफ्जाल निवासी निकट मदरसा फैजुल, थाना टीन, तहसील सदर, जिला रामपुर।

3-वजीर अहमद पुत्र स्व0 अफ्जाल (मृतक)

3/1-परवीन बेगम पत्नी स्व0 श्री वजीर अहमद

3/2-कु0 नौशीन आलिम पुत्री स्व0 वजीर अहमद निवासीगण मोहल्ला चपटा कालोनी, बिलासपुर गेट, तहसील सदर, जिला रामपुर।

3/3-कु0 आकिफा उम्र 16 वर्ष नाबालिग पुत्री स्व0 वजीर अहमद

3/4-बरीरा उम्र 15 वर्ष नाबालिग पुत्री स्व0 वजीर अहमद

3/5-उजैर उम्र 13 वर्ष नाबालिग पुत्र स्व0 वजीर अहमद

3/6-हारिस उम्र 14 वर्ष नाबालिग पुत्र स्व0 वजीर अहमद

3/7-नूर उम्र 17 वर्ष नाबालिग पुत्र स्व0 वजीर अहमद

3/3 से 3/7 की संरक्षिका सगी माता परवीन समस्त निवासीगण मोहल्ला पैर तौंगा, तहसील सदर, जिला-रामपुर।

4- जमीर अहमद पुत्र स्व0 श्री अफ्जाल निवासी मौहल्ला पैर तौंगा, तहसील-सदर, जिला रामपुर।

5- शादाब अहमद पुत्र स्व0 श्री अफ्जाल निवासी मोहल्ला पैर तौंगा, बेनुक रोड, तह0 सदर, जिला रामपुर।

6-नाजमा पत्नी सालिम पुत्री स्व0 अफ्जाल निवासी शाह बुलाकी ज्यारत मुरादाबाद, वर्तमान पता-मोहल्ला हरथला हड्डी वाली मिल, सोनकपुर, म0सं0- 1357, कशीराम कालोनी, मुरादाबाद।

7-रेशमा पत्नी अख्तर अली पुत्री स्व0 श्री अफ्जाल निवासी ग्राम नगलिया आकिल, निकट बाजार, तहसील सदर, जिला रामपुर।

8-गुफरान पुत्र छिद्दन (मृतक)

8/1-बिलाल पुत्र स्व0 श्री गुफरान निवासी नई बस्ती टीन वाली मस्जिद, तहसील सदर, जिला रामपुर।

8/2-अजीम पुत्र स्व0 श्री गुफरान निवासी मौहल्ला पैर तौंगा, तहसील सदर, जिला रामपुर।

8/3-नाजिम पुत्र स्व0 श्री गुफरान निवासी मौहल्ला पैर तौंगा, तहसील सदर, जिला रामपुर।

8/4-नसीम पुत्र स्व0 श्री गुफरान निवासी मौहल्ला पैर तौंगा, तहसील-सदर, जिला रामपुर।

8/5-रानी पत्नी इमरान पुत्री स्व0 गुफरान निवासी बिलासपुर गेट, चपटा कालोनी, तहसील सदर, जिला रामपुर।

8/7-मेहताब पत्नी शमीम पुत्री स्व0 श्री गुफरान निवासी नया थाना दौलतपुर सैफनी के आगे, मुरादाबाद।

8/8-सलमा बेगम पत्नी स्व0 श्री गुफरान निवासी मौहल्ला पैर तौंगा, तहसील सदर, जिला रामपुर।

9-रईस अहमद पुत्र स्व0 श्री छिद्दन (मृतक दिनांक 30-01-2022)

9/1-मो0 यासीन पुत्र स्व0 श्री रईस अहमद निवासी ग्राम नानकार, मस्तान बाबा का मजार, तहसील सदर, जिला रामपुर।

9/2-नूर बानो पत्नी इरफान पुत्री स्व0 श्री रईस अमद निवासी ग्राम नानकार, मस्तान बाबा का मजार, तहसील सदर, जिला रामपुर।

9/3-बब्बो पुत्री स्व0 श्री रईस अहमद निवासी ग्राम नानकार मस्तान बाबा का मजार तहसील सदर, जिला रामपुर।

9/4-गोरा पुत्री स्व0 श्री रईस अहमद पत्नी रईस निवासी ग्राम बगी, तहसील सदर, जिला रामपुर।

9/5-उजा पुत्री स्व0 श्री रईस अहमद पत्नी मुमताज निवासी स्वार, जिला-रामपुर।

10-मेहरून निशा उम्र 74 वर्ष पत्नी स्व0 श्री रईस अहमद पुत्री श्री अफ्जाल निवासी मौ0 चक स्वार, तहसील स्वार, जिला रामपुर।

11-चमन फातिमा उम्र 45 वर्ष पत्नी जाहिद अली पुत्री स्व0 श्री अफ्जाल निवासी मौहल्ला पैर तौंगा, तहसील सदर, जिला रामपुर।

13-05-2026 20-04-2026 विपक्षीगण

अभिषेक ने छुडाए दिल्ली के छक्के

हैदराबाद ने दिल्ली को दिया 243 रन का टारगेट

हैदराबाद, वार्ता। अभिषेक की शतकीय पारी की बदौलत सनराइजर्स हैदराबाद (आरएच) ने आईपीएल में मंगलवार को दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को 243 रन का टारगेट दिया है। राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में दिल्ली ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। आरएच ने 20 ओवर में दो विकेट पर 242 रन बनाए। अभिषेक शर्मा ने नाबाद 135 रन की शतकीय पारी खेली। उन्होंने 68 गेंद की पारी में 10 चौके और 10 छक्के लगाए।

हेनिरक क्लासन ने नाबाद 37 रन बनाए। दोनों ने नाबाद 66 रन की पार्टनरशिप की। अभिषेक के अलावा, ट्रैविस हेड ने 37, ईशान किशन ने 25 रन का योगदान दिया। दिल्ली की ओर से अक्षर पटेल ने एक विकेट लिया। एक बल्लेबाज रनआउट हुआ। हैदराबाद की पारी के आखिरी ओवर से 20 रन आए। इसमें 3 चौके ओर एक छक्का लगा। आखिरी बाल पर आए चौके के दम पर

हैदराबाद ने 20 ओवर में 242 रन बना डाले और दिल्ली को 243 रन का टारगेट दिया। 18वें ओवर में लुंगी एनगिडी ने 14 रन खर्च कर दिए। हेनरिक क्लासन ने उनकी चौथी और 5वीं बाल पर लगातार दो छक्के लगाए। बाकी के रन सिंगल के जरिए आए। 17वें ओवर में हैदराबाद ने 200 रन का आंकड़ा पार कर लिया है। अभिषेक ने नटराजन के ओवर की आखिरी बाल पर रिवर्स स्वीप करके चौका लगाया। इसी चौके से टीम का स्कोर 200 पार हो गया। 16वें ओवर में लुंगी एनगिडी ने महज 6 रन दिए। उनके इस ओवर में कोई बाउंड्री नहीं आई है। सभी रन सिंगल और डबल के जरिए बने। 15वें ओवर में हैदराबाद ने दूसरा विकेट गंवाया। नीतीश की चौथी बाल पर ईशान किशन रनआउट हो गए। बाल नीतीश के हाथ से लगकर नान स्ट्राइक के स्टंप पर लगी। ईशान 25 रन ही बना सके। इसी के साथ अर्धशतकीय साझेदारी टूट गई। नीतीश राणा ने इस ओवर में 23 रन आए। 15वें ओवर में अभिषेक शर्मा ने शतक पूरा किया। उन्होंने नीतीश राणा की शुरुआती दो बाल पर लगातार दो छक्के लगाए और 47 बाल पर शतक पूरा किया। अभिषेक ने अपने आईपीएल करियर में दूसरा शतक लगाया।

उनके टी-20 क्रिकेट में 9 शतक हो गए हैं। 14वें ओवर में अभिषेक शर्मा को जीवनदान मिला। टी. नटराजन की बाल पर डीप बैकवर्ट पाइंट पर नीतीश राणा ने कैच ड्राप किया। यहां अभिषेक शर्मा 86 रन के स्कोर पर खेल रहे थे। 13वें ओवर में अभिषेक शर्मा ने ईशान किशन के साथ दूसरे विकेट के लिए फिफ्टी पार्टनरशिप पूरी कर ली। उन्होंने मुकेश कुमार की आखिरी बाल पर छक्का लगाकर साझेदारी को 50 पार पहुंचाया। इसी के साथ हैदराबाद का स्कोर भी 150 पार हो गया। 11वें ओवर में कुलदीप यादव ने 21 रन खर्च कर लिए। उनके इस ओवर में 4 बाउंड्री लगी। इनमें दो चौके और दो छक्के शामिल रहे। 9वें ओवर की पहली बाल पर अभिषेक शर्मा ने हाफ सेंचुरी पूरी कर ली। उन्होंने अक्षर पटेल की पहली बाल को मिडविकेट की ओर खेला और अर्धशतक पूरा किया। अभिषेक ने 25 बाल पर फिफ्टी पूरी की। इसी ओवर में अक्षर पटेल ने 5वीं बाल पर ट्रैविस हेड को समीर रिजवी के हाथों कैच कराया। यहां फिफ्टी पार्टनरशिप ब्रेक हुई। हेड 37 रन बनाकर आउट हुए। टॉस हारकर बैटिंग कर रही हैदराबाद ने मजबूत शुरुआत की है। टीम ने पावरप्ले के 6 ओवर में 67 रन बना लिए थें।

टी-20 वर्ल्ड कप में प्रोटियाज के लिए अच्छे संकेत

दुबई, वार्ता। आईसीसी विमेंस टी-20 प्लेयर रैंकिंग के लेटेस्ट अपडेट के बाद दक्षिण अफ्रीका की टॉप परफॉर्मर बड़ी विनर रही हैं। दक्षिण अफ्रीका और भारत अभी इंग्लैंड और वेल्स में 12 जून से होने वाले महिला टी-20 वर्ल्ड कप के लिए अपनी तैयारियों को फाइनल कर रहे हैं, जिसमें पांच मैचों की सीरीज होगी और दोनों टीमों के प्लेयर्स को अपडेटेड रैंकिंग में बड़ी बढ़त मिली है।

प्रोटियाज की कप्तान लॉरा वोल्वार्ट भारत के खिलाफ सीरीज के दूसरे गेम में शानदार हाफ-सेंचुरी के बाद टी-20 बैटर्स की अपडेटेड रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया की जॉर्जिया वोल के बाद पांचवें स्थान पर बनी हुई हैं, जबकि टीम की साथी एनेरी डर्कसेन (18 पायदान ऊपर 33वें स्थान पर) और सुने लुस (आठ पायदान ऊपर 35वें स्थान पर) भी डरबन मुकाबले में अच्छे योगदान के बाद इसी लिस्ट में जगह बनाने में कामयाब रही।

भारत की ओपनर शेफाली वर्मा की बैटर रैंकिंग में भी फायदा हुआ है, प्रोटियाज के खिलाफ 57 रन की पारी के बाद दाएं हाथ की यह बल्लेबाज दो पायदान ऊपर चढ़कर कुल मिलाकर छठे स्थान पर आ गई हैं। आईसीसी के अनुसार, स्मृति मंधाना (चौथे) टी-20 बैटर्स की रैंकिंग में शेफाली से आगे भारत की एकमात्र खिलाड़ी हैं, जबकि कप्तान हरमनप्रीत कौर (दो पायदान ऊपर 11वें स्थान पर) दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के पहले मैच में नाबाद 47 रन की पारी के बाद टॉप 10 से ठीक बाहर हैं।

खेल विशेष

इंदिरा गांधी और जाकिर हुसैन कॉलेज जीते

नई दिल्ली, वार्ता। इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेस (आईजीआईपीईएसएस) और जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज ने तीसरे स्वामी दयानंद सरस्वती इंटर कॉलेज टी-20 डे-नाईट क्रिकेट टूर्नामेंट के लीग मैचों में जीत दर्ज की। अनन पुप (9 रन पर 4 विकेट) और आशीा (57) के उम्दा प्रदर्शन से इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेस (115/4, 11-1ओवर) ने राम लाल आनंद कॉलेज (113/10, 16-4 ओवर) को 6 विकेट से हराया। आशीा को मैन ऑफ द मैच का अवार्ड मिला। गर्व (73 रन व 21 पर 4 विकेट) के शानदार आलराउंड प्रदर्शन और केशव यादव (53) की बल्लेबाजी से जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज (154/01, 9-4 ओवर) ने शिवाजी कॉलेज (151/9, 20 ओवर) को 9 विकेट से मात दी।

पांचवां एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीतने मेड्रिड में उतरेंगे सिनर

मैड्रिड, वार्ता। जानिक सिनर का लगातार पांचवां एटीपी मास्टर्स 1000 टाइटल जीतने का सपना इस हफ्ते मटुआ मैड्रिड ओपन से शुरू होगा और इटैलियन खिलाड़ी को सोमवार को स्पेनिश राजधानी में हुए ड्रॉ के बाद अपना रास्ता पता चल गया। एटीपी रैंकिंग में नम्बर 1 खिलाड़ी एक क्वालिफायर के खिलाफ शुरुआत करेंगे और तीसरे राउंड में पिछले साल के क्वार्टर-फाइनलिस्ट गैब्रियल डायलो का सामना कर सकते हैं। टॉमी पॉल चौथे राउंड के संभावित विरोधी हैं और एलेक्स डी मिनौर सिनर के सीडेड क्वार्टर-फाइनल मैच में हैं। लेकिन, नेक्स्ट जेन एटीपी स्टार जोआओ फोंसेका और राफेल जोदार दोनों ही ड्रॉ में डी मिनौर के सेक्शन में हैं।

भारत कबड्डी, 3X3 बास्केटबॉल में अपनी पहचान बनाना चाहेगा

सान्या, वार्ता। 31 सदस्यों वाला भारतीय दल 22 से 30 अप्रैल तक पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के हैनान आइलैंड पर मौजूद सान्या में होने वाले एशियन बीच गेम्स 2026 में हिस्सा लेगा। एशियन बीच गेम्स के छठे एडिशन में 15 डिसिप्लिन में मेडल इवेंट होंगे, जिसमें कुल 62 गोल्ड मेडल दांव पर होंगे। भारत चार डिसिप्लिन में हिस्सा लेगा - 3ग3 बास्केटबॉल, बीच कबड्डी, सेलिंग और बीच रेसलिंग। भारत के टॉप बास्केटबॉल खिलाड़ी प्रणव प्रिंस और हर्ा डागर 3ग3 टीम में हेडलाइन करेंगे। ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया (ओसीए) द्वारा ऑर्गनाइज किया जाने वाला एशियन बीच गेम्स एक मल्टी-स्पोर्ट इवेंट है जो बीच और कोस्टल डिसिप्लिन पर फोकस करता है। पहली बार 2008 में इंडोनेशिया के बाली में हुए इन गेम्स में ऐसे स्पोर्ट्स दिखाए गए जो हमेशा एशियन गेम्स में शामिल नहीं होते थे। एशियन बीच गेम्स पिछली बार 2016 में वियतनाम के डा नांग में हुए थे, और शुरू में इन्हें 2020 में वापस आना था।

महिला टी-20 रैंकिंग में भारत-दक्षिण अफ्रीका की खिलाड़ियों का बड़ा उछाल

दुबई, वार्ता। भारत की ओप. नर शेफाली वर्मा डरबन में दूसरे टी-20 में 38 बॉल में 57 रन बनाने के बाद आईसीसी महिला टी-20 बैटिंग रैंकिंग में दो स्लॉट ऊपर चढ़कर छठे नम्बर पर आ गई हैं। ओपनर ने दो छक्के और चार चौके मारे, लेकिन यह उनकी टीम को जीत दिलाने के लिए काफी नहीं था क्योंकि दक्षिण अफ्रीका ने मैच आठ विकेट से जीत लिया।

मेजबान टीम वीकेंड की शुरुआत में छह विकेट से मिली जीत के बाद पांच मैचों की सीरीज में 2-0 से आगे है, इस हफ्ते मैच डरबन से जोहान्सबर्ग शिफ्ट हो रहे हैं। वर्मा की तरक्की से वेस्टइंडीज की कैप्टन हेली मैथ्यूज एक स्लॉट ऊपर चढ़कर तीसरे नम्बर पर आ गई हैं। भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने पहले मैच में 33 बॉल में नाबाद 47 रन बनाए थे,

जिससे उन्हें दो स्लॉट ऊपर चढ़कर जॉइंट 11वें नम्बर पर जगह मिली है। दक्षिण अफ्रीका की कैप्टन लॉरा वोल्वार्ट अब तक सीरीज में सबसे ज्यादा 105 रन बना चुकी हैं, उन्होंने पहले दो मैचों में 51 और 54 रन बनाए थे। वह बैट्समैन में पांचवें स्थान पर बनी हुई हैं। लिस्ट में दूसरी रैंकिंग में एनेरी डर्कसेन और सुने लुस शामिल हैं। डर्कसेन अपने दूसरे मैच में नाबाद 44 रन बनाने के बाद 18 स्लॉट ऊपर चढ़कर 33वें स्थान पर आ गईं।

RR का मुकाबला संघर्षरत लखनऊ से

लखनऊ, वार्ता। राजस्थान रॉयल्स आईपीएल 2026 के इस जरूरी मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ काफी कॉन्फिडेंस के साथ उतरेगी, और यह सही भी है। उनका क्रिकेट फीयरलेस यंग बैटिंग और एक बैलेंस्ड बॉलिंग अटैक से चला है, जिसने अक्सर अच्छा परफॉर्म किया है।

दूसरी ओर, लखनऊ अपने होम ग्राउंड पर काफी प्रेशर में लौटा, लगातार निराशाजनक नतीजों के बाद रिदम और कंसिस्टेंसी की तलाश में। यह मुकाबला, कई मायनों में, स्टाइल में एक क्लासिक कंट्रास्ट है। एक तरफ राजस्थान का फीयरलेस यूथ-ड्रिवन अप्रोच है, और दूसरी तरफ लखनऊ, जो अपने सीजन को होम ग्राउंड पर और गहरे

संकट में जाने से रोकने की बहुत कोशिश कर रहा है। लखनऊ ने अब तक 6 मैचों में से सिर्फ 2 जीते हैं, और वे अभी तीन मैचों में हार का सिलसिला जारी रखे हुए हैं। हालांकि कुछ इंडिविजुअल पल क्वालिटी के रहे हैं, लेकिन वे एक यूनिट के तौर पर पूरा परफॉर्मेंस नहीं दे पाए हैं। यही उनकी सबसे बड़ी चिंता रही है। वहीं, राजस्थान ने 6 मैचों में से 4 जीते हैं। भले ही उन्हें हाल ही में कुछ झटके लगे हों, लेकिन इस मैच में उनका ओवरऑल स्ट्रक्चर, बैलेंस और फॉर्म अभी भी अपने अपोनेंट्स से ज्यादा मजबूत दिख रहा है। लखनऊ के लिए, बैटिंग यूनिट सबसे बड़ी चिंता का विाय रही है। मिचेल मार्श और एडेन मार्करम ने अच्छी शुरुआत दी है, लेकिन उस शुरुआत को बड़े, मैच जिताने वाले योगदान में नहीं बदला है।

निकोलस पूरन एक मुश्किल सीजन से गुजर रहे हैं, मिडिल ऑर्डर में टाइमिग और कंसिस्टेंसी के लिए संर्घा कर रहे हैं। कप्तान, ऋाभ पंत ने कुछ असरदार कैमियो के साथ इरादा दिखाया है, लेकिन एक कमांडिग पारी जो सच में टीम को संभाले, इस सीजन में अभी तक नहीं आई है।

मुकुल चौधरी और अब्दुल समद ने कभी-कभी योगदान दिया है, लेकिन उनमें भी कंसिस्टेंसी की कमी रही है। बॉलिंग डिपार्टमेंट में, मोहम्मद शमी अभी तक अपनी बेस्ट रिदम में नहीं आए हैं, जबकि आवेश खान इनकंसिस्टेंट रहे हैं। मणिमारन सिद्धार्थ और दिग्वेश राठी ने टुकड़ों में योगदान दिया है। हालांकि, प्रिंस यादव कंट्रोल और समय पर ब्रेकथ्रू के साथ सबसे अच्छे परफॉर्मर रहे हैं।

बैटिंग में और गहराई लाने के लिए आयु बदोनी एक जरूरी ऑप्शन बने हुए हैं। इस बीच, राजस्थान को उनके टॉप ऑर्डर से अच्छा फायदा हुआ है। वैभव सूर्यवंशी एक असली ब्रेकआउट स्टार के तौर पर उभरे हैं, जो पूरी आजादी और अटैकिंग इरादे से खेल रहे हैं, जबकि यशस्वी जायसवाल ने टॉप पर स्थिरता और मैच्योरिटी दी है। ध्रुव जुरेल नम्बर तीन की भूमिका में अच्छी तरह से जम गए हैं।

बुमराह ने पहला ओवर फेंककर मुंबई में ‘विश्वास जगाया’

अहमदाबाद, वार्ता। गुजरात टाइटन्स (जीटी) को हराने से पहले मुंबई इंडियंस (एमआई) ने आईपीएल 2026 के जो पांच मैच खेले थे, उनमें उनके पहले ओवर दीपक चाहर (तीन बार) और ट्रेंट बोल्ट (दो बार) ने फेंके थे। एमआई ने उनमें से सिर्फ एक गेम जीता था और जसप्रीत बुमराह के नाम एक भी विकेट नहीं था। जिन तीन मौकों पर चाहर ने बॉलिंग की शुरुआत की थी,

उनमें बुमराह ने दूसरा ओवर फेंका था - और बाकी मौकों पर पांचवां और चौथा। अगर आप दूसरा ओवर नीचे भेजते हैं, तो आपको लगेगा कि यह अभी भी बॉलिंग की शुरुआत है, लेकिन आजकल टी-20 में ओवर अलग तरह से होते हैं। दूसरा ओवर पहले ओवर से काफी अलग होता है। यही बुमराह ने जीटी के खिलाफ किया, और बस! पहला विकेट।

बी साई सुदर्शन का। उनकी पहली ही गेंद पर। फाफ डू प्लेसिस के लिए यह मजाक करने के लिए काफी है: आपको लगता है कि यह अब बाकी मैचों में बार-बार होने वाली बात होगी। अभिनव मुकुंद ने ईएसपीएन क्रिकइंफो के टाइम आउट शो पर कहा कि (अगर बुमराह पहला ओवर फेंकते हैं) तो आप तीन दूसरे पेस-बॉलिंग ऑप्शन के साथ, पावरप्ले स्पेशलिस्ट को रखने का जोखिम उठा सकते हैं। उन्होंने बोल्ट को ट्राई किया। उन्होंने चाहर को ट्राई किया। और 2022 के बाद पहली बार, जसप्रीत बुमराह को पहला ओवर फेंकने को मिला, और तब नहीं जब टीमें बिना किसी नुकसान के 40, बिना किसी नुकसान के 50, बिना किसी नुकसान के 60 रन पर हों। पूरे सीजन में (दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ को छोड़कर) हर बार जब वह बॉलिंग करने आए हैं, तो कोई नुकसान नहीं हुआ है। इस मौके पर, यह 0 पर 0 था, वह अंदर आते हैं, और फिर अचानक वह स्ट्राइक करते हैं और आप एक अंतर देखते हैं। मैं यह नहीं कह रहा कि पहले ओवर का विकेट गेम का टर्निंग पॉइंट था, लेकिन मैं बस यह कह रहा हूं कि गुजरात टाइटन्स जैसी टीम के खिलाफ ऐसा करना, जो बीच के ओवरों में स्पिन के खिलाफ इतनी अच्छी नहीं है - इसलिए आपने दो स्पिनरों के साथ जाने का फैसला किया - इस गेम के लिए एक तरह से फायदेमंद रहा।

आयुष म्हात्रे आईपीएल से बाहर

चेन्नई, वार्ता। चेन्नई सुपर किंग्स को मंगलवार (21 अप्रैल) को बड़ा झटका लगा जब आयुष म्हात्रे हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण आईपीएल 2026 के बाकी मैचों से बाहर हो गए।

सीएसके ने कन्फर्म किया है कि 18 साल के इस खिलाड़ी की चोट के लिए 6-12 हफ्ते के रिहैबिलिटेशन पीरियड की जरूरत होगी, जिससे वह कॉम्पिटिशन से बाहर हो गए हैं। 18 अप्रैल को हैदराबाद में एसआरएच के खिलाफ बैटिंग करते समय दूसरा रन लेने की को. शिश में इस युवा खिलाड़ी को अपनी बाईं हैमस्ट्रिंग में चोट लगी हुई देखी गई। आउट होने से पहले उन्हें मैदान पर कुछ बार ध्यान देने की जरूरत पड़ी, और वापस आते समय, रामकृण घोा और फिजियो टॉमी सिमसेक ने उन्हें मैदान से बाहर जाने में मदद की। इसके बाद सोमवार को बैटर का स्कैन हुआ ताकि यह पता चल सके कि उसकी चोट कितनी गंभीर है।

म्हात्रे की गैरमौजूदगी में सीएसके की संभावनाओं को बहुत नुकसान होगा क्योंकि पांच बार की चैंपियन टीम पहले से ही टूर्नामेंट में लय हासिल करने के लिए संर्घा कर रही है। अपने पहले तीन गेम हारने के बाद, सीएसके ने अगले दो गेम जीते और हाल ही में हैदराबाद में हार गई। म्हात्रे अब तक 177-87 के शानदार स्ट्राइक रेट से उनके टॉप स्कोरर रहे हैं। सीएसके को कुछ दिन पहले ही एक झटका लगा था जब सीमर खलील अहमद टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही उन्होंने नाथन एलिस को भी चोट के कारण खो दिया था और डेवाल्ड ब्रेविस भी शुरुआती गेम में नहीं खेले थे। अनुभवी एमएस धोनी अभी तक खेलने के लिए उपलब्ध नहीं हैं और अब उनकी फिटनेस के आधार पर वे प्लेइंग एक्सआइआइ में आने के दावेदारों में से एक होंगे।

अल्काराज, सबालेंका ने लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवाड्र्स में टॉप अवॉर्ड जीते

मैड्रिड, वार्ता। स्पेनिश टेनिस प्लेयर कार्लोस अल्काराज को सोमवार रात 2026 लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवाड्र्स में वर्ल्ड स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर चुना गया। अल्काराज ने साइकिलिस्ट तादेज पोगाकर, जिन्होंने 2025 में अपना चौथा टूर डी फ्रांस जीता था, और कई दूसरी रेस जीती थीं,

और अपने मुख्य टेनिस राइवल, जानिक सिनर जैसे कैंडिडेट्स को हराया। टेनिस को एक और कामयाबी तब मिली जब आर्यना सबालेंका को वर्ल्ड स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर चुना गया। उन्होंने कहा, इस समय स्पोर्ट्स में बहुत सारी मजबूत, महान और इंस्पायरिग महिलाएं हैं, उन्होंने एक ऐसे कमरे में शुक्रिया अदा किया जहां ‘बहुत सारे स्टार्स’ थे। यह सेरेमनी लगातार दूसरे साल मैड्रिड में हुई, जिसमें टेनिस प्लेयर नोवाक जोकोविच और

चीनी फ्रीस्टाइल स्कीयर गु ऐलिंग प्रेजेंटिंग ड्यूटी पर थे। गु ने अपनी नई भूमिका की तुलना स्कीइंग से करते हुए कहा कि दोनों से उनके पेट में ‘तितलियां’ दौड़ जाती हैं। एफसी बार्सिलोना के स्पेन इंटरनेशनल खिलाड़ी लैमिन यामल को वर्ल्ड यंग स्पोर्ट्सपर्सन ऑफ द ईयर चुना गया, गु ने अपनी जीत का एक कारण यह बताया कि उनका ‘पूरी पीढ़ी पर’ असर पड़ा है। यामल ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि इससे मुझे आगे बढ़ने में मदद मिलेगी, क्योंकि अभी लंबा रास्ता तय करना है। एक और फुटबॉल जीत हुई जब यूरोपियन चैंपियन पेरिस सेंट-जर्मेन को लॉरियस वर्ल्ड टीम ऑफ द ईयर का अवॉर्ड मिला।

तिलक के पास जितनी प्रतिभा है, उन्हें ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं: हार्दिक

अहमदाबाद, वार्ता। अहमदाबाद में गुजरात टाइटंस (जीटी) पर मिली जीत को मुंबई इंडियंस (एमआई) के कप्तान हार्दिक पंड्या ने ‘टीम के लिए बहुत जरूरी’ बताया। हार्दिक ने गेंद से जॉस बटलर को आउट किया और इससे पहले तिलक वर्मा के साथ 81 रनों की साझेदारी भी की। इससे आईपीएल 2026 में उनके लगातार चार हार का सिलसिला भी टूट गया।

तिलक इस मैच के सबसे बड़े सितारे रहे। उनकी 45 गेंदों में नाबाद 101 रन की पारी ने एमआई को आखिरी चार ओवरों में 73 रन बनाने में मदद की और उन्होंने जीटी के सामने 200 रन का लक्ष्य रखा। यह तिलक का पहला आईपीएल शतक था, जिसमें आठ चौके और सात छक्के शामिल थे। हार्दिक ने मैच के बाद ब्रॉडकास्ट

पर बात करते हुए कहा कि तिलक के पास जितनी प्रतिभा है, उन्हें ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है। मैं उन्हें बस यही कहता रहा कि गेंद को देखो और मारो, क्योंकि मुझे सच में लगता है कि उनके बल्ले से गेंद जिस तरह निकलती है, वह बहुत खास है। समय आ गया था कि वह आकर प्रदर्शन करें। मुझे लगता है कि मैं डगआउट में इतना जोर से चिल्लाया कि मुझे थोड़ा चक्कर आ गया। लेकिन यह टीम के लिए जरूरी था, तिलक के लिए जरूरी था, मुंबई इंडियंस के लिए जरूरी था। एक कप्तान के तौर पर भी मुझे उस तरह की ऊर्जा चाहिए थी ताकि चीजें बदली जा सकें। इन शानदार शॉट्स के बाद, अब बारी थी जसप्रीत बुमराह की। उन्होंने 2022 के बाद पहली बार आईपीएल में गेंदबाजी की शुरुआत की और पहली ही गेंद पर बी साई सुदर्शन को आउट कर दिया।हार्दिक ने कहा कि जसप्रीत बुमराह इतने खास हैं कि आप उन्हें वहीं इस्तेमाल करते हैं, जहां टीम को उनकी जरूरत है। आज हमने सोचा कि नई गेंद से असर डालना है और उनसे बेहतर कोई नहीं है। बुमराह शायद ही कभी पहला ओवर डालते हैं। यह 151 आईपीएल मैचों में सातवीं और कुल मिलाकर 276 टी-20 मैचों में 16वीं बार था, जब उन्होंने ऐसा किया। उन्होंने गेंदबाजी की शुरुआत इसलिए की क्योंकि एमआई नई गेंद से असर डालना चाहती थी।

Dainikshahtimes@gmail.com For Articles

वार्ता पर संशय खत्म

इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच पहले दौर की शांति वार्ता फेल होने के बाद दोनों देशों के बीच तनातनी और बढ़ गई है, लेकिन इस बीच अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि अगले दो दिनों में ईरान के साथ अमेरिका की बातचीत हो सकती है और इन वार्ताओं के लिए पाकिस्तान फिर से संभावित स्थान हो सकता है। ट्रम्प के दावों के बीच अमेरिका मीडिया ने दावा किया है कि जेडी बैंस अभी अमेरिका में ही हैं और उनका पाकिस्तान जाना संभव नहीं है। पहले दौर की वार्ता के बाद जेडी बैंस अमेरिका लौट गए थे और उन्होंने कहा था कि युद्ध की धमकी के बाद फिर से वार्ता करने का कोई मतलब नहीं है। जिस यूरेनियम को लेकर अमेरिका भड़का और उसने इजरायल को ईरान से युद्ध के लिए भड़काया, अब वही अमेरिका वार्ता का दबाव बना रहा है, हालांकि ईरान ने साफ कर ि दिया है कि जब तक अमेरिका उसकी बात नहीं मानता, तब तक वार्ता का कोई औचित्य नहीं है। ईरान का यह कहना था कि अमेरिका पहले होर्मुज से अपनी नाकाबंदी हटाए, तभी वार्ता संभव है। इसी से समझ में आता है कि न तो अमेरिका ने नाकाबंदी हटाई है और न ही ईरान वार्ता के लिए तैयार है। हालांकि अमेरिका और ईरान दोनों देशों को होर्मुज से अपनी-अपनी दावेदारी हटा देनी चाहिए, क्योंकि इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच दूसरे दौर की शांति वार्ता को लेकर भारी सस्पेंस बना हुआ है और तनाव बढ़ गया है। 21 अप्रैल 2026 तक की स्थिति के अनुसार ईरान ने अमे. रिका के साथ दूसरे दौर की बातचीत से इन्कार कर दिया है और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर संघर्षविराम के उल्लंघन का आरोप लगाया है। पाकिस्तान में मध्यस्थों के माध्यम से बातचीत की कोशिशें हो रही थीं, लेकिन ईरान ने इसे ठुकरा दिया। 22 अप्रैल 2026 को समाप्त होने वाले दो सप्ताह के नाजुक सीजफायर पर अब बड़ा खतरा मंडरा रहा है। वार्ता में मुख्य अड़ंगा यूरेनियम एनरिचमेंट को लेकर है। अमेरिका चाहता है कि ईरान यूरेनियम संवर्धन पूरी तरह बंद करे, जबकि ईरान ने 5 साल तक रोकने का प्रस्ताव दिया था, जिसे अमेरिका ने ठुकराकर 20 साल तक रोकने की मांग की है। ईरान ने अमेरिकी सैन्य कार्रवाइयों को समुद्री डकैती करार दिया है और होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरानी जहाजों को रोकने के जवाब में जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी है। इससे पहले इस्लामाबाद में हुई लंबी वार्ता किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंच सकी थी, क्योंकि परमाणु कार्यक्रम और प्रतिबंधों में राहत जैसे मुद्दों पर सहमति नहीं बन पाई थी। वर्तमान में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम होने के बजाय और गहरा गया है।

संसद की गरिमा आहत हुई

राष्ट्र संबोधन में पीएम ने सांसदों पर आपत्तिजनक टिप्पणी की, जिससे संसद की गरिमा आहत हुई, यह लो. कतांत्रिक अधिकारों का उल्लंघन है, खासकर 131वें संविधान संशोधन बिल पर चर्चा के बाद, यह मामला बेहद गंभीर है क्योंकि यह सिर्फ किसी व्यक्ति पर हमला नहीं, बल्कि संसद और लोकतंत्र की गरिमा से जुड़ा मुद्दा है, लोकसभा अध्यक्ष मामले में तुरंत कार्रवाई करें, सांसदों के अधिकारों की रक्षा और संसद की गरिमा बनाए रखना जरूरी है, ताकि भविष्य में ऐसे मामलों की पुनरावृत्ति न हो, यह संबोधन पहले से तय परंपराओं के खिलाफ था और इसमें विपक्ष पर कई राजनीतिक हमले किए गए।

-केसी वेणुगोपाल, कांग्रेस सांसद

धधकती धरती : विकास की अंधी दौड़ या विनाश का काउंटडाउन

योगेश कुमार गोयल

धरती आज केवल गर्म नहीं हो रही, वह मानो भीतर ही भीतर धधक रही है और यह आग प्राकृतिक नहीं, मानवीय लालसाओं की उपज है। हर साल 22 अप्रैल को मनाया जाने वाला 'विश्व पृथ्वी दिवस' मानव सभ्यता के सामने खड़े उस गहन संकट की चेतावनी है, जिसे हमने स्वयं अपने हाथों से जन्म दिया है। विडंबना यह है कि जलवायु परिवर्तन पर वैश्विक मंचों (दोहा, कोपेनहेगन, कानकुन) में वर्षों से चिंतन, विमर्श और संकल्पों की पुनरावृत्ति होती रही है किन्तु धरातल पर परिवर्तन नगण्य है। विकास की परिभाषा जब केवल आर्थिक वृद्धि, उपभोग और संसाधनों के अधिकतम दोहन तक सीमित हो जाए तो प्रकृति का संतुलन बिगड़ना अपरिहार्य हो जाता है। पिछले कुछ वर्षों में प्रकृति अपने विकराल रूप के माध्यम से लगातार संकेत दे रही है कि संतुलन की सीमा लांघी जा चुकी है। कहीं भीषण सूखा, कहीं अनियंत्रित वर्षा, कहीं असामान्य ठंड और कहीं प्रचंड गर्मी, मौसम अब अनुमान का विषय नहीं रहा। उत्तरी ध्रुव के तापमान में असामान्य वृद्धि और पर्वतीय क्षेत्रों में बढ़ती गर्माहट इस संकट की गंभीरता को और स्पष्ट करती है।

विकास के नाम पर हम प्रकृति से भयानक तरीके से जिस तरह का खिलवाड़ कर रहे हैं, उसके परिणामस्वरूप मौसम का मिजाज कब कहां किस कदर बदल जाए, कुछ भी भविष्यवाणी करना मुश्किल होता जा रहा है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते दुनियाभर में मौसम का मिजाज किस कदर बदल रहा है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि उत्तरी ध्रुव के तापमान में एक-दो नहीं बल्कि करीब 30 डिग्री तक की बढ़ोतरी देखी गई। मौसम की प्रतिकूलता साल दर साल किस कदर बढ़ती जा रही है, यह इसी से समझा जा सकता है कि कहीं भयानक सूखा तो कहीं बेमौसम अत्यधिक वर्षा, कहीं जबरदस्त बर्फबारी तो कहीं कड़ाके की ठंड, कभी-कभार ठंड में गर्मी का अहसास तो कहीं तूफान और कहीं भयानक प्राकृतिक आपदाएं, ए सब प्रकृति के साथ हमारे खिलवाड़ के ही दुष्परिणाम हैं और हमें यह सचेत करने के लिए पर्याप्त हैं कि अगर हम इसी प्रकार प्रकृति के संसाधनों का बुरे तरीके से दोहन करते रहे तो हमारे भविष्य की तस्वीर कैसी होने वाली है।

जलवायु परिवर्तन से निपटने के नाम पर वैश्विक चिंता व्यक्त करने से आगे हम शायद कुछ करना ही नहीं चाहते। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के अनुसार हम यह समझना ही नहीं चाहते कि पहाड़ों का सीना चीरकर हरे-भरे जंगलों को तबाह कर हम जो कंक्रीट के जंगल विकसित कर रहे हैं, वह वास्तव में विकास नहीं बल्कि विकास के नाम पर हम अपने विनाश का ही मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। पहाड़ों में बढ़ती गर्माहट के चलते हमें अक्सर घने वनों में भयानक आग लगने की खबरें सुनने को मिलती रहती हैं। पहाड़ों की इसी गर्माहट का सीधा असर निचले मैदानी इलाकों पर पड़ता है, जहां का पारा अब हर वर्ष बढ़ता जा रहा है। धरती का तापमान यदि इसी प्रकार साल दर साल बढ़ता रहा तो आने वाले वर्षों में हमें इसके बेहद गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहना होगा क्योंकि हमें यह बखूबी समझ लेना होगा कि जो प्रकृति हमें उपहार स्वरूप शुद्ध हवा, शुद्ध पानी, शुद्ध मिट्टी तथा ढेरों जनोपयोगी चीजें दे रही है, अगर मानवीय क्रियाकलापों द्वारा पैदा किए जा रहे पर्यावरण संकट के चलते प्रकृति कुपित होती है तो उसे सब कुछ नष्ट कर डालने में पल भर की भी देर नहीं लगेगी।

यह केवल आंकड़ों की कहानी नहीं बल्कि उस असंतुलन की सजीव अभिव्यक्ति है, जिसे हमने तथाकथित विकास के नाम पर जन्म दिया है। वनों की अंधाधुंध कटाई ने न केवल जैव विविधता को संकट में डाला है बल्कि कार्बन संत. ुलन को भी गंभीर रूप से प्रभावित किया है। परिणामस्वरूप, वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा खतरनाक स्तर तक पहुंच गई है। सवाल है कि धरती का तापमान बढ़ते जाने के प्रमुख कारण क्या हैं? 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के मुताबिक इसका सबसे अहम कारण है ग्लोबल वार्मिंग, जो तमाम तरह की सुख-सुविधाएं व संसाधन जुटाने के लिए किए जाने वाले मानवीय क्रियाकलापों की ही देन है। पैट्रोल और डीजल आधारित ऊर्जा स्रोतों ने वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड का स्तर इतना बढ़ा दिया है कि पृथ्वी की तापीय संत. ुलन प्रणाली चरमराने लगी है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि वातावरण में पहले की अपेक्षा 30 फीसदी ज्यादा कार्बन डाईऑक्साइड मौजूद है, जिसकी मौसम का मिजाज बिगाड़ने में अहम भूमिका है। पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते रहे हैं लेकिन पिछले कुछ दशकों में वन-क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील किया जाता रहा है।

धरती के बढ़ते तापमान का प्रभाव अब केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं रहा बल्कि यह मानव अस्तित्व के लिए भी चुनौती बन चुका है। ध्रुवीय क्षेत्रों में तेजी से पिघलती बर्फ समुद्र के जलस्तर को बढ़ा रही है, जिससे विश्व के कई तटीय शहरों के डूबने का खतरा मंडरा रहा है। आने वाले दशकों में तापमान में संभावित 4-5 डिग्री की वृद्धि न केवल जंगलों में आग की घटनाओं को बढ़ाएगी बल्कि विशाल भूभाग को सूखे और मरुस्थलीकरण की ओर धकेल देगी। यह परिदृश्य कोई भविष्यवाणी नहीं बल्कि वर्तमान संकेतों का तार्किक विस्तार है। इस संकट के मूल में केवल औद्योगिक गतिविधियां ही नहीं, अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि और उपभोगवादी जीवनशैली भी प्रमुख कारण हैं। बढ़ती आबादी की आवश्यकताओं ने प्राकृतिक संसाधनों पर असहनीय दबाव डाला है। पृथ्वी का क्षेत्रफल सीमित है लेकिन मानव की इच्छाएं असीमित। यही असंतुलन आज वैश्विक पर्यावरणीय संकट का मूल कारण बन चुका है। प्रसिद्ध भौतिक विज्ञानी स्टीफन हॉकिंग की चेतावनी कि यदि यही प्रवृत्ति जारी रही तो पृथ्वी भविष्य में 'आग का गोला' बन सकती है, केवल एक वैज्ञानिक टिप्पणी नहीं बल्कि गंभीर भविष्यसूचक संकेत है।

अब प्रश्न यह नहीं कि संकट है या नहीं बल्कि यह है कि क्या हम इसे स्वीकार कर समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाने को तैयार हैं? पृथ्वी दिवस हमें केवल जागरूकता का संदेश नहीं देता बल्कि आत्ममंथन का अवसर भी प्रदान करता है। आवश्यकता इस बात की है कि विकास की अवधारणा को पुनर्परिभाषित किया जाए, जहां आर्थिक उन्नति के साथ पर्यावरणीय संतुलन को भी समान महत्व मिले। नवीकरणीय ऊर्जा, वनीकरण, जल संरक्षण और सतत विकास की नीतियां अब विकल्प नहीं, अनिवार्यता बन चुकी हैं। यदि हम अब भी नहीं चेते तो आने वाली पीढ़ियां हमें उस पीढ़ी के रूप में याद करेंगी, जिसने अपनी सुविधाओं के लिए पूरी पृथ्वी को संकट में डाल दिया। धरती हमारी विरासत नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों से लिया गया उधार है और इस उधार को सुरक्षित लौटाना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है।

योग व आयुर्वेद से मधुमेह नियंत्रण पर लगी विज्ञान की मुहर

अंतर्राष्ट्रीय शोध संस्थान फ्रंटियर्स इन क्लिनिकल डायबिटीज एंड हेल्थकेयर शोध ने यह प्रमाणित किया है कि केवल इंसुलिन से नहीं बल्कि समग्र इलाज से ही मधुमेह को मात दी जा सकती है। जिसके लिए योग, प्राणायाम, ध्यान, संतुलित आहार, जीवनशैली में सुधार तथा पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को अपनाना होगा। इसी अप्रैल माह में शोध को प्रकाशित किया गया है।

आचार्य बालकृष्ण

डायबिटीज के इलाज को लेकर पतंजलि के वैज्ञानिकों की ओर से किए गए शोध ने एक क्रांति को जन्म दिया है। जो वैश्विक स्तर पर लंबे समय से टाइप-1 डायबिटीज के मुख्य उपचार इंसुलिन थेरेपी को लेकर नजरिया बदलने को मजबूर कर देगा। अंतर्राष्ट्रीय शोध संस्थान फंटियर्स इन क्लिनिकल डायबिटीज एंड हेल्थकेयर शोध ने यह प्रमाणित किया है कि केवल इंसुलिन से नहीं बल्कि समग्र इलाज से ही मधुमेह को मात दी जा सकती है। जिसके लिए योग, प्राणायाम, ध्यान, संतुलित आहार, जीवनशैली में सुधार तथा पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को अपनाना होगा। इसी अप्रैल माह में शोध को प्रकाशित किया गया है। शोध में यह भी साबित किया है कि योग-प्राणायाम आदि को अपनाने से मरीजों के शुगर नियंत्रण, तनाव स्तर और जीवन की गुणवत्ता में भी सुधार देखा गया।

शोध अध्ययन में लगभग 612 शोध पत्रों का विश्लेषण किया गया। इस शोध को पतंजलि योगपीठ के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण ने लीड किया है। इस शोध ने यह भी प्रमाणित किया है कि पतंजलि वेलनेस का वह मॉडल है, जिससे करोड़ों मरीज पहले से लाभ उठा रहे हैं और अब विज्ञान भी इसे सार्थक बता रहा है।

शोध में चौंकाने वाले तथ्य

टाइप 1 डायबिटीज मेलिटस (टीवनडीएम) जिसे पहले जुवेनाइल डायबिटीज कहा जाता था, एक दीर्घकालिक जीवनशैली संबंधी रोग है। इसमें अग्न्याशय (पैंक्रियाज) की इंसुलिन बनाने वाली कोशिकाओं का नाश हो जाता है, जिससे शरीर में इंसुलिन की पूर्ण कमी हो जाती है और रक्त शर्करा (ब्लड ग्लूकोज) का स्तर अनियंत्रित हो जाता है। कुछ मामलों में अग्न्याशय से संबंधित ऑटोएंटीबॉडी कम मात्रा में पाए जाते हैं, इसलिए इसे इडियोपैथिक T1b डायबिटीज भी कहा जाता है। विश्व में हर पांच में से एक बच्चा, जिसे टीवनडीएम होता है, भारतीय मूल का होता है। यह रोग आमतौर पर बचपन या किशोरावस्था में शुरू होता है, लेकिन वयस्कों में भी हो सकता है, जहां इसके लक्षण धीरे-धीरे और हल्के होते हैं। हर साल लगभग 65,000 बच्चों में इसका निदान होता है और इसकी दर हर साल लगभग 3 प्रतिशत बढ़ रही है।

शोध को चार मुख्य विषयों में बांटा

शोध को मजबूत मानकों पर जांचा गया। शोध का निष्कर्ष निकालने से पहले उसे चार मानकों पर कसा गया। इसमें क्लिनिकल उपचार, योग और वैकल्पिक चिकित्सा, आयुर्वेद और भारत केन्द्रित दृष्टिकोण और व्यायाम और ग्लूकोज नियंत्रण।

रिसर्च में इनका विशेष योगदान

इस शोध में पतंजलि हर्बल रिसर्च डिवीजन, पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन, हरिद्वार, उत्तराखंड, डिपार्टमेंट ऑफ एलाइड एंड एप्लाइड साइंसेज, यूनिवर्सिटी ऑफ पतंजलि, पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार के वैज्ञानिक जया उप्रेती, मुस्कान चौहान, मयूर चौहान, प्रशांत कटियार, अनुराग डाबस और वेद प्रिया आर्य का विशेष योगदान रहा। इस शोध को पतंजलि योगपीठ के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण के नेतृत्व में किया गया। उनकी भूमिका इसमें सबसे अहम रही।

कोट- टाइप वन मधुमेह पर आई नई रिसर्च ने यह साबित कर दिया है कि योग, आयुर्वेद और नेचरोपैथी जैसी इंट्रीग्रेटेड थरेपी मरीजों के लिए बेहद मददगार है। पतंजलि के वैज्ञानिकों ने इस ओर बड़ा पुरुषार्थ किया है। इतना ही नहीं एकीकृत इलाज से स्वास्थ्य पर सकारात्मक असर दिखा है। अब दुनिया भर में इस विषय पर शोध तेजी से बढ़ रही है और भारत ने इसमें अहम भूमिका निभाई है। पतंजलि योग, आयुर्वेद और नेचरोपैथी के जरिए मधुमेह सहित कई जटिल और असाध्य रोगों को लगातार अपने वैज्ञानिक और साक्ष्य आधारित प्रमाणों के साथ शोध कर रहा है।

(लेखक पतंजलि योगपीठ के महामंत्री हैं)

दुनिया के 15 सबसे खूबसूरत पर्यटन स्थल जहां कर सकते हैं एंजॉय

दुनिया भर में प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक धरो. हरों से भरपूर अनगिनत स्थल हैं, जो यात्रा प्रेमियों के दिलों को आकर्षित करते हैं। इन स्थानों पर यात्रा करने से न केवल आत्मा को शांति मिलती है, बल्कि ये स्थान हमें प्रकृति की सुंदरता और मानव सभ्यता के अद्भुत रचनात्मकता का भी अहसास कराते हैं। इस लेख में हम दुनिया के उन 15 सबसे खूबसूरत पर्यटन स्थलों के बारे में बात करेंगे, जो अपने आकर्षण, सांस्कृतिक धरोहर, और प्राकृतिक सौंदर्य के कारण पर्यटकों के बीच लोकप्रिय हैं।

स्विट्जरलैंड - ज्यूरिक और इंटरलाकेन

स्विट्जरलैंड, दुनिया के सबसे खूबसूरत देशों में से एक है, जहां बर्फ से ढके पहाड़, हरियाली से भरपूर घाटियां, और झीलों की सुंदरता पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती हैं। विशेष रूप से इंटरलाकेन और ज्यूरिक शहरों को स्विट्जरलैंड के पर्यटन स्थल के रूप में पहचान मिली है। इंटरलाकेन, दो झीलों के बीच स्थित है, और यह पर्वतारोहण, ट्रैकिंग, और पैराग्लाइडिंग के लिए प्रसिद्ध है। वहीं, ज्यूरिक एक ऐतिहा. सिक शहर है, जहां आपको मध्यकालीन इमारतें और आधु. निक वास्तुकला का शानदार मिश्रण देखने को मिलता है।

मालदीव

मालदीव का नाम आते ही हमारे दिमाग में एक तस्वीर बनती है नीले पानी में लहराते सफेद रेतीले किनारे, लक्जरी रिसॉर्ट्स और शानदार समुद्र तट। यह द्वीपसमूह अपने खूबसूरत समुद्र तटों, शान्त वातावरण, और शानदार रिसॉर्ट्स के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। यदि आप एक ऐसी जगह की तलाश में हैं जहां आप समुद्र के नीले पानी में तैर सकें और समुद्र के नीचे की जादुई दुनिया का अनुभव कर सकें, तो मालदीव एक आदर्श गंतव्य है।

पेरू - माचू पिचू

माचू पिचू, पेरू के एंडीज पर्वतों में स्थित एक प्राचीन इंका शहर है, जो अब विश्व धरोहर स्थल के रूप में UNESCO द्वारा मान्यता प्राप्त है। यह स्थल एक असाधारण पुरातात्विक धरोहर है, जो न केवल अपनी वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि यहां की भव्यता और शांति भी पर्यटकों को आकर्षित करती है। माचू पिचू को देखने के लिए यात्रा करना एक अद्वितीय अनुभव है। यहां से दृश्य अद्भुत होते हैं, और यहां का वातावरण यात्रियों को प्राचीन काल में खो जाने का अहसास कराता है।

फ्रांस - पेरिस

पेरिस, जिसे श्रोमांस और संस्कृति की राजधानीश भी कहा जाता है, दुनिया भर के पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है। पेरिस का सबसे प्रसिद्ध स्थल एर्पामिस ज्वूमत है, जो न केवल एक विश्व धरोहर है, बल्कि एक प्रतीक है जो पेरिस की खूबसूरती और भव्यता को दर्शाता है। यहां के ऐतिहासिक संग्रहालय, जैसे लूव्र म्यूजियम, सांसी-लॉरेन, और नोट्रे डेम कैथेड्रल पर्यटकों के लिए खास आकर्षण हैं। पेरिस की सड़कों पर चलना, यहां के कैफे में बैठना, और फेंच व्यंजनों का स्वाद लेना किसी भी यात्रा प्रेमी का सपना होता है।

आइसलैंड-ब्लू लैगून

आइसलैंड के जलवायु और अद्वितीय भौगोलिक संरचना ने इस देश को एक अनोखा पर्यटन स्थल बना दिया है। ब्लू लैगून एक प्राकृतिक गर्म पानी का झील है जो अपनी नीली जलधारा के कारण प्रसिद्ध है। यह स्थान विशेष रूप से अपने खनिजों से भरपूर पानी और अद्भुत दृश्य के लिए जाना जाता है। आइसलैंड में गीजर, जलप्रपात और ज्वालामुखी के अद्भुत .श्य भी देखने को मिलते हैं। यहां का थिंगवेलीर नेशनल पार्क और गोल्डन सर्कल ट्रेल भी पर्यटकों के बीच बहुत प्रसिद्ध हैं।

इटली-वेनिस

वेनिस इटली का एक ऐतिहासिक और रोमांटिक शहर है, जिसे अपनी अद्भुत नहरों और सुंदर वास्तुकला के लिए जाना जाता है। यहां की गोंडोला नाव यात्रा और सेंट मार्क स्क्वायर पर आकर पर्यटक असली वेनिस की खूबसूरती का अनुभव कर सकते हैं। वेनिस का ऐतिहासिक महत्व और इसकी सड़कों पर चलने का अनुभव पर्यटकों को बहुत आकर्षित करता है। इस शहर की अद्भुत नहरों, ऐतिहासिक चर्चों, और महलों का .श्य अविस्मरणीय होता है।

अर्जेंटीना-पातागोनिया

पातागोनिया अर्जेंटीना और चिली का एक विशाल क्षेत्र है, जो अपनी खूबसूरत पहाड़ियों, बर्फीले ग्लेशियर्स और अद्वितीय वन्य जीवन के लिए प्रसिद्ध है। यह जगह उन यात्रा प्रेमियों के लिए आदर्श है जो प्रकृति के बीच शांतिपूर्ण वातावरण का अनुभव करना चाहते हैं। यहां के लोस ग्लेशियर्स नेशनल पार्क और फिट्ज रॉय माउंट की खूबसूरती पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है। पातागोनिया में पर्यटक ट्रैकिंग, हाइकिंग, और वाइल्डलाइफ सेंट्री में घूमने का आनंद ले सकते हैं।

ऑस्ट्रेलिया-ग्रेट बैरियर रीफ

ग्रेट बैरियर रीफ, जो दुनिया का सबसे बड़ा कोरल रीफ है, ऑस्ट्रेलिया के पूर्वी तट से मिलता है। यह स्थल न केवल समुद्र विज्ञानियों के लिए, बल्कि पर्यटकों के लिए भी एक आदर्श गंतव्य है। यहां आप अद्भुत समुद्री जीवन, रंग-बिरंगे कोरल, और मछलियों के झुंडों को देख सकते हैं। स्नॉर्कलिंग और स्कूबा डाइविंग के शौकिनों के लिए यह स्थान स्वर्ग से कम नहीं है।

कनाडा-बन्फ नेशनल पार्क

बन्फ नेशनल पार्क, कनाडा के एल्प्स पर्वत में स्थित है, और यह दुनिया के सबसे खूबसूरत नेशनल पार्कों में से एक है। यहां के नीले झीलें, बर्फ से ढके पहाड़, और घने जंगल पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। लेक लुइस और मोरिन झील यहां के प्रमुख आकर्षण हैं। यह स्थल प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर है और ट्रैकिंग, हाइकिंग, और स्कीइंग के लिए आदर्श है।

जापान-फुजी पर्वत

फुजी पर्वत, जापान का सबसे ऊंचा और पवित्र पर्वत है, जो यात्रा प्रेमियों के लिए एक महत्वपूर्ण स्थल है। यह पर्वत विशेष रूप से अपनी भव्यता और सांस्कृतिक महत्व के लिए जाना जाता है। हर साल हजारों लोग फुजी पर्वत की चोटी पर चढ़ने के लिए आते हैं। इसके अलावा, इसके पास के हाकोन झील और अशी झील भी पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

थाईलैंड-कओ सामुई

कओ सामुई, थाईलैंड का एक खूबसूरत द्वीप है जो अपनी सफेद रेत, नीले पानी और शानदार समुद्र तटों के लिए प्रसिद्ध है। यहां के बीच रिजॉर्ट्स, जलप्रपात और प्राचीन मंदिर भी पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। समुद्र के किनारे आराम करने और पानी की गतिविधियों में भाग लेने के लिए यह आदर्श स्थान है।

संक्षिप्त समाचार

इमरान खान से अमानवीय व्यवहार किया जा रहा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहन अलीमा खान ने आरोप लगाया है कि उनके भाई को एकांत कारावास में रखकर अमानवीय व्यवहार किया जा रहा है और उन्हें पर्याप्त चिकित्सीय सुविधा नहीं दी जा रही। सुखान द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि इमरान खान को 16 अक्टूबर 2025 से एकांत कारावास में रखा गया है। उन्होंने 2025 में केवल दो बार और फरवरी 2026 में एक बार, वह भी सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद, अपने बेटों से बात की थी। बयान के अनुसार, उन्हें पढ़ने के लिए किताबें भी उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं और जो किताबें भेजी गईं, उनमें से केवल तीन ही उन्हें मिल पाईं।

नाटो ने एनपीटी प्रतिबद्धताओं के साथ परमाणु स्थिति दोहराई

न्यूयॉर्क। उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) ने मंगलवार को कहा कि वह परमाणु गठबंधन बना रहेगा और परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) के प्रति अपनी प्रतिबद्धताओं का पालन करता रहेगा। नाटो ने अपने बयान में कहा कि वर्तमान 'बिगड़ता सुरक्षा माहौल' एनपीटी के लिए नई चुनौतियां पेश कर रहा है, क्योंकि परमाणु प्रसार से जुड़े संकट लगातार बढ़ रहे हैं। गठबंधन देशों ने एनपीटी के पूर्ण कार्यान्वयन के प्रति अपनी मजबूत प्रतिबद्धता दोहराई। 1970 में लागू होने के बाद से यह संधि वैश्विक स्तर पर परमाणु हथियारों के प्रसार को रोकने में महत्वपूर्ण रही है।

रूस ने लुगांस्क क्षेत्र पर पूरी तरह नियंत्रण कर लिया: सेना प्रमुख

मॉस्को। रूसी जनरल स्टाफ के प्रमुख वैलेरी गेरासिमोव ने मंगलवार को घोषणा की है कि रूसी सेना ने लुगांस्क पीपुल्स रिपब्लिक (एलपीआर) को पूरी तरह से मुक्त करा लिया है। गेरा. सिमोव ने कहा कि लुगांस्क पीपुल्स रिपब्लिक की मुक्ति का कार्य पूरी तरह संपन्न हो चुका है। इस समय रूसी सेना सभी मोर्चों पर तेजी से आगे बढ़ रही हैं और उनका अभियान जारी है। गौरतलब है कि लुगांस्क पीपुल्स रिपब्लिक (एलपीआर) यूक्रेन के लुहान्स्क क्षेत्र में एक स्वघोषित अलगाववादी क्षेत्र है। हालांकि संयुक्त राष्ट्र समेत अधिकांश देश इसे यूक्रेन का ही हिस्सा मानते हैं।

कुब्रा सैत ने की ADHD पर खुलकर बात

मुंबई। अभिनेत्री कुब्रा सैत ने हाल ही में अपनी सोशल मीडिया पोस्ट के घेरिए अपने अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर (एडीएचडी) के सफर के बारे में खुलकर बात की और इसे अपनी कमी के बजाय अपना 'सुपर पावर' बताया है। वीडियो में कुब्रा ने बताया कि कैसे सालों की सेल्फ-रिफ्लेक्शन और थेरेपी ने उन्हें अपने मन को बेहतर तरीके से समझने में मदद की।

जम्मू-कश्मीर। किश्तवार जिले में सिंथम टॉप तक बर्फ हटाने का काम पूरा हो चुका है, जिसके बाद दकसुम-किश्तवार सड़क को यातायात के लिए फिर से खोल दिया गया।

ईरान के परमाणु ठिकानों से सामग्री निकालना 'लंबी और कठिन प्रक्रिया': ट्रम्प

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के परमाणु स्थलों से सामग्री निक. लना 'लंबी और कठिन प्रक्रिया' होगी। ट्रम्प ने दावा किया कि 'ऑपरेशन मिडनाइट हैमर' के तहत ईरान के परमाणु स्थलों को 'पूरी तरह नष्ट' कर दिया गया है और वहां मौजूद समृद्ध यूरेनियम को निकालना आसान नहीं होगा। उन्होंने सोशल मीडिया पर अमेरिकी मीडिया की आलोचना करते हुए कहा कि वह अमेरिकी पायलटों को उनके योगदान का श्रेय देने में विफल रहा है और लगातार उनकी उपलब्धियों को कम करके दिखाता है। यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बना हुआ है और 10 दिन का अस्थाई युद्धविराम 22 अप्रैल को समाप्त होने वाला है।

भारत ने इजरायल की मदद कर कानून तोड़ा: यूएन दूत

हथियार भेजना नियमों के खिलाफ, इससे ग्लोबल सिस्टम कमजोर हो रहा: फ्रांसेस्का अल्बनीज

वाशिंगटन। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में भारत पर अंतर्राष्ट्रीय कानून के उल्लंघन का आरोप लगाया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इजरायल के साथ उसके संबंध और युद्ध के समर्थन को लेकर भारत की कानूनी और नैतिक जिम्मेदारी बनती है।

'टार्चर एंड जेनोसाइड' नाम की इस रिपोर्ट को यूएन स्पेशल दूत फ्रांसेस्का अल्बनीज ने 23 मार्च को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में पेश किया। द हिंदू से बात करते हुए उन्होंने भारत पर आरोप लगाया कि इजरायल के साथ करीबी संबंधों के चलते भारत अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत अपने दायित्वों का उल्लंघन कर रहा है और उसे इसकी जिम्मेदारी उठानी पड़ सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि इंटरनेशनल कोर्ट आफ जस्टिस ने इजरायल के कब्जे को गलत बताया है और देशों से हथियारों का लेन-देन रोकने को कहा है। इसके बावजूद भारत का हथियार भेजना नियमों के खिलाफ हो सकता है। उन्होंने कहा कि कानून के साथ-साथ भारत की नैतिक जिम्मेदारी भी बनती है। उनका मानना है कि भारत का इतिहास और न्याय की सोच ऐसे फैसलों के खिलाफ खड़ी होती है, लेकिन अभी सरकार का रुख उससे अलग नजर आ रहा है। टार्चर एंड जेनोसाइड रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अक्टूबर 2023 से इजरायल ने गाजा और डिटेंशन सेंटर्स में फलस्तीनियों के खिलाफ व्यवस्थित यातना का इस्तेमाल किया। रिपोर्ट में गाजा को बहुत बड़ा यातना शिविर बताया गया है। इसी रिपोर्ट के आधार पर अल्बनीज ने भारत की भूमिका पर टिप्पणी करते हुए कहा कि इजरायल के साथ करीबी संबंधों के चलते भारत अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत अपने दायित्वों का उल्लंघन कर रहा है और उसे इसकी जिम्मेदारी उठानी पड़ सकती है। इसी संदर्भ में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फरवरी में इजरायल यात्रा और 'स्पेशल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' का जिक्र किया। उनके अनुसार, यह संबंध अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को कमजोर करने की दिशा में जाता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि टार्चर केवल जेलों तक सीमित नहीं है। निगरानी, फेस रिकग्निशन, ड्रोन और चेकपाइंट्स के जरिए फिलिस्तीनियों के जीवन पर लगातार नियंत्रण रखा जा रहा है। इससे उनकी रोजमर्रा की जिंदगी भी एक तरह के मानसिक और सामाजिक दबाव में रहती है। अल्बनीज ने बताया कि गाजा में हालात बेहद खराब हैं। करीब 1,90,000 लोग 50 वर्ग किमी से कम इलाके में रह रहे हैं। वहां दवाइयों, साफ-सफाई और सुरक्षा की भारी कमी है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति कंसंट्रेशन कैंप से भी बदतर हो गई है। उन्होंने यह भी कहा कि जेलों के अंदर और बाहर दोनों जगह एक जैसी नीतियां लागू हैं, जैसे भूख से दबाव बनाना और बुनियादी जरूरतों से वंचित रखना। उनके मुताबिक, यह सब लोगों की उम्मीद खत्म करने की कोशिश है।

इंटरनेशनल कोर्ट आफ जस्टिस ने इजरायल के कब्जे को गलत बताया है और देशों से हथियारों का लेन-देन रोकने को कहा है: फ्रांसेस्का

जापान दूसरे देशों को घातक हथियार बेचेगा

50 साल बाद टोक्यो ने नीति में बदलाव किया, ऑस्ट्रेलिया के साथ 7 अरब डॉलर का समझौता

टोक्यो। जापान ने सेकेंड वर्ल्ड वॉर के बाद अपनी शांतिवादी नीति में बड़ा बदलाव किया है। प्रधानमंत्री साने ताकाइची की कैबिनेट ने घातक हथियारों के निर्यात पर लगी दशकों पुरानी रोक हटा दी है। इसके तहत अब जापान फाइटर जेट, मिसाइल और वारशिप जैसे हथियार दूसरे देशों को बेच सकेगा। मंगलवार को एक्स पर पोस्ट करते हुए ताकाइची ने कहा कि अब सभी रक्षा उपकरणों का ट्रांसफर संभव होगा। उन्होंने कहा कि हथियार सिर्फ उन देशों को दिए जाएंगे जो यूएन चार्टर (संविधान) के मुता. बिक उनका इस्तेमाल करने का वादा करेंगे। जापान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि कई देश जापानी हथियार खरीदने में दिलचस्पी दिखा रहे हैं।

हाल ही में जापान और आस्ट्रेलिया के बीच 7 अरब डॉलर का समझौता हुआ है। इसके तहत मित्सुबिशी हेवी इंडस्ट्रीज आस्ट्रेलियाई नौसेना के लिए 11 में से पहले 3 वारशिप बनाएगी। इससे पहले 1976 में लागू प्रावधानों के तहत जापान सिर्फ गैर-घातक सैन्य उपकरण ही निर्यात कर सकता था। इनमें निगरानी और माइन स्वीपिंग जैसे उपकरण शामिल थे। आस्ट्रेलिया के रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस और जापान के रक्षा मंत्री कोइजुमी शिंजिरो ने मेलबर्न में मेमोरेंडम पर साइन किए। सेकेंड वलर्ड वार और हिरोशिमा-नागासाकी परमाणु हमले के बाद जापान ने तय किया कि वह युद्ध से दूर रहेगा। संविधान के आर्टिकल 9 में साफ लिखा गया कि जापान युद्ध नहीं करेगा और सेना सिर्फ आत्मरक्षा तक सीमित रहेगी। इसी वजह से जापान ने सेल्फ डिफेंस फोर्स (एसडीएफ) बनाई। 1976 में जापान ने घातक हथियारों के निर्यात पर लगभग पूरी तरह रोक लगा दी। हालांकि 2014 में थोड़ी ढील दी गई लेकिन सख्त सीमाएं बनी रहीं। अब नए फैसले में जापान ने अपनी शांति नीति में बड़ा बदलाव किया है। अल जजीरा के मुताबिक, इस फैसले के तहत कम से कम 17 देश जापान से हथियार खरीद सकेंगे। इसमें आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, फिलीपींस और इंडोनेशिया जैसे देश शामिल हैं। अगर और देश जापान के साथ समझौते करते हैं तो यह सूची बढ़ सकती है। वहीं, जापानी अखबार असाही के मुताबिक जापान उन देशों को हथियार नहीं बेचेगा जहां फिलहाल युद्ध चल रहा है। हालांकि विशेष परिस्थितियों में जैसे राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला हो तो इसमें छूट दी जा सकती है। बदलते सुरक्षा हालात को वजह से यह बदलाव लाया गया हैं। खासतौर पर इंडो-पैसिफिक में चीन की बढ़ती ताकत, उत्तर कोरिया के मिसाइल टेस्ट और रूस-यूक्रेन युद्ध जैसे घटनाक्रम इसकी बड़ी वजह माने जा रहे हैं। अब जापान सिर्फ शांतिवादी देश नहीं रहना चाहता बल्कि क्षेत्रीय सुरक्षा में एक सक्रिय और जिम्मेदार साझेदार बनना चाहता है। अल जजीरा के मुताबिक, ताकाइची ने इस फैसले को बदलते वैश्विक हालात से जोड़ा। उनके अनुसार, मौजूदा समय में कोई भी देश अकेले अपनी शांति और सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकता इसलिए सहयोग और साझेदारी जरूरी हो गई है। जापान के इस फैसले को सिर्फ विदेश नीति का बदलाव नहीं, बल्कि उसके डिफेंस इंडस्ट्री के लिए बड़ा टर्निंग पाइंट माना जा रहा है। दशकों तक हथियार निर्यात पर रोक होने की वजह से जापान की रक्षा कंपनियां घरेलू आर्डर तक सीमित थीं जिससे उनकी ग्रोथ धीमी रही। अब यह बाधा हटने से कंपनियों के लिए वैश्विक बाजार खुल गया है जिससे घरेलू डिफेंस इंडस्ट्री को स्केल (पैमाना) बढ़ाने का मौका मिलेगा। सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि जापानी कंपनियों को बड़े पैमाने पर नए ग्राहक मिलेंगे। अभी तक अमेरिका, रूस और यूरोपीय देशों का हथियार बाजार पर दबदबा था, लेकिन अब जापान भी इसमें एंट्री कर रहा है। रोजगार और इकोनामी पर भी इसका असर पड़ेगा।

हाल ही में जापान और आस्ट्रेलिया के बीच 7 अरब डॉलर का समझौता हुआ है
1976 में जापान ने घातक हथियारों के निर्यात पर लगभग पूरी तरह रोक लगा दी

ब्रिटेन और फ्रांस परमाणु शुरू कर रहे हैं हथियारों की होड़: रूस

मास्को। रूस ने कहा है कि ब्रिटेन और फ्रांस अपनी परमाणु क्षमता में वृद्धि करके परमाणु हथियारों की होड़ को जन्म दे रहे हैं। यह परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) के लक्ष्यों के अनुरूप नहीं है। यह बात रूस के उप विदेश मंत्री अलेक्जेंडर ग्रुशको ने रूसी न्यूज एजेंसी स्पुतनिक के साथ साक्षात्कार में कही। उन्होंने कहा कि फ्रांस के नए सैद्धांतिक दृष्टिकोण कई मायनों में एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका की विस्तारित परमाणु निवारण नीति की याद दिलाते हैं और वे खुले तौर पर उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के संयुक्त परमाणु मिशनों में सहायक बनने की योजनाओं को भी उजागर करते हैं। ग्रुशको ने कहा कि ऐसे कदम नाटो के सदस्य देशों की उकसाने वाली सैन्य-परमाणु गतिविधियों के सामान्य पैटर्न के अनुरूप हैं, जो हमारे देश के खिलाफ हैं। ब्रिटेन ने पहले भी अपनी परमाणु क्षमताओं में वृद्धि की घोषणा की थी और वह भी रूस-विरोधी नारों के तहत। यह अपने आप में हथियारों की होड़ को बढ़ाने का काम करता है, जो न केवल एनपीटी के लक्ष्यों के अनुरूप नहीं है, बल्कि संधि के प्रत्यक्ष दायित्वों के भी सीधे तौर पर विपरीत है।

वेंस के साथ पाकिस्तान में दिखा विवादित करोबारी

इस्लामाबाद। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की पाकिस्तान यात्रा के दौरान एक विवादित कारोबारी की मौजूदगी ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

उमर फारूक जहूर, जिसे नार्वे में बैंक फ्राड और मनी लान्ड्रिंग के मामलों में वांछित बताया जाता है, इस्लामाबाद में अमेरिकी अधिकारियों के साथ नजर आया। 11 अप्रैल को वेंस के इस्लामाबाद पहुंचने के दौरान सामने आए एक वीडियो में अमे. रिकी दूत स्टीव विटकाफ उन्हें एक शख्स से मिलवाते दिखे। बाद में उस शख्स की पहचान जहूर के रूप में हुई। यह मुलाकात ऐसे समय हुई जब वेंस ईरान से जुड़ी शांति वार्ता के लिए पाकिस्तान पहुंचे थे। जहूर पाकिस्तान मूल का कारोबारी है, जिसका जन्म नार्वे के ओस्लो में हुआ और वह फिलहाल दुबई में रहता है। वह खुद को निवेशक और उद्यमी बताता है। हालांकि उसकी छवि अलग-अलग देशों में अलग है। यूरोप में उस पर गंभीर आरोप हैं, जबकि पाकिस्तान में उसे एक सफल निवेशक के तौर पर देखा जाता है। नार्वे की एजेंसियों के अनुसार, जहूर 2010 से नार्डिया बैंक से जुड़े फ्राड केस में वांछित है और उस पर मनी लान्ड्रिंग के आरोप भी हैं। उसे 2003 में गबन के मामले में सजा भी हो चुकी है।

जहूर पाकिस्तान मूल का कारोबारी है, जिसका जन्म नार्वे के ओस्लो में हुआ

जब तक समझौता नहीं हो जाता नहीं हटाएंगे नाकेबंदी: ट्रम्प

वाशिंगटन। अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि जब तक ईरान के साथ कोई समझौता नहीं हो जाता, तब तक अमेरिका ईरानी बंदरगाहों से अपनी नाकेबंदी नहीं हटाएगा। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार ट्रम्प का यह बयान ऐसे समय आया है जब इस बात को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है कि युद्ध खत्म करने को लेकर दोनों देशों के बीच नई बातचीत होगी या नहीं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा है कि एक हफ्ता पहले शुरू हुई यह नाकेबंदी ईरान को पूरी तरह तबाह कर रही है और अमेरिका इस संघर्ष में काफी आगे चल रहा है।

नोबेल शांति पुरस्कार की बढ़ रही चाहत

ट्रम्प के बाद अब पाक के पीएम और सेना प्रमुख को भी सम्मानित करने की उठी मांग

इस्लामाबाद। पाक के खैबर पख्तूनख्वा विधानसभा में मंगलवार को एक प्रस्ताव पेश किया गया। इस प्रस्ताव में पाक के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर को नोबेल शांति पुरस्कार देने की सिफारिश की गई है।

पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) की विधायक फराह खान ने यह प्रस्ताव विधानसभा सचिवालय में पेश किया। प्रस्ताव में कहा गया है कि इन दोनों नेताओं ने अपनी कूटनीति से क्षेत्रीय तनाव को कम करने में बड़ी भूमिका निभाई है। दुनिया और क्षेत्र में बढ़ते भू-राजनी. तिक तनाव के बीच पाकिस्तान ने बहुत ही जिम्मेदारी और समझदारी से काम लिया। प्रस्ताव के मुता. बिक, सदन क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शांति को बढ़ावा देने में पाकिस्तान के योगदान को स्वीकार किया है। इस प्रस्ताव में शहबाज शरीफ और असीम मुनीर के नेतृत्व की जमकर तारीफ की गई है। इसमें उनके दूरदर्शी नेतृत्व, रणनीतिक सूझबूझ और कूटनीतिक प्रयासों को सराहा गया है। प्रस्ताव का दावा है कि इन कोशिशों की वजह से पाकिस्तान की वैश्विक साख बढ़ी है। पाकिस्तान अब दुनिया के सामने एक जिम्मेदार और शांति चाहने वाले देश के रूप में उभरा है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी पाकिस्तान की इस भूमिका को पहचान मिली है। प्रस्ताव में यह भी कहा गया है कि पाकिस्तान की कोशिशों ने एक संभावित वैश्विक संकट को टालने में मदद की। इससे दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले दबाव को भी कम किया जा सका। इन्हीं योगदानों को देखते हुए शहबाज शरीफ और असीम मुनीर का नाम नोबेल शांति पुरस्कार के लिए भेजने की सिफारिश की गई है। हालांकि, राजनीतिक जानकारों का कहना है कि इस प्रस्ताव पर सदन में चर्चा होने की संभावना कम है। क्योंकि, खैबर पख्तूनख्वा विधानसभा में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के पास बहुमत है। पीटीआई इस प्रस्ताव का विरोध कर सकती है। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने साल 2022 में असीम मुनीर को सेना प्रमुख बनाने का विरोध किया था।

प्रस्ताव में यह भी कहा: पाकिस्तान की कोशिशों ने एक संभावित वैश्विक संकट को टालने में मदद की

ट्रम्प के ऐलान से पहले दांव लगाकर करोड़ों कमाए

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल के दौरान एक दिलचस्प और विवादित ट्रेंड देखने को मिला है। कई ट्रेडर्स (शेयर बाजार में दांव लगाने वाले लोग) बड़े ऐलान से ठीक पहले करोड़ों डॉलर के दांव लगाते दिखे हैं। बीबीसी ने अलग-अलग फाइनेंशियल मार्केट के ट्रेड डेटा का विश्लेषण किया और उसे ट्रम्प के बड़े बयानों और घोषणाओं के समय से मिलाया। इसमें एक पैटर्न सामने आया कि कई बार उनके बयान आने से कुछ घंटे या मिनट पहले ही ट्रेडिंग में अचानक तेज उछाल दिखा। कुछ एक्सपर्ट का मानना है कि यह इनसाइडर ट्रेडिंग का मामला हो सकता है। यानी सूचनाएं पहले ही लीक हो रही थीं, जिससे आम निवेशकों के भरोसे के साथ खिलवाड़ हो रहा है।

बयान से कुछ मिनट पहले ट्रेडिंग में अचानक तेज उछाल, इनसाइडर ट्रेडिंग का शक गहराया

धमकियों के बीच अमेरिका से बातचीत नहीं करेगा ईरान: गालिबाफ

तेहरान। ईरान ने धमकी के दबाव में अमेरिका के साथ बात. चीत करने से इन्कार किया है। ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बगर गालिबाफ ने ईरान को समझौता करने के लिए मजबूर करने के मकसद से अमे. रिका की ओर से अपनाए जा रहे हथकंडों (जिसमें नौसैनिक नाकेबंदी भी शामिल है) की कड़ी निंदा की है। उन्होंने चेता. वनी दी है कि ईरान युद्ध के मैदान में अपने नए पत्ते खोलने के लिए पूरी तरह तैयार है।

भारतीय के हत्यारे को उम्रकैद की सजा सुनाई

गाजियाबाद यूपी के छात्र कार्तिक वासुदेव को कनाडा के टोरंटो स्थित हाईकोर्ट से मिला इंसाफ

टोरंटो। टोरंटो की एक अदालत ने भारतीय छात्र कार्तिक वासुदेव की हत्या के मामले में दोषी व्यक्ति को उम्रकैद की सजा सुनाई है। अदालत ने आरोपी को मानसिक बीमारी के आधार पर आपराधिक जिम्मेदारी से मुक्त किए जाने की मांग खारिज कर दी। टोरंटो की उच्च न्यायालय की न्यायाधीश न्यायमूर्ति जेन केली ने आरोपी रिचर्ड एडविन को दो अलग-अलग हत्याओं में प्रथम श्रेणी हत्या का दोषी करार दिया। यह हत्याएं 7 अप्रैल और 9 अप्रैल 2022 को हुई थीं।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अदालत ने उसे बिना पैरोल की संभावना के आजीवन कारावास की सजा दी। मामले में आरोपी ने 21 वर्षीय कार्तिक वासुदेव को गोली मारने की बात स्वीकार की थी। हालांकि बचाव पक्ष ने दलील दी थी कि घटना के समय वह मानसिक बीमारी सिजोफ्रेनिया से पीड़ित था और सही-गलत में फर्क करने की स्थिति में नहीं था, इसलिए उसे आपराधिक रूप से जिम्मेदार न माना जाए। अदालत ने माना कि आरोपी मानसिक बीमारी से जूझ रहा था, लेकिन यह दलील स्वीकार नहीं की कि वह अपने कृत्य की प्रकृति समझने में असमर्थ था। इसी आधार पर अदालत ने एनसीआर (आपराधिक रूप से उत्तरदायी नहीं) की याचिका खारिज कर दी। फैसले में अदालत ने बताया कि कार्तिक वासुदेव शेरबोर्न स्टेशन के पास ब्लूर स्ट्रीट ईस्ट की सीढ़ियों की ओर जा रहे थे, तभी आरा. पी तेजी से उनके पास से निकला, फिर वापस मुड़ा और उनकी पीठ पर कई गोलियां दाग दीं। कार्तिक वासुदेव गाजियाबाद के रहने वाले थे और सेने. का कॉलेज में मैनेजमेंट की पढ़ाई कर रहे थे। वह जनवरी 2022 में उच्च शिक्षा के लिए कनाडा गए थे, लेकिन कुछ ही महीनों बाद उनकी हत्या कर दी गई। बताया गया था कि लूटपाट के चलते गोली मारी गई।

अदालत ने माना कि आरोपी मानसिक बीमारी से जूझ रहा था